रांची, सोमवार
09.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 96, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

भारत बना टी-20 विश्व कप चैंपियन

न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर भारत तीसरी बार जीता खिताब

एजेंसी

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब तीसरी बार अपने नाम किया। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। इसके साथ ही भारत लगातार दो बार टी20 विश्व कप जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बन गया। जसप्रीत बुमराह को उनके शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

फाइनल में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए 20 ओवर में 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। भारत की ओर से संजू सैमसन ने 89 रन की शानदार पारी खेली, जो टी20 विश्व कप फाइनल में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रहा। वहीं ईशान किशन ने 54 और अभिषेक शर्मा ने 52 रन का योगदान दिया। आखिर के ओवरों में शिवम दुबे ने 08 गेंदों पर 26 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने ज्यादा देर टिक नहीं सकी। ओपनर बैट्समैन टिम सीफर्ट ने 52 और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 43 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ा योगदान नहीं दे सके। पूरी कीवी टीम 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई।

भारत की ओर से गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन

करते हुए 4 ओवर में 15 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल ने 3 ओवर में 27 रन खर्च कर 3 विकेट हासिल किए। इस जीत के साथ भारत पहली ऐसी मेजबान टीम बन गया जिसने अपने घर में टी20 विश्व कप का खिताब जीता। साथ ही तीन बार टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बन गई।

मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष ने दी टीम इंडिया को टी20 विश्व कप जीतने की बधाई

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2026 जीतने पर हार्दिक बधाई दी। सोरेन ने रविवार रात सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि यह जीत करोड़ों भारतीयों के गर्व, विश्वास और जुनून की जीत है। हमारे खिलाड़ियों ने अद्भुत कौशल, साहस और टीम भावना का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि पूरे देश के साथ झारखंड भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहा है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बताया कि आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब जीतने पर भारतीय क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार रात को लिखा है कि पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर 140 करोड़ देशवासियों को गौरवांवित किया है।

टी20 विश्व कप जीतने पर पीएम मोदी और अमित शाह ने टीम इंडिया को दी बधाई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम की शानदार जीत के बाद देशभर में जश्न का माहौल है। भारत ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड टीम को 96 रन से हराकर तीसरी बार यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीम इंडिया को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय टीम को हार्दिक शुभकामनाएं। यह शानदार जीत खिलाड़ियों के असाधारण कौशल, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और इस जीत ने हर भारतीय के दिल को गर्व और खुशी से भर दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी टीम की सराहना करते हुए कहा कि विश्व चैंपियन टीम इंडिया को सलाम। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और जज्बे ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है और हर भारतीय को गर्व महसूस कराया है।

राष्ट्रपति मुर्मू प्रोटोकॉल विवाद : केंद्र सरकार ने बंगाल के मुख्य सचिव से किया जवाब तलब

नई दिल्ली/कोलकाता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान हुई ''लापरवाहियों'' को लेकर विवाद के बीच, केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से रविवार शाम पांच बजे तक प्रोटोकॉल, स्थल और मार्ग व्यवस्था से संबंधित ''उल्लंघनों'' पर जवाब मांगा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को एक पत्र लिखकर 'ब्लू बुक' के नियमों के उल्लंघन, प्रोटोकॉल, स्थल और मार्ग व्यवस्था के बारे में जवाब देने के लिए कहा है। 'ब्लू बुक' में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उनके परिवारों के सुरक्षा व प्रोटोकॉल नियमों की सूची होती है। शनिवार को राष्ट्रपति मुर्मू ने बागडोगरा हवाईअड्डे के पास आदिवासी समुदाय के एक कार्यक्रम में कम लोगों की उपस्थिति पर निराशा व्यक्त की और बिधाननगर की जगह इस स्थान पर कार्यक्रम आयोजित करने के फैसले को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके दौरे के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके मंत्री उपस्थित नहीं थे।

प्रधानमंत्री ने महिला दिवस पर दिल्ली को 33,500 करोड़ की सौगात

आपदा सरकार ने रोकी थी दिल्ली की विकास यात्रा : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आपदा सरकार की वजह से दिल्ली का विकास रूक गया था लेकिन पिछले एक साल दिल्ली में चहुंओर विकास हो रहा है और इसका लाभ लोगों को मिल रहा है। पीएम मोदी ने रविवार को यहां बुराड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम में दिल्ली में 33,500 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद कहा कि अब पता चल रहा है कि एक वर्ष पहले दिल्ली जिस आपदा से मुक्ति पाई वह कितनी जरूरी थी। अगर आपदा सरकार न होती तो मेट्रो का चौथा चरण पहले हो जाता। भाजपा की सरकार बनने के बाद दिल्ली में चारों तरफ विकास में तेजी आई है।

दिल्ली में हर दिन लाखों लोग बसों में सफर करते हैं इसलिए लोगों को साफ आरामदायक बस सेवा मिली है। चार हजार से अधिक बसें दिल्ली की सेवा कर रही है जिसमें ईवी बसें भी शामिल है। करीब दस वर्षों तक आपदा सरकार ने विकास का काम ठप्प कर रखा था लेकिन अब विकास का तेजी से किया जा रहा है। भाजपा सरकार यमुना की सफाई के लिए भी बडे स्तर पर काम कर रही है। दिल्ली में पहले जो आपदा सरकार थी उसे लोगों की परेशानी से कोई फर्क नहीं पड़ता था। आपदा सरकार ने कभी गरीबों की परवाह नहीं की लेकिन रेखा गुप्ता के नेतृत्व में निरंतर स्थितियों को ठीक किया जा रहा है। पिछले एक वर्ष में बड़ी संख्या में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाया गया जिससे लोगों को लाभ मिल रहा है। दिल्ली में विकास का माडल है। काम शुरू, बहाने बंद है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेट्रो के विस्तार से लेकर में हजारों कर्मचारियों के लिए लगातार सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। दिल्ली में जिस उम्मीद के साथ भाजपा की सरकार बनी थी उसका परिणाम विकास कार्यों में दिख रहा है। आज का कार्यक्रम एक और वजह से भी विशेष है वह है अंतराष्ट्रीय महिला दिवस। राजनीति प्रशासन विज्ञान खेल या समाज सेवा क्षेत्र में भारत की नारी एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति भारत के विशाल लोकतंत्र के बारे में सोचता है तो दिल्ली की तस्वीर आती है। दिल्ली का विकास केवल एक शहर का विकास नहीं होता बल्कि पूरे देश की छवि से जुड़ा होता है। दिल्ली जितनी आधुनिक होगी भारत का आत्मविश्वास दुनिया के सामने उतनी ही मजबूती से दिखायी देगा। आज दिल्ली सुविधाओं के मामले में आगे बढ रही है। एक समय था जब दिल्ली की खराब व्यवस्था की ही चर्चा होती थी। दिल्ली के एक हिस्से से दूसरे हिस्सों में जाने में घंटों लगते थे लेकिन अब विकास तेजी से आगे बढ रहा है।

सऊदी अरब में मिसाइल हमले से एक भारतीय की मौत, बांग्लादेशी नागरिक भी मारा गया

रियाद। सऊदी अरब में बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच एक रिहायशी परिसर पर मिसाइल गिरने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई, जबकि एक बांग्लादेशी नागरिक भी इस घटना में मारा गया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार हमले में कम से कम 12 अन्य बांग्लादेशी नागरिक घायल हुए हैं। बताया गया है कि यह घटना अल-खर्ज इलाके में हुई, जहां एक आवासीय परिसर पर मिसाइल गिरने से इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सऊदी सिविल डिफेंस अनुसार हमले के बाद राहत और बचाव दल मौके पर पहुंच गए और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने दावा किया था कि उसने अल-खार्ज समेत कई स्थानों पर रडार सिस्टम को निशाना बनाया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि रिहायशी परिसर पर गिरने वाली मिसाइल उसी हमले से जुड़ी थी या नहीं।

जदयू में शामिल हुए निशांत कुमार, बिहार की सक्रिय राजनीति में किया पदार्पण

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने रविवार को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की सदस्यता ग्रहण की और इसके साथ हीं उनका औपचारिक तौर पर बिहार की सक्रिय राजनीति में पदार्पण हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के बाद जदयू नेताओं और कार्यकताओं की तरफ से निशांत को सक्रिय राजनीति में लाने की मांग तेज हो गई थी।

पिछले तीन दिनों तक पार्टी के अंदर हुई मशक्कत और विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिली सहमति के बाद आज निशांत कुमार ने जदयू की सदस्यता ग्रहण कर ली है। निशांत को जदयू के प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने पार्टी की सदस्यता दिलाई।

इस अवसर पर पार्टी के शीर्ष नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यकताओं ने उत्साह और उम्मीद के साथ इस समारोह को एक ऐतिहासिक क्षण बना दिया और आशा व्यक्त की कि संसद के

उच्च सदन में नीतीश कुमार के जाने के बाद निशांत पार्टी की नई ताकत और ऊर्जा बनेंगे।

जदयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद निशांत ने पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे पार्टी को मजबूत बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले से कार्यकताओं के बीच पैदा हुई निराशा और पीड़ा को कम करने की कोशिश करते हुए उन्होंने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। निशांत ने कहा कि वह अपने पिता के राज्यसभा जाने के फैसले को स्वीकार करते है। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने पिछले 20 वर्षों में मुख्यमंत्री के रूप में बिहार के विकास के लिए बहुत काम किया है और उनकी कोशिश होगी कि अपने पिता के प्रयासों का प्रचार करें और उसे आगे बढ़ाने की कोशिश करें।

वास्तविक विकास के लिए महिलाओं की समान भागीदारी जरूरी : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि सही अर्थों में विकास हासिल करने के लिए देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए महिलाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें हर कदम पर समर्थन देना भी जरूरी है।

राष्ट्रपति रविवार को यहां अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में

महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान का सम्मान करना तथा लैंगिक समानता, सुरक्षा, सम्मान और महिला सशक्तीकरण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराना था। राष्ट्रपति ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, न्यायपालिका, सेना, चिकित्सा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला और उद्यमिता जैसे अनेक क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और पंचायतों में ग्रामीण विकास का नेतृत्व भी कर रही हैं। कई महिलाएं उद्योग, स्टार्टअप और कॉरपोरेट जगत में भी अपनी क्षमता और योग्यता से नेतृत्व प्रदान कर रही हैं। खेल जगत में भी बेटियां उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे उदाहरण यह विश्वास पैदा करते हैं कि अवसर और समर्थन मिलने पर महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकती हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत तेजी से वूमन-लेड डेवलपमेंट की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पिछले एक दशक में महिलाओं के सामने आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए मजबूत आधार तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि देश में स्कूली शिक्षा में लैंगिक समानता हासिल कर ली गई है और उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात के आधार पर छात्राओं की संख्या अधिक है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) शिक्षा में भी महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में प्रत्येक जिले में महिला छात्रावास स्थापित करने का प्रावधान किया गया है, जिससे एसटीईएम क्षेत्र की छात्राओं को अपनी पढ़ाई जारी रखने में सहायता मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत की बेटियां ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार हो रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाएं रोजगार देने वाली उद्यमी के रूप में भी उभर रही हैं। स्टार्ट-अप इंडिया योजना के तहत सहायता प्राप्त करने वाले आधे से अधिक स्टार्टअप में कम से कम एक महिला निदेशक है। उन्होंने बताया कि सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) पर वर्तमान में दो लाख से अधिक महिला स्वामित्व वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सक्रिय हैं।

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण आज से

पहले ही दिन लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ पेश होगा अविश्वास प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरूआत के साथ कल ही लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव (नोटिस) पेश किया जाएगा। इस प्रस्ताव को सदन में विपक्षी सांसद मोहम्मद जावेद, के. सुरेश और डॉ. मल्लू रवि पेश करेंगे। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 9 और 10 मार्च के लिए व्हिप जारी किया है। वहीं, कांग्रेस ने सभी सांसदों को 9-11 मार्च तक सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है।

पिछले महीने बजट सत्र के पहले चरण के दौरान विपक्ष ने लोकसभा के महासचिव को अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष पर पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्य करने का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग की गई थी। इस प्रस्ताव पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, वामपंथी दलों और अन्य दलों के सदस्यों सहित 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए थे।

चर्चा के दौरान ओम बिरला अध्यक्षीय आसन पर नहीं बल्कि सदन में सत्तापक्ष के सदस्यों के साथ मौजूद रहकर अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का जवाब दे सकेंगे। सदन की कार्यवाही उपाध्यक्ष या पैनल ऑफ चेयरपर्सन में शामिल सदस्य संचालित करते हैं। फिलहाल लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद खाली है, ऐसे में पैनल में शामिल सांसद ही कार्यवाही का संचालन करेंगे। इस बीच तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष के प्रस्ताव को समर्थन देने की घोषणा की है। तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसद हैं। नियमों के अनुसार स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव लोकसभा में साधारण बहुमत से पारित होता है। मौजूदा लोकसभा में एनडीए के पास करीब 290 से अधिक सांसदों का समर्थन है।

सदर अस्पताल परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

आज के समय में महिला देश के सर्वांगीण विकास में पुरुषों के साथ कदम से कदम मिला कर आगे बढ़ रही है:सीएस

बिभा संवाददाता

खूंटी । मातृ एवं शिशु अस्पताल के प्रांगण में रविवार को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉक्टर शोभा किस्पोट्टा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान 5 मरीजों को निश्चय कीट का वितरण किया गया।
अपने संबोधन में सिविल सर्जन डॉक्टर शोभा किस्पोट्टा ने बताया कि आज के समय में महिला देश के सर्वांगीण विकास में पुरुषों के साथ

कदम से कदम मिला कर आगे बढ़ रहे है महिलाएं न सिर्फ अपने घर परिवार का ध्यान रखती है बल्कि सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, रूप से भी भाग लेकर देश को आगे बढ़ा रहे है।
मौके पर उपाधीक्षक डॉक्टर आनंद किशोर उरांव ने बताया कि आज के दौर में महिला न सिर्फ शिक्षित हो रही है बल्कि देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति के पद पर भी पहुंच रही है उन्होंने बताया कि आज महिलाएँ माउंट एवरेस्ट की चोटी पर भी पहुंच रही है। लेबर रूम की इंचार्ज गीता कुमारी ने बताया कि आज के दौर में महिलाओं को मिले अधिकार का सही इस्तमाल करना चाहिए शिक्षित होकर देश को आगे बढ़ाना चाहिए उन्होंने टीनएज प्रेग्नेंसी रोकने एवं ,कम उम्र में शादी, के प्रति सभी महिलाओं को जागरूक किया। जिला डाटा प्रबंधक श्वेता सिंह ने बताया कि एक महिला परिवार का विशेष भाग होता है महिला अपने घर के काम के अलावा कार्यालय भी संभालती है एवं अपने परिवारजनों को सशक्त बनाने का काम करती है । कार्यक्रम में एनजीओ से जिला प्रतिनिधि संगीता मिश्रा , अमित गुप्ता , डॉ सुजिता मित्रा , के श्रीनिवासन , सुमित खलखो , नामेश्वर ब्राइक, रोहित कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

सराक मांझी सामाजिक संगठन ने समाज के महिलाओं को किया सम्मानित

खूँटी (बिभा)। विश्व महिला दिवस के अवसर मुरहू प्रखंड अंतर्गत माहिल मेराल आम बगीचा में रविवार को छोटानागपुरिया दिसोम सराक मांझी कुड़ुख उत्थान परिषद का बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता शशधर मांझी ने किया। जिसमें समाज के उपस्थित महिलाओं को सम्मानित भी किया गया तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने की चर्चा की गई। साथ ही, समाज का एक सशक्त समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में खूँटी जिले के 17 गाँवों के लोगों के जुटान हुआ। बैठक में उपस्थित लोगों का नाम नरोतम मांझी, रमेश मांझी, बसंत मांझी, जनक मांझी, राजकुमार मांझी, संजय मांझी, प्रसून मांझी, सुबोध मांझी, दयानंद मांझी, सुमन मांझी राकेश मांझी, साकेत मांझी विशेष रूप से उपस्थित थे। वहीं माहिल व मेराल सहित अन्य गाँव के लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

जल महोत्सव पखवाड़ा का शुभारंभ, जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर

बिभा संवाददाता

खूँटी । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को नगर भवन में जिला जल एवं स्वच्छता समिति, खूंटी, जिला समाज कल्याण विभाग एवं जेएसएलपीएस के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस दौरान जल महोत्सव पखवाड़ा का शुभारम्भ उप विकास आयुक्त जिला जल एवं स्वच्छता समिति नोडल पदाधिकारी आलोक कुमार व जिला परिषद अध्यक्ष आदि के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।
कार्यक्रम के दौरान कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल खूंटी द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया तथा स्वागत भाषण देते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी गई।
इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं और देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से खूंटी जिले की महिलाओं द्वारा खेल,

उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त ने जल महोत्सव पखवाड़ा के उद्देश्यों की जानकारी दी, बताया गया कि जल महोत्सव पखवाड़ा का आयोजन 8 से 22 मार्च 2026 तक किया जाएगा। भारत सरकार द्वारा इस संबंध में तिथिवार कार्यक्रमों के आयोजन हेतु निर्देश प्राप्त हुए हैं।
मौके पर, जिप अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने कहा कि आज देश दुनिया में महिलाएँ आगे बढ़ रही है यह खुशी की बात है। झारखंड के अनेक जिलों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। वहीं जहाज उड़ानें से लेकर हर काम में महिलाएँ अपना स्थान बना चुकी है। इसलिए महिलाएँ आगे बढ़े तो ही देश तरक्की करेगा। इस दौरान जल संरक्षण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुखिया, जल सहिया, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, प्रखंड वॉश समन्वयक समेत अन्य को सम्मानित किया गया। साथ ही जल महोत्सव पखवाड़ा के तहत जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा इस पर चर्चा की गई।

संक्षिप्त खबरें

खलारी में कुएं से युवक का शव बरामद

खलारी(बिभा)। मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के धमधमिया इलाके में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक स्थानीय कुएं से एक युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान कुंदन राम (30) के रूप में हुई है। वह सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की केडीएच परियोजना में कार्यरत कामेश राम का पुत्र था और केडीएच आवासीय कॉलोनी का निवासी बताया जा रहा है।परिजनों के अनुसार कुंदन राम बीते गुरुवार से ही घर से लापता था। काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल पाया था। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने धमधमिया स्थित एक कुएं में शव देखा, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।स्थानीय लोगों और परिजनों के अनुसार कुंदन राम को शराब पीने की आदत थी। आशंका जताई जा रही है कि गुरुवार की रात नशे की हालत में उसका संतुलन बिगड़ गया होगा और वह कुएं में गिर गया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि, अभी तक इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही मैक्लुस्कीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। वहीं घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में शोक का माहौल बना हुआ है।

महामहिम राष्ट्रपति का अपमान के विरोध में भाजपा ने किया ममता बनर्जी का पुतला दहन

खूँटी (बिभा)। देश के सर्वोच्च पद पर आसीन महामहिम राष्ट्रपति महोदया के अपमानित किये जाने पर रविवार की शाम शहर के नेताजी चौक में खूँटी के आक्रोशित भाजपाइयों ने खूँटी जिलाध्यक्ष आनंद कुमार के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया। पुतला दहन कार्यक्रम में उपस्थित भाजपाइयों ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का घोर अपमान किये जाने के विरोध में एकत्रित होकर पुतला जलाया और नारेबाजी कर विरोध जताया। द्रौपदी मुर्मू संथाल जनजातीय परम्परा के एक बड़े उत्सव में शामिल होने के लिए बंगाल गईं थीं, लेकिन राष्ट्रपति और जनजातीय समाज महत्वपूर्ण कार्यक्रम का टीएमसी ने बहिष्कार किया। यह राष्ट्रपति और संविधान का अपमान है। लोकतंत्र की महान परंपरा के साथ यह आदिवासियों का भी अपमान है। इसी के विरोध में भाजपा द्वारा पूरे देश सहित खूँटी में भी पुतला दहन किया गया। जिसमें जिला महामंत्री निखिल कण्डुलना, अनूप साहू, मनोज कुमार, जय भाला, फागु मुंडा, सुदर्शन भोगता, धनेश कुमार, मंटू कुमार, अर्जुन पाहन, राजेश्वर गुप्ता, जितेन्द्र कश्यप सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, चंदवा में स्टेम एवं एआई लैब का उद्घाटन

लातेहार/चंदवा (बिभा): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर चंदवा प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में एआई एवं स्टेम लैब का उद्घाटन सांसद कालीचरण सिंह के कर-कमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान लातेहार जिले के विभिन्न विद्यालयों में स्थापित स्टेम एवं एआई लैब का औपचारिक उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सांसद ने कहा कि स्टेम एवं एआई लैब की स्थापना से छात्राओं को आधुनिक तकनीक, विज्ञान एवं नवाचार से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा तथा वे भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार हो सकेंगी। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की आधुनिक प्रयोगशालाएँ विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी तथा उन्हें विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महिलाओं के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत 1 करोड़ की परिसंपत्तियों का वितरण

बिभा संवाददाता

खूँटी । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर तोरपा प्रखंड सभागार में जिला प्रशासन के सहयोग से जिले के विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक जागरूकता सह सशक्तिकरण शिविर लगाया गया। इस दौरान महिलाओं को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया तथा लगभग एक करोड़ की परिसंपत्तियों का वितरण महिला लाभार्थियों और छात्राओं के बीच किया गया।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष रसिकेश कुमार उपस्थित थे।
मौके पर बतौर मुख्य अतिथि डालसा अध्यक्ष ने कहा कि नारी इस पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत

का आधार है। एक महिला माँ के रूप में मानव जीवन को जन्म देती है और उसे प्रेम, संस्कार एवं मार्गदर्शन प्रदान करती है। महिलाओं के बिना समाज, परिवार और मानव सभ्यता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए महिलाओं का सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।
इस दौरान अपर समाहर्ता परमेश्वर मुंडा ने कहा कि महिलाओं के बिना किसी भी समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने महिलाओं को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।
डीएलएसए सचिव ने लोगों से आग्रह किया कि यदि उन्हें विधिक सहायता या सरकारी योजनाओं से संबंधित किसी प्रकार की समस्या हो तो वे डीएलएसए खूँटी के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने निःशुल्क विधिक सहायता के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया।
इस अवसर पर अपर समाहर्ता परमेश्वर मुंडा, एसडीजेएम विश्वावती कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन कुमार झा, अंचलाधिकारी पूजा बिंहा, डीएलएसए सचिव कमलेश बेहरा सहित जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे।

बुढ़ाडीह गाँव में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विधायक हुए शामिल

भारत ही नहीं बल्कि अन्य देशों में भी महिलाएं समान अधिकार से थी वंचित : राम सूर्या

बिभा संवाददाता

खूँटी । बुढ़ाडीह गाँव में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम किया गया। जिसमें खूँटी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के जनप्रतिनिधि रामसूर्या मुंडा मुण्डा बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। मौके पर, उन्हें गाँव की महिला मंडल द्वारा पारम्परिक रीति-रिवाज के साथ स्वागत की गई।
इस दौरान विधायक ने कहा कि पहले महिलाओं को समाज में अनेक प्रकार के शोषण और भेदभाव का सामना करना पड़ता था। यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं थी, बल्कि विश्व के कई देशों में भी महिलाएँ समान अधिकारों से वंचित थी। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने महिलाओं के सम्मान, अधिकारों की रक्षा और उनके हितों की सुरक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्रदान की।
उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, राजनीति, खेल, व्यापार तथा समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं को समान अवसर देना समाज और देश के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में गाँव के काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

राय में सरहुल व रामनवमी पूजा धूमधाम से मनाने का निर्णय

23 मार्च को सरहुल मेला व शोभायात्रा, 26 मार्च को रामनवमी मेला और लाठी खेल प्रतियोगिता

बिभा संवाददाता

खलारी। पंचायत भवन राय में ग्रामीणों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राय में सरहुल पूजा एवं रामनवमी पूजा पूरे धूमधाम और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर सरहुल मेला समिति एवं रामनवमी मेला समिति का गठन भी किया गया।समिति के अध्यक्ष विजय उर्फ बैलून पाहन, सचिव दुर्गा प्रसाद महतो, कोषाध्यक्ष रूपेश कुमार महतो, उपाध्यक्ष भुवनेश्वर महतो, संयुक्त सचिव हरीश कुमार महतो उप कोषाध्यक्ष विजय कुमार महतो तथा मीडिया प्रभारी गणेश कुमार महतो बनाए गए।वहीं संरक्षक के रूप में नागेश्वर महतो, लालेश्वर महतो, प्रदीप उरांव, एतवारा महतो, राजू गुप्ता,

रामकुमार भुइया, दीपक कुमार महतो, राम अवतार राम, राजेश महतो, मनोज महतो और बालेश्वर महतो को जिम्मेदारी सौंपी गई इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सोनू महतो, संतोष प्रजापति, हबु महतो, सरवन मद्रासी, हरि महतो, कालेश्वर महतो, रितेश कुमार, सुलेन्द्र महतो, अमन मुंडा, प्रकाश महतो, नरेश महतो, संजय कुमार महतो, रंजीत महतो, लक्कू महतो, सुरेश महतो, लखन महतो, पारस महतो, टिकेश्वर महतो, राहुल महतो, संदीप महतो, राजीव कुमार साहनी, भुगलू उरांव, रामू उरांव, चंदन महतो, प्रेम कुमार महतो, जयप्रकाश महतो, कृष्णा कुमार साहनी, विजय महतो सहित कई ग्रामीणों को शामिल किया गया।बैठक की अध्यक्षता विजय पाहन ने की, जबकि संचालन प्रदीप उरांव ने किया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 23 मार्च 2026 को अंबेडकर मैदान राय से सरहुल मेला सह भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। वहीं 26 मार्च 2026 को शिव मंदिर राय में रामनवमी मेला, शोभायात्रा तथा पारंपरिक लाठी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीणों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की।

प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत हनुमान जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई

बिभा संवाददाता

खलारी: मोहन नगर बाजार परिसर में आयोजित श्री श्री 108 मारुति नंदन श्री हनुमान जी की प्राण-प्रतिष्ठा सह पांच दिवसीय महायज्ञ के दूसरे दिन पंचमुखी हनुमंत की प्राण-प्रतिष्ठा विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। अनुष्ठान के पश्चात मंदिर से पंचमुखी हनुमंत मंदिर तक नगर भ्रमण के लिए भव्य शोभायात्रा निकाली गई शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवक-युवतियां एवं बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालु भगवान हनुमान के जयकारे लगाते हुए पूरे क्षेत्र का भ्रमण करते रहे। पूरे वातावरण में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और मंगल की कामना की। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम में आसपास के

गांवों एवं क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।
कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से पंडित संतोष शास्त्री, पवनसुत बाबा रतन पांडे, मानस पांडे, दीपक पांडे, राम रतन उपाध्याय, सुमित उपाध्याय, पंडित रामनरेश पांडे, संतोष पाठक सहित यज्ञ समिति के सदस्य कृष्ण चौहान, रमेश चौहान, प्रदीप कुमार ठाकुर, नंदलाल चौहान, राजेश्वर सिंह, अजय चौहान, अरुण चौहान, नसीब चौहान, रणविजय सिंह, कमलेश चौहान, रामबली चौहान, गोपाल सिंह, मानदेव राम, लाल मुनी दास, जितेंद्र चौहान, सुरेश चौहान, बूटन चौहान, सुरेंद्र चौहान, शैलेंद्र शर्मा, प्रिंस वर्मा, सूरज शर्मा, राहुल सिंह, दीपक सिंह, रवि सिंह, सोहन कुमार, श्रीकांत, गौरव कुमार, रोशन ठाकुर, पंकज चौहान, रवि भूषण, मनीष चौहान, भीष्म, भरत चौहान, मंतोष चौहान तथा अन्य ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महिला दिवस पर आंगनबाड़ी सेविकाओं ने सरकार पर जतायी नाराजगी

बिभा संवाददाता

खूँटी । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर कचहरी मैदान में जिले की आंगनबाड़ी सेविकाओं की जिलाध्यक्ष जयवंती नाग की अगुवाई में मिलन समारोह सह बैठक का आयोजन किया गया। जिस बैठक में सरकार के प्रति लोगों में नाराजगी व आक्रोश देखा गया। जहाँ जिलेभर की आंगनबाड़ी सेविकाएँ भाग ली थी। खूँटी की आंगनबाड़ी सेविकाओं ने उपेक्षित महसूस करते हुए सरकार के तौर तरीके का विरोध जतायी। उन्होंने आंगनबाड़ी सेविकाओं का महिला सम्मान नहीं करनेके का सरकार पर आरोप लगायी। मौके पर , संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बालमुकुंद सिन्हा उपस्थित थे।
आंगनबाड़ी सेविका संघ की जिलाध्यक्ष जयवंती नाग ने बताई कि आंगनबाड़ी सेविका घर से निकलकर राज्य सरकार और केंद्र

सरकार दोनों का कार्य करती है। लेकिन हम आंगनबाड़ी सेविकाओं पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। युवतियां हट्ठी-कट्ठी मजबूत है और वो कुछ काम नहीं करती है उसे कल्पना सोरेन और हेमन्त सोरेन घर बैठे समय पर पैसा दे देती है लेकिन हमलोग इतना मेहनत करते हैं इसके बावजूद हमारे लिए उनके पास पैसों की कमी हो जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार आंगनबाड़ी सेविकाओं से पूरा काम लेती है और 4500/- मानदेय देती है। लेकिन वो मानदेय को भी समय पर नहीं देती है। कभी ये कैसा महिला सम्मान और कैसा महिला दिवस। जबकि कार्य करने के बावजूद सरकार उन युवतियों से भी गया गुजरा समझती है जिन्हें बिना काम का 2500/- रुपए मैया योजना के तहत देती है। जबकि हमलोग बीएलओ और आंगनबाड़ी सेवा के साथ कभी भी कहीं भी हमलोगों से काम ले लेती है। महिला न केवल एक पत्नी है न केवल एक महिला मात्र नहीं है बल्कि आंगनबाड़ी सेविका एक देवी है और माँ दुर्गा की जैसी कई हाथ उनके पास है। जिसके कारण ही आंगनबाड़ी सेविकाएँ जितना काम करती है सेवा देती है वो स्वयं समझती है। पर सरकार के सामने हमारा कोई महत्व नहीं है। क्योंकि सरकार जितना काम लेती है उतना कम मानदेय मिलता है। एक महिला होकर आंगनबाड़ी सेविका न केवल घर सम्भालती है बल्कि आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की देखरेख के साथ युवतियों और गर्भवती महिलाओं के लिए भी कार्य करना होता है साथ ही निर्वाचन, जनगणना, सहित अन्य कार्यों में भी लगाया जाता है। लेकिन महिलाओं का सम्मान सरकार कितना करती है।
विरंग पूर्ति ने बताई कि सरकार सभी योजनाओं का कार्य के रूप में सेवा लेती है। लेकिन बदले में कुछ नहीं देती है। और समय पर पैसा भी नहीं देती है। चटनी के जैसा पैसा देती है वह भी समय पर नहीं मिलता है। यहां तक की अंडा का भी पैसा पूरा नहीं देती है। कामेलां तोपनो ने बताई कि महिला दिवस मनाए तो क्या मनाई सरकार समय से तो पैसा देती है नहीं। यही कारण है कि आज महिला दिवस मनाने के बजाय आज जमीन के बालू में बैठकर बैठक कर रहे हैं। महिला दिवस के नाम पर आज हम लोगों को अफसोस होता है। कुंती देवी ने बताई कि अब हम रिटायर होने वाले हैं लेकिन सरकार रिटायरमेंट के बाद इतना सेवा देने के बावजूद कुछ नहीं देती है अपेक्षा है कि ग्रेच्युटी देकर सरकार सम्मान विदाई दे।
इस दौरान, जिलाध्यक्ष जयवंती नाग, कोषाध्यक्ष कामेलां तोपनो, पंचमी देवी, कुंती देवी, बिरंग पूर्ति, सुशीला होरो, अनिता, कमला रेशमी, लखमनी, अलमा आदि अनेक आंगनबाड़ी सेविकाएँ बैठक में शामिल हुई।

दिऊड़ी मंदिर में वयोवृद्ध आयुष हेल्थ कैंप में उमड़ी भीड़

तमाड़ (बिभा): दिऊड़ी मंदिर परिसर में रविवार को वयोवृद्ध आयुष स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। उक्त शिविर का उद्घाटन स्थानीय मुखिया हरीश चन्द्र मुंडा ने किया। जिसमें आयुष चिकित्सक डॉ. रूपा रानी, डॉ. जीरेन कण्डुलना और डॉ. मिथुन ने करीब 200 मरीजों की जाँच कर उन्हें दवाइयाँ दीं। साथ ही, लोगों को आयुष चिकित्सा पद्धति के माध्यम से स्वस्थ रहने के बारे में भी जानकारी दी गयी। इस अवसर पर उप मुखिया लखिनारायण मुंडा, ग्राम प्रधान सुमित्रा देवी, योग प्रशिक्षक शिप्रा स्वाती, हेमा कुमारी, राजकिशोर महतो, परमेश्वर कोईरी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

अपनी आय स्रोतों की विविधता और उसे बहुआयामी बनाना किसानों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी : शिल्पी

बिभा संवाददाता

रांची: कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि अपने आय के स्रोतों को बहुआयामी बनाना एवं उसे विविध आयाम देना किसानों की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है. श्रीमती तिर्की ने कहा कि विशेष रूप से महिला किसान न केवल अपने घर-परिवार या समाज बल्कि, संपूर्ण झारखण्ड और देश के विकास में भी अपना महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान दे रही हैं और उन्हें अपने प्रयासों, संघर्ष और योगदान को और भी अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है.

आज राजधानी रांची के नामकुम में अवस्थित राष्ट्रीय कृषि उच्चतर संस्करण संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी 2026 का उद्घाटन करते हुए श्रीमती तिर्की ने कहा कि झारखण्ड की महिला किसानों के प्रयासों संघर्षों और योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में उनका बहुमूल्य योगदान है और अपनी मेहनत के बल पर किसानों विशेषकर महिला किसानों ने अपने कृषि एवं व्यवसाय को विकसित कर उद्यमी के रूप में अपनी जो पहचान स्थापित की है उसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिये. श्रीमती तिर्की ने कहा कि किसान विशेषकर महिला किसानों के साथ ही सभी महिलाओं की आर्थिक समृद्धि और सामाजिक विकास के साथ ही उनमें सशक्तिकरण की भावना को मजबूत करने के लिये हेमंत सरकार पूरी तरीके से प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना एक वैसा महत्वपूर्ण प्रतीक है जो महिलाओं बल्कि आधी आबादी के प्रति उनकी सरकार की संकल्पबद्धता को दिखाता है और सरकार हर एक क्षेत्र में मिशन मोड में विकास के नये प्रतिमान स्थापित कर रही है जिसमें आम लोगों का मिल रहा सहयोग प्रशंसनीय है.

इस अवसर पर अपने संबोधन में विशिष्ट अतिथि एवं राज्य के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबुबकर सिद्दिकी ने किसानों के लिये राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों से इन योजनाओं का अधिक-से-अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया.

इस अवसर पर आईसीएआर-एनआईएसए के निदेशक अभिजीत कर ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि ग्रामोद्योग, चक्रीय कृषि एवं नवीन कृषि तकनीकों को अपनाकर किसानों की आजीविका को सुदृढ़ सुदृढ़ बनाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि संस्थान के द्वारा किसानों के हित में विभिन्न अनुसंधान एवं तकनीकी नवाचारों पर निरंतर कार्य किया जा रहा है. समारोह में प्रधान वैज्ञानिक ज्योतिमोय घोष, देबाबंदया महापात्रा ने भी अपने विचार व्यक्त किये.

आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी 2026 में लगाये गये लगभग 40 स्टॉलो का किसानों ने उत्साह के साथ भ्रमण किया. इन स्टालों को विभिन्न कृषि विकास संस्थानों, विविध राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, सहकारी संगठनों, किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूह, कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं निजी संस्थाओं के द्वारा लगाया गया था जिसमें कृषि से संबंधित नवीनतम तकनीक, कृषि उत्पादों, कृषि यंत्रों, उद्यान एवं पशुपालन से जुड़े विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया. इन प्रदर्शनों के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, कृषि आधारित उद्यमिता तथा आय बढ़ाने संबंधी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी. इस अवसर पर कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करनेवाले कुछ प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया साथ ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया. इस कार्यक्रम में प्रमुख वैज्ञानिक, उद्यमियों एवं कृषि विशेषज्ञों के साथ ही 15 सौ से अधिक प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया.

प्रदेश भाजपा ने किया निकाय चुनाव में विजयी प्रत्याशियों को सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा की ओर से रविवार को प्रदेश अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू की अध्यक्षता में चिरौंदी रांची स्थित गीतांजलि बैंक्वेट हॉल में नव निर्वाचित निकाय जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में रांची, मेदिनीनगर और आदित्यपुर नगर निगम के विजयी महापौर, लोहरदगा,गुमला, मिहिजाम और चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष,खूंटी, लातेहार, डोमचांच, जामताड़ा, महगामा नगर पंचायत के अध्यक्ष सहित 387 पार्षद गण शामिल हुए ।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री और सांसद अरुण सिंह ,प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू , केंद्रीय मंत्री संजय सेठ,पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ,संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पार्टी के सांसद -विधायकों ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। प्रदेश अध्यक्ष,राष्ट्रीय महामंत्री सहित सभी नेताओं ने हॉल में पुष्प वर्षा कर जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया।

महिला दिवस के अवसर पर सभी पार्टी नेताओं ने महिला जन प्रतिनिधियों को बधाई दी।

मंच संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने किया। अतिथियों का स्वागत विवेकानंद सिंह,जितेंद्र वर्मा,सुनील साहू,बलराम सिंह,सागर उरांव, हरिकृष्ण प्रधान,नरेंद्र सिंह,सरिता मुर्मू,संजीव बावला,मनीर उरांव,अमित तिवारी,वंशी यादव सहित अन्य ने किया।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू ने सभी जनप्रतिनिधियों को जीत की बधाई दी।

साहू ने कहा कि सभी जन प्रतिनिधि पार्टी के विचारों,नीतियों ,कार्यक्रमों को जन तक पहुंचाने के लिए,गरीब, झुग्गी झोपड़ियों तक विकास की योजनाओं को शत प्रतिशत पहुंचाने के लिए अपने अपने नगर निकाय के नरेंद्र मोदी बनें।

साहू ने कहा कि झारखंड में संपन्न निकाय चुनाव भाजपा के संघर्षों और न्यायालय के दबाव का परिणाम है अन्यथा राज्य सरकार निकाय चुनाव कराना ही नहीं चाहती थी।

उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव के परिणाम भाजपा के पक्ष में हैं और आगे भी यह जीत का सिलसिला रुकना नहीं चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य की आदिवासी,दलित,महिला,युवा विरोधी सरकार को हटाकर ही हम चैन से बैठेंगे। झारखंड में नया सबेरा लाना अभी बाकी है। निकाय चुनाव परिणाम ने अंगड़ाई ली है।

उन्होंने कहा कि आज झारखंड में चाहे बुनियादी सुविधाओं के विकास हों या गरीब कल्याण की योजनाएं सभी मोदी सरकार की देन है। हेमंत सरकार केवल लूट भ्रष्टाचार और घोटालों में व्यस्त है। अपराधियों का मनोबल सिर चढ़कर बोल रहा है। व्यापारियों की दिन दहाड़े हत्याएं हो रही।आम खास कोई सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में भी अधिकारियों ,पुलिस प्रशासन के बल पर भाजपा के जीते हुए प्रत्याशियों को हराया है उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि भाजपा का राज्य सरकार के खिलाफ संघर्ष और तेज होगा। पार्टी सड़क से सदन तक चुप नहीं बैठेगी।

वहीं राष्ट्रीय महामंत्री सांसद अरुण सिंह ने कहा कि निकाय चुनाव में नगरीय क्षेत्र की जनता ने राज्य सरकार को करारी चोट दी है। जनता भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के पक्ष में खड़ी रही और पार्टी चुनाव चिन्ह और निकाय चुनाव होते तो राज्य की सत्ताधारी ठगबंधन का सूफडा साफ हो जाता। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने डर के कारण दलीय आधार पर चुनाव नहीं कराया। देश भर में मेयर के चुनाव दलीय आधार पर होते हैं, लेकिन झारखंड में डरी सहमी सरकार हिम्मत नहीं जुटा पाई। पुलिस प्रशासन के दुरूपयोग केलिए बैलेट से चुनाव कराए।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि निकाय चुनाव के नव निर्वाचित जन प्रतिनिधि गवर्नेंस का नया मॉडल खड़ा करें। विकास को तेजी से धरातल पर उतारें।

संक्षिप्त खबरें

6वीं एक्रोपोलिस इंटरनेशनल वुशु टूर्नामेंट में झारखंड के शौर्य सिंह का चयन.

रांची(बिभा): ग्रीस की राजधानी अथेन्स के एक्रोपोलिस में आयोजित होने वाली 6वीं एक्रोपोलिस इंटरनेशनल वुशु टूर्नामेंट में भारत का 35 सदस्यीय दल भाग लेगा। इस दल में झारखंड के खिलाड़ी शौर्य सिंह का चयन किया गया है। शौर्य कुमार सांदा स्पर्धा में भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करेंगे। पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन भारतीय टीम में किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 13 से 15 मार्च तक अथेन्स में आयोजित की जाएगी। भारतीय दल 12 मार्च को मुंबई से अथेन्स के लिए रवाना होगा। इस प्रतियोगिता में झारखंड वुशु से जुड़े दो पदाधिकारी भी भारतीय दल का हिस्सा होंगे। वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के पूर्व कोषाध्यक्ष श्री शिवेंद्र नाथ दुबे को भारतीय दल का ऑब्जर्वर बनाया गया है, जबकि झारखंड वुशु के श्री उदय साहू भारतीय दल के मैनेजर के रूप में टीम के साथ रहेंगे। उल्लेखनीय है कि ये दोनों पदाधिकारी पूर्व में भी कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय दल के साथ मैनेजर एवं पदाधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसकी जानकारी झारखंड वुशु एसोसिएशन के चेयरमैन श्री चंचल भट्टचार्य ने दी.

सरला बिरला में नेशनल रैपिड एवं ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप 11 से

रांची (बिभा): अखिल झारखंड शतरंज संघ के अध्यक्ष एवं माननीय राज्यसभा सांसद श्री प्रदीप कुमार वर्मा के दिशा-निर्देश में सरला बिरला महाविद्यालय परिसर में संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 11 से 13 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाली नेशनल रैपिड एवं नेशनल ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप 2025-26 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 450 शीर्ष रैंक प्राप्त खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें 12 ग्रैंडमास्टर, 2 डब्ल्यूजीएम, 24 आईएम, 1 डब्ल्यूआईएम, 5 एफएम, 1 डब्ल्यूएफएम और 6 सीएम रैंकधारी खिलाड़ी शामिल हैं। यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी। संघ की अध्यक्ष ऋचा संचिता एवं महासचिव नवजोत अलंग ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के लिए कुल साढ़े छह लाख रुपये की आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि रैपिड कैटेगरी में 25 खिलाड़ियों को कुल 4 लाख रुपये तथा ब्लिट्ज कैटेगरी में 15 खिलाड़ियों को कुल ढाई लाख रुपये की इनामी राशि प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर कन्वेनर मनीष कुमार, उपाध्यक्ष राजीव चटर्जी, कुणाल अजमानी, मिथिलेश पांडे, ललित बथवाल, सुनील कालरा, विक्रम साबू , कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, इवेंट मैनेजर मृदुल कुमार समेत आयोजन समिति के ललित बथवाल, सुनील कालरा, विक्रम साबू , रंजीत कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रांची एयरपोर्ट में विशेष कार्यक्रम का आयोजन

रांची (बिभा): बिरसा मुंडा हवाईअड्डा, राँची में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, सीआईएसएफ विभिन्न एयरलाइंस तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं की महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेसिडेंट, कल्याणमयी द्वारा की गई। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी की सिस्टर इंदु ने सेल्फ केयर और तनाव प्रबंधन विषय पर एक प्रेरणादायी सत्र का संचालन किया, जिसमें उन्होंने मानसिक संतुलन, सकारात्मक सोच और कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस आयोजन में प्रतिभागियों के लिए नेटवर्किंग, संवाद और मनोरंजन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं, जिनमें सभी महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम ने कार्यस्थल पर महिलाओं की भूमिका, उनके योगदान और सशक्तिकरण को रेखांकित करते हुए एक सकारात्मक और प्रेरणादायी वातावरण बनाया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं ने इस पहल की सराहना की और इसे प्रेरणादायी तथा उपयोगी बताया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लगभग 40 हजार स्वास्थ्य सहियाओं को मिला तोहफा

बिभा संवाददाता

रांची : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर झारखण्ड सरकार ने राज्य की लगभग 40 हजार स्वास्थ्य सहियाओं को बड़ा तोहफा दिया है। माननीय स्वास्थ्य मंत्री डा॰ इरफान अंसारी की धर्मपत्नी इरफाना इरफान ने स्वास्थ्य सहियाओं को 22 हजार रुपए की एकमुश्त राशि के सांकेतिक चेक प्रदान कर सम्मानित किया। विदित हो कि झारखण्ड सरकार के योजना मद से झारखण्ड स्वास्थ्य प्रहरी के तहत सभी स्वास्थ्य सहियाओं को 2000 रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रावधान किया गया है। इस वित्तीय वर्ष 2025-26 के 11 महीने की एकमुश्त राशि 22 हजार रुपए उनके खाते में हस्तान्तरित कि गई है। रविवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान में किया गया था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्य के माननीय स्वास्थ्य मंत्री डा॰ इरफान अंसारी की धर्मपत्नी इरफाना इरफान थीं। विशिष्ट अतिथि के तौर पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अजय कुमार सिंह की धर्मपत्नी डॉ अनिता सिन्हा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड के अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा की धर्मपत्नी मीनाक्षी झा उपस्थित थीं। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा 48 सहियाओं, 24 सहिया साथी, पांच महिला चिकित्सक और 72 सीएचओ व महिला स्वास्थ्य कर्मियों को स्वास्थ्य विभाग में बेहतर योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र, मोमेण्टो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 2 वैसी स्वास्थ्य सहियाओं को भी सम्मानित किया गया जो, अब मुखिया के पद निर्वाचित हुई हैं।

इस अवसर पर इरफाना इरफान ने कहा कि झारखण्ड सरकार महिलाओं के स्वाभिमान, आत्मसम्मान और स्वावलंबन का पूरा ख्याल रखती है। झारखण्ड मुख्यमंत्री मईयाँ सम्मान योजना इसी बात का पुख्ता प्रमाण है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की धर्मपत्नी कल्पना सोरेन हम सभो की प्रेरणा स्रोत हैं। महिला स्वास्थ्य कर्मियों यथा स्वास्थ्य सहिया, एएनएम, सीएचओ और महिला चिकित्सकों के अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें नमन करते हुए उन्होंने सशक्त और एकजुट होने का अहवान किया। डॉ अनिता सिंहा ने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को शक्ति स्वरूपा माना जाता है।

मीनाक्षी झा ने कहा की एक महिला के आगे बढ़ने से पूरा समाज आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने इरादे बुलन्द कर लें तो उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता है।

जीवीआई की उपाधीक्षक डा जेशीना ने कहा कि महिलाएं अपने उपर गर्व करें।

एनएचएम के अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा ने कहा कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। कार्यक्रम में एनएचएम के प्रशिक्षण कोषांग की राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ पुष्पा, अकय मिंज, डा भारती कश्यप, अनिमा किस्कु, रफत फरजाना, गुंजन खलखों, रजनी, सज्ञा सिंह, सुचन्द्रा पण्डा, ललित टोप्पो, जोसली जॉन, नीलम झा, नीलम कुमार, शान्तना सहित काफी संख्या में स्वास्थ्य सहियाएं और महिला स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थीं।

राष्ट्रपति का अपमान करने के विरोध में भाजपा ने किया ममता बनर्जी का पुतला दहन

बिभा संवाददाता

रांची। भाजपा एसटी मोर्चा की ओर से राज्य भर के सभी जिलों में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन कर टीएमसी सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान पर टीएमसी सरकार की कड़ी आलोचना की।

भाजपा रांची महानगर एसटी मोर्चा की ओर से अल्बर्ट एक्का चौक पर ममता बनर्जी का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा कि देश की राष्ट्रपति के साथ हुआ व्यवहार बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। यह न केवल देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान है, बल्कि पूरे आदिवासी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य भी है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 9 वें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में शामिल होने सिलीगुड़ी के फांसीदेवा पहुंची थीं, लेकिन तय प्रोटोकॉल के बावजूद पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से मुख्यमंत्री या कोई मंत्री कार्यक्रम में मौजूद नहीं था। इतना ही नहीं, कार्यक्रम स्थल भी छोटा होने के कारण बड़ी संख्या में लोग सम्मेलन में शामिल नहीं हो सके, जिस पर राष्ट्रपति ने भी नाराजगी जताई।

समीर उरांव ने कहा कि यह घटना टीएमसी सरकार की मानसिकता को दशार्ती है, जो आदिवासी समाज के सम्मान और देश की संवैधानिक मयार्दाओं की लगातार अनदेखी कर रही है। भाजपा इस तरह के अपमान को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी और राज्य सरकार से इस पर जवाब और माफी की मांग करती है।

विरोध प्रदर्शन में आरती कुजूर, अशोक बड़ाइक, रवि मुंडा, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, राजू सिंह, संजय टोप्पो सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रांची ग्रामीण के 150 स्थानों पर श्रीरामोत्सव का आयोजन 19 से

बिभा संवाददाता

रांची : विश्व हिंदू परिषद रांची ग्रामीण की जिला बैठक रातु के टेंडर ग्राम में ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री रामेश्वर दयाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई । बैठक में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री श्री मिथिलेश्वर मिश्र उपस्थित हुए। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा वर्तमान समय में हिंदू समाज को बांटने का कुचक्र चलाया जा रहा है जिसे विफल करने के लिए कार्यकताओं को सेवा और सामाजिक समरसता पर सक्रिय रूप से कार्य करने की आवश्यकता है। रामेश्वर दयाल सिंह ने कहा जिले के सभी प्रखंडों में समिति गठित हो तथा कार्यकर्ता संगठित होकर धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए सक्रिय होकर कार्य करें।

जिला मंत्री लाल लोकनाथ शाहदेव ने इस अवसर पर बताया 19 मार्च से 2 अप्रैल तक रांची ग्रामीण जिले में 150 स्थानों पर श्री रामोत्सव का आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र के माध्यम से कुटुंब प्रबोधन एवं सामाजिक समरसता का संदेश देकर समाज का प्रबोधन किया जाएगा ।

बैठक में जिले में चल रहे सेवा कार्य, सत्संग, बजरंग दल तथा अन्य आयामों के गतिविधि की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष रामवृक्ष महतो, बजरंग दल जिला सहसंयोजक विजयनाथ महतो, मिलन केंद्र प्रमुख गुलाब सिंह, जिला कोषाध्यक्ष सुखेर मुंडा, ओरमांझी अध्यक्ष चतुर साहू, मांडर अध्यक्ष बजरंग सिंह, पिठोरिया अध्यक्ष लाल रणविजय नाथ शाहदेव, उपाध्यक्ष भवानी शंकर सिंह, भुवनेश्वर बैठा और कृष्णा साहू सहित अन्य उपस्थित थे।

श्री राधा- कृष्ण प्रणामी मंदिर में फाल्गुन रंग पंचमी उत्सव मना

रांची : डा. संत शिरोमणी स्वामी सदानंद सदानंद जी महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग राँची में फाल्गुन रंग पंचमी उत्सव उल्लासपूर्वक मनाया गया। श्री राधा रानी का विशेष श्रृंगार वृंदावन से मंगाए गए आकर्षक परिधानों और जड़ित आभूषणों से किया गया अलौकिक श्रृंगार की छटा देखते ही बनती थी।रंग गुलाल और पुष्पों के सुगंध से पूरा मंदिर प्रांगण भक्ति में वातावरण में सराबोर हो उठा। मंदिर में पधारे सभी श्रद्धालुओं को अबीर गुलाल का तिलक लगाया गया। इस अवसर पर श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा का 256 वां महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

महिला दिवस पर रांची में निकली महिला कार रैली, कैंसर और थैलेसीमिया के प्रति किया जागरूक

बिभा संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को रांची में महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य जागरूकता का अनोखा संदेश देखने को मिला। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीटो) के रांची चैप्टर द्वारा कैंसर और थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से महिला कार रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में महिलाओं ने खुद ड्राइविंग सीट संभालकर समाज को सशक्तिकरण का संदेश दिया।

मोराबादी मैदान से निकली इस कार रैली को रांची की नवनिर्वाचित मेयर रोशनी खलखो ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। करीब 50 कारों की यह रैली मोराबादी मैदान से बूटी मोड़, कोकर चौक होते हुए कांके रोड स्थित प्रेमसंस मोटर्स तक पहुंची। रैली की खास बात यह रही कि सभी कारों की ड्राइविंग सीट महिलाओं के हाथों में थी, जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बन गई।

इस मौके पर मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि महिलाएं जब घर की दहलीज से बाहर निकलती हैं तो वे समाज में बड़े बदलाव ला सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह रैली महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ समाज को जागरूक करने का भी एक बेहतरीन प्रयास है।

यह कार रैली जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीटो) के रांची चैप्टर द्वारा आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में प्रेमसंस मोटर्स के सीएमडी एवं मुख्य प्रायोजक पुनीत पोद्दार सहित कई सह-प्रायोजकों ने भी भाग लिया और प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

जीतो महिला विंग की चेयरपर्सन सरोज जैन और चीफ सेक्रेटरी एकता बड़जात्या ने बताया कि यह रैली पूरे देश में एक ही समय पर आयोजित की गई। देशभर के करीब 90 चैप्टर की महिला विंग इस अभियान में शामिल हुईं। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य कैंसर और थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना है।

रैली का समापन कांके रोड स्थित प्रेमसंस मोटर्स परिसर में हुआ, जहां प्रतिभागियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित भी किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में आभा भंडारी, रिंकी अजमेरा, रेखा कला, सीमा गंगवाल, मधु अजमेरा, कोमल पाटनी और मोनिका जैन सहित कई महिलाओं की अहम भूमिका रही।

कांग्रेस में शामिल हुए कई सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता, केशव महतो कमलेश ने दिलाई सदस्यता

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के आवासीय कार्यालय में केशव जी की उपस्थित में आज कई सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं ने कांग्रेस पार्टी की नीतियों और विचारधारा में विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर मंगल सिंह हाँसदा, गोवर्धन गागराई एवं पगिला गागराई ने औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने उन्हें पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया और कहा कि उनके कांग्रेस परिवार में शामिल होने से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी।

केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से समाज के सभी वर्गों के अधिकार, सम्मान और विकास के लिए संघर्ष करती रही है। नए साथियों के जुड़ने से पार्टी की विचारधारा और जनहित की लड़ाई को और बल मिलेगा।

इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जगबंधु महतो, खूँटपानी प्रखंड अध्यक्ष सकरी डोंगो, ओबीसी प्रखंड अध्यक्ष हरिचरण कुम्हार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने नवसदस्यों का कांग्रेस परिवार में स्वागत किया और संगठन को मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

बोकारो में ज्वेलरी शोरूम में लूट की कोशिश नाकाम, दो अपराधी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बोकारो: बोकारो के सेक्टर-4 थाना क्षेत्र स्थित सिटी सेंटर के तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में हथियार के बल पर लूट का प्रयास करने वाले दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना 11 जनवरी 2026 की है, जब अज्ञात अपराधियों ने शोरूम में लूट की कोशिश की थी। मामले में सेक्टर-4 थाना कांड संख्या 02/26 दिनांक 12 जनवरी 2026 को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर नगर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए 2 मार्च 2026 को इस कांड में शामिल दो अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों में शुभम कुमार (उम्र करीब 22 वर्ष) और पंकज कुमार (उम्र करीब 26 वर्ष) शामिल हैं। शुभम कुमार को सूरत (गुजरात) से तथा पंकज कुमार को बेंगलुरु (कर्नाटक) से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर बोकारो लाया गया।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने सिटी सेंटर स्थित तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में लूट के प्रयास में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने दो देशी पिस्टल, चार जिंदा गोलियां और घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं और उनके खिलाफ विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं। वहीं इस कांड में शामिल दो अन्य अपराधियों प्रिंस कुमार और समशाद को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

इस कार्रवाई में नगर पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन, सेक्टर-4 थाना प्रभारी संजय कुमार समेत तकनीकी शाखा और जिला पुलिस बल के कई पुलिस अधिकारी और जवान शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई से शहर में अपराधियों के खिलाफ कड़ा संदेश गया है।

महिला दिवस पर 'नारी शक्ति' के सम्मान में कई कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को बहादुरपुर स्थित सहयोगिनी कार्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं के सम्मान में जागरूकता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नारी शक्ति ने जश्न मनाया ।

कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कसमार प्रखंड प्रमुख नियती दे ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे हैं और समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। कार्यक्रम के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की महिला-केंद्रित योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने विशेष रूप से झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना और सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के सकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया। उपस्थित जनसमूह को सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने जानकारी देते हुए कही कि कैसे इन योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र की महिलाएं और किशोरियां आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं और शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुखिया सुमित्रा कुमारी, सहयोगिणी के निदेशक गौतम सागर, कुमारी किरण, प्रकाश कुमार महतो, अभय कुमार सिंह लबानी घोष, संगीता देवी, सूर्यमणि देवी, मंजू देवी, विनीता देवी, सहित भारी संख्या में स्थानीय महिलाएं और प्रबुद्ध नागरिक मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

होन्हे जंगल-लुगु बुरु में हाथियों का खतरा: 20 का नया झुंड, 17 पहले से मौजूद, हाई अलर्ट

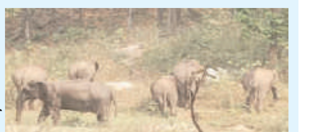

बोकारो(बिभा): होन्हे जंगल और लुगु बुरु पहाड़ी क्षेत्र में हाथियों के आवागमन से हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। वन विभाग अधिकारी संदीप शिंदे ने सभी आसपास के ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि 20 हाथियों का एक बड़ा झुंड होन्हे जंगल में प्रवेश कर चुका है और आज रात लुगु बुरु की ओर बढ़ सकता है। यहां पहले से ही 17 हाथी मौजूद हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। प्रभावित गांवों में जहरलोंग, सिमराबेड़ा, कंडेर, दरहाबेड़ा, धवईया, होन्हे, तिरला शामिल हैं। लुगु बुरु के आसपास के चोरगावा, मुरपा, खाखंदा, गंगपुर, बेलडीह, तुलबुल, पिंडरा, तुतिझरना, डकासाडम, सेहेदा, तिलैया, नारण, लवालांग, अंबाडीह और केरी के निवासियों को विशेष रूप से सावधान रहने को कहा गया है।सुरक्षा निदेर्श:रात के समय घर से बाहर न निकलें, क्योंकि हाथी अंधेरे में तेजी से चलते हैं। हाथी नजदीक आने पर पक्के मकान या उसकी छत पर शरण लें–पिछले अनुभवों में यह सबसे सुरक्षित पाया गया।हाथी भोजन की तलाश में घरों में घुस सकते हैं, इसलिए जान की रक्षा पहले करें। फसल या मकान को नुकसान पर वन विभाग त्वरित मुआवजा देगा। वन विभाग की टीमें निरंतर निगरानी कर रही हैं। अधिकारियों ने अपील की है कि ग्रामीण सतर्क रहें और सुरक्षित रहें।

चंद्रपुरा में डिम्पल का शव बरामद, बलात्कार के बाद हत्या की आशंका, पुलिस जाँच मे जुटी

बोकारो(बिभा) । झारखंड मे बोकारो जिले के चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के झींझीरघुटू गांव के बगल खेत किनारे एक कुआँ से बीते रात्रि डिम्पल कुमारी (17) का शव पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि मृतिका पिछले 4 मार्च 26 की रात्रि से लापता थी। उसके परिवार द्वारा लिखित शिकायत 6 मार्च को थाना मे गुमशुदा होने की आवेदन दिया गया था। मृतिका चंद्रपुरा के शिव मंदिर रोड शिशु विकास मंदिर विद्यालय के सामने की निवासी बताई जा रही है। मृतिका के पिता अजय रवानी ने युवती के साथ बलात्कार के बाद हत्या आशंका व्यक्त की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट चास के अध्यक्ष बने मानिक व आनन्द कोषाध्यक्ष

बोकारो(बिभा)। झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट, चास प्रखंड की बैठक रविवार को चास में मानिक सिंह की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान पत्रकार हित पर चर्चा की गई। साथ ही संगठन के बोकारो जिलाध्यक्ष कृष्णा चौधरी सहित जिला कार्यकारिणी के अधिकारियों की देखरेख में चास प्रखंड कमेटी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष मानिक सिंह, सचिव विश्वजीत झा, उपाध्यक्ष रवि कुमार वर्मा, रसिक राय, कोषाध्यक्ष आनन्द कुमार महतो, सह कोषाध्यक्ष मनोज सिंहा, सह सचिव तीरथ चौधरी, अनिल महतो, सच्चिदानंद पाठक, संतोष कुमार को बनाए गए। जिलाध्यक्ष कृष्णा चौधरी ने कहा कि जेयूजे संगठन पत्रकारों के हित के लिए बनाया गया है। प्रदेश नेतृत्व ने पत्रकार हित के लिए राज्य सरकार से कई मांगे रखी है। नवनिर्वाचित चास प्रखंड अध्यक्ष मानिक सिंह ने कहा कि सभी पत्रकारों को एक संगठन में रहकर अपने आप को सुरक्षित रखने की जरूरत है। अपने मौलिक अधिकार के लिए उन्होंने पत्रकारों को इस संगठन से जुड़ने की अपील की। मौके पर राहुल कुमार बसु, अनिल चंद्रा, सागर महथा, राजेश कुमार, अभिषेक मिश्रा, राजेश यादव आदि उपस्थित थे।

सेक्टर-4 मस्जिद में कामगार अंजुमन कमेटी की भव्य इफ्तार पार्टी, सभी धर्मों के लोगों ने देश की तरक्की के लिए की दुआ

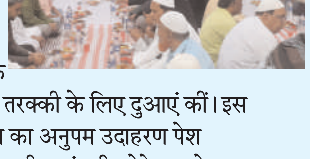

बोकारो (बिभा): बोकारो सेक्टर-4 स्थित मस्जिद में आज कामगार अंजुमन कमेटी द्वारा आयोजित भव्य इफ्तार पार्टी में सभी धर्मों के लोग एकजुट होकर अपने प्यारे मुल्क हिंदुस्तान की अमन, शांति और तरक्की के लिए दुआएं कीं। इस आयोजन ने साम्प्रदायिक सद्भाव का अनुपम उदाहरण पेश किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से फहीम अंसारी, प्रोफेसर मोहम्मद अब्दुल्ला, सैयद जियाउल हक, मोहम्मद अब्दुल मलिक, सैयद राशिद अशरफी, परवेज नजरी, अफरोज राणा, मोहम्मद जाहिद कमाल, जाकी जिया, नसीम अख्तर, मोहम्मद मुख्तार अहमद, जितेन कुमार, कंतू कुमार, सैयद नईम अख्तर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए।कामगार अंजुमन कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन देशभक्ति और एकता के संदेश को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया था। सभी ने मिलकर वतन की समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की, जो क्षेत्र में सकारात्मक संदेश फैलाने वाला रहा।

नया मोड़ चौक में भाजपा कार्यकर्ताओं ने ममता बनर्जी का पुतला दहन किया

बिभा संवाददाता

बोकारो : रविवार को नया मोड़ चौक में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रघुनाथ टुडू के नेतृत्व में सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल के अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन के दौरान केंद्रीय राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के कथित अपमान के विरोध में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया गया।भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार का व्यवहार 'घोर निंदनीय और भयंकर अपमानजनक' है। रघुनाथ टुडू ने कहा, ₹कार्यक्रम विधाननगर उपमंडल में निर्धारित था, लेकिन पुलिस ने अनुमति नहीं दी। इसे बागडोगरा के गोशालापुर में स्थानांतरित किया गया, जहां भी लोगों को भाग लेने से रोका गया। प्रशासन ने सहयोग नहीं किया। यह न केवल सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान है, बल्कि पूरे भारतीय जनजाति समाज का भी अपमान है।₹प्रदर्शन में भाजपा जिलाध्यक्ष जयदेव राय, जिला उपाध्यक्ष रामलाल सोरेन, संजय त्यागी, अर्चना सिंह, परिंदा सिंह, जयनारायण मरांडी, माथुर मंडल, चंद्रशेखर सिंह, भानु प्रताप सिंह, फूलचंद किस्कू, जितेंद्र नारायण मुर्मू, पन्नालाल कादु, संजय प्रसाद, सुनील यादव, राजकुमार, झंटू दे, तारा शाह, लाल बाबू, निर्भय कुमार, तेजपाल सिंह, दुर्गा टुडू, ज्योति लाल सोरेन, मदन किस्कू, ज्योति किस्कू, मनीषा किस्कू, प्रिय किस्कू, नेहा सोरेन, गुड़िया सोरेन, आरती सोरेन, अंजली सोरेन समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।घटना पर भाजपा ने राज्य सरकार पर जनजाति समाज को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

महिला महोत्सव सप्ताह के तहत जिला प्रशासन ने पिंक ऑटो जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखा किया रवाना

बिभा संवाददाता

बोकारो। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित महिला महोत्सव सप्ताह के तहत शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) परिसर से पिंक ऑटो जागरूकता रथ को जिला प्रशासन द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर डीसी श्री अजय नाथ झा, एसपी श्री हरविंदर सिंह, डीडीसी श्रीमती शताब्दी मजूमदार,डीपीएलआर श्रीमती मेनका, एसडीओ चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा, वन पदाधिकारी श्री संदीप शिंदे सहित अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना है। पिंक ऑटो जागरूकता रथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर महिलाओं से जुड़े अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देगा।

अधिकारियों ने कहा कि महिला महोत्सव सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को जागरूक और सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पिंक ऑटो रथ के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक महिला सुरक्षा और सम्मान का संदेश पहुंचाया जाएगा।

सेक्टर 8/सी राय चौक की दो दुकानों में भीषण आग, 5 लाख का सामान जलकर राख

बिभा संवाददाता

बोकारो: शहर के सेक्टर 8/सी स्थित राय चौक में रविवार सुबह अचानक लगी आग से दो जनरल स्टोर जलकर राख हो गए। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते दोनों दुकानें इसकी चपेट में आ गईं। घटना में आर के जनरल स्टोर और पवन जेनरल स्टोर में रखा लाखों रुपये का सामान पूरी तरह नष्ट हो गया।

पवन जेनरल स्टोर के काशीनाथ प्रसाद ने बताया कि सुबह लोगों ने दुकानों से धुआं निकलते देखा। इसके बाद आसपास के लोगों ने तुरंत सूचना दी और फायर ब्रिगेड को फोन किया। सूचना मिलते ही झारखंड अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अग्निशमन विभाग के राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दमकल की दो गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। आग पर काबू पाने के लिए पहले दुकानों का शटर तोड़कर खोला गया, उसके बाद अंदर लगी आग को बुझाया गया। इस दौरान आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

दुकान मालिकों के अनुसार घटना के समय वे घर पर सो रहे थे। उन्हें फोन के माध्यम से जानकारी मिली कि उनकी दुकान से धुआं निकल रहा है। जब तक वे मौके पर पहुंचे, तब तक दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। आर के जनरल स्टोर के मालिक रंजीत कुमार गुप्ता उस समय रांची गए हुए थे। उन्हें भी स्थानीय लोगों ने फोन कर घटना की जानकारी दी। रंजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि आग लगने से लगभग चार से पांच लाख रुपये के सामान का नुकसान हुआ है। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। कुछ लोग शॉर्ट सर्किट को आग की वजह बता रहे हैं, जबकि कुछ लोगों का कहना है कि दुकान के पीछे झाड़ियों में सफाई के दौरान आग लगाई गई थी, जो फैलकर दुकानों तक पहुंच गई। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

मातृशक्ति मानव जीवन की अटूट कडी.: प्रभा

बिभा संवाददाता

बोकारो। मातृशक्ति की गणना सर्वशक्तिमान की श्रेणी में की जाती रही है। यह उचित भी है, मातृशक्ति की देन है कि व्यक्ति, व्यक्ति से व्यक्तित्व तक की यात्रा तय करता है। यह मानव जीवन की अटूट कड़ी है, जिसके एक एक बंधन हमें जीवन के तमाम मोड़ पर रिश्तों के रूप में मिलते रहते हैं। उक्त बातें प्रभा मोहनन नैय्यर ने संघ कार्यालय सेक्टर 2 में संकल्प सृजन संरक्षक मंडल की ओर से आयोजित मातृशक्ति संगम संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता कहे।

सर्वप्रथम आमंत्रित मातृशक्ति का अभिनंदन करते ध्वनि से किया गया। तत्पश्चात आगुंतकों ने सामुहिक रूप से भारत माता चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया एवं संस्था की कार्यकर्ता बहनों ने संस्थागत ध्येय गीत। स्वस्मै स्वल्पं सामाजाया सर्वस्वम्... की सुंदर प्रस्तुति दी। आयोजक मंडल के दिनेश्वर सिंह जी ने 'समाज में नारी भूमिका को चरितार्थ करती संकल्प सृजन की मातृशक्ति' विषय पर प्रेरक विचार प्रकट किए। इसी प्रकार गौरी शंकर व विक्रम महतो ने विकसित समाज में मातृशक्ति की सहभागिता को रेखांकित किया।

अध्यक्ष ध्रुव शर्मा एवं राम अयोध्या सिंह ने उपस्थित मातृशक्ति को शुभकामनाएं देते हुए उनके द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा किया।

अंत में समस्त मातृशक्ति को धूपबत्ती भेंट देकर सम्मानित किया गया। कौशल किशोर जी ने कहा कि जिस प्रकार धूप बत्ती स्वयं जलकर भी अपने आंतरिक गुणों से समस्त वातावरण सुगंधित करती रहती है उसी प्रकार अपनी मातृशक्ति स्वयं को तपा-खपा कर घर,परिवार और समाज में अपने गुणों से सुंदर वातावरण का निर्माण करती है। इन दोनों ही के बिन पूजा-अर्चना अधूरी है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पतंजलि योग केंद्र की जया जी सहित राजेंद्र कुमार जी, दिनेश्वर सिंह जी, कमल देव, विभाष सिंह, कल्पना देवी, बिनु, गीता, प्रिया, सुभद्रा, उषा सिन्हां, प्रिति, साक्षी, आंचल, सरिता आदि उपस्थित रहे।

चंदनकियारी में महिला दिवस पर अस्मिता लीग एथलेटिक्स का शानदार आयोजन, 300 से अधिक लड़कियों ने दिखाई प्रतिभा

बिभा संवाददाता

बोकारो। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च 2026) के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा युवा भारत (माई भारत) एवं भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से चंदनकियारी स्टेडियम (डे-बोर्डिंग तीरंदाजी केंद्र) में अस्मिता लीग के अंतर्गत जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से 300 से अधिक लड़कियों व महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।मुख्य अतिथि ने किया सम्मानित। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार मुख्य अतिथि रहीं। प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री अजय चंदनकियारी व जिला युवा अधिकारी श्री गौरव कुमार भी उपस्थित थे। अतिथियों ने विजेताओं को पदक भेंट कर सम्मानित किया। खेलों से आत्मविश्वास व नेतृत्व का विकास। श्रीमती मजूमदार ने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन व नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। उन्होंने लड़कियों को खेलों में बढ़चढ़कर भाग लेने व सपनों को साकार करने की प्रेरणा दी। जिला युवा अधिकारी श्री गौरव कुमार ने बताया कि अस्मिता पहल का लक्ष्य महिलाओं को खेलों से जोड़कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाना है। उन्होंने प्रतिभागियों की सराहना की व भविष्य में ऐसे आयोजनों को जारी रखने का आश्वासन दिया।

सफल संचालन में सहयोगी भूमिका। प्रतियोगिता के संचालन में तकनीकी अधिकारी श्री बिश्वनाथ महतो, श्री बिश्वनाथ गोप, श्री प्रदीप व अन्य ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अंत में अतिथियों ने सभी को बधाई दी व खेलों से सशक्त समाज निर्माण का संदेश दिया। यह आयोजन जिले की महिलाओं के लिए प्रेरणादायक रहा।

महिला दिवस पर बोकारो पुलिस का विशेष अभियान: महिलाओं ने संभाला ट्रैफिक का जिम्मा, ब्लैक फिल्म उतारी, चालान काटे

बिभा संवाददाता

बोकारो : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बोकारो पुलिस ने 'नारी शक्ति' का शक्तिशाली संदेश देते हुए विशेष ट्रैफिक अभियान चलाया। महिला पुलिसकर्मियों ने शहर के प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक व्यवस्था संभाली, ब्लैक फिल्म लगे वाहनों के शीशों से फिल्म उतारी और नियम उल्लंघन पर चालान काटे।पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के नेतृत्व में चास थाना प्रभारी सुषमा कुमारी, सेक्टर-6 थाना प्रभारी संगीता कुमारी, चास महिला थाना प्रभारी सुनीला लिंडा और नगर महिला पुलिस मीरा लकड़ा समेत कई महिला पुलिसकर्मियों ने नयामोड़, बिरसा चेकपोस्ट, चास चेकपोस्ट सहित विभिन्न स्थानों पर एंटी-क्राइम चेकिंग की। बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट और ब्लैक फिल्म लगे वाहनों की सघन जांच के दौरान नियम तोड़ने वालों को चेतावनी दी गई।वहीं, हेलमेट पहनकर सुरक्षित वाहन चलाने वाली महिलाओं को महिला पुलिसकर्मियों ने सम्मानित भी किया। एसपी हरविंदर सिंह ने सभी महिलाओं को महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा, महिला दिवस पर महिला पुलिसकर्मियों को आगे रखकर यह अभियान चलाया गया, ताकि समाज में संदेश जाए कि महिलाएं हर क्षेत्र में सशक्त और सक्षम हैं। उन्होंने बोकारोवासियों से अपील की कि आपराधिक गतिविधि या सहायता के लिए तुरंत 112 पर संपर्क करें।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नीर नारी शक्ति थीम पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जल प्रबंधन एवं संरक्षण में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार: पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, लातेहार के तत्वावधान में जल महोत्सव -गाँव का उत्सव, देश का महोत्सव (दिनांक 08 से 22 मार्च 2026) के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नीर नारी शक्ति थीम पर जिला स्तरीय उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन, लातेहार में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, उप विकास आयुक्त

सैय्यद रियाज अहमद, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल कार्यपालक अभियंता दीपक महतो, उपस्थित जनप्रतिनिधियों, जलसहिया एवं स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इस दौरान उपायुक्त ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले की सभी माताओं एवं बहनों को, हार्दिक शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में उपायुक्त ने जल संरक्षण एवं स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल जीवन का आधार है और इसके संरक्षण में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जल महोत्सव के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता तथा जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने नीर नारी शक्ति की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि जल प्रबंधन एवं संरक्षण में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं जल जीवन मिशन के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जलसहिया एवं स्वयं सहायता समूह की दीदियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उपायुक्त ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इनकी सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता एवं सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि 08 मार्च से 22 मार्च 2026 तक जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में जल महोत्सव के तहत जागरूकता कार्यक्रम, रैली, संवाद कार्यक्रम एवं जनभागीदारी आधारित गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जिससे आमजन में जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

कार्यक्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी मड़की मेरी, गोपनीय प्रभारी पदाधिकारी श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जेएसएलपीएस डीपीएम संतोष कुमार, संबंधित विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

हजारीबाग इंटरनेशनल रामनवमी महासमिति अध्यक्ष पद के लिए 10 उम्मीदवार मैदान में

14 मार्च को बड़ा अखाड़ा परिसर में सुबह 8 बजे से होगा मतदान

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : रंगों के पर्व होली के समापन के साथ ही हजारीबाग में विश्व प्रसिद्ध इंटरनेशनल रामनवमी महोत्सव की तैयारियां तेज हो गई हैं। यह महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि शौर्य, भक्ति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक माना जाता है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामनवमी को भव्य और ऐतिहासिक स्वरूप देने की तैयारी शुरू हो चुकी है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में रामनवमी महासमिति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, जिसके नेतृत्व में शहर के विभिन्न अखाड़ों द्वारा निकाली जाने वाली शोभायात्राओं और कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। इसी क्रम में रविवार को हजारीबाग के बड़ा अखाड़ा परिसर में रामनवमी महासमिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें महासमिति के अध्यक्ष पद के लिए इच्छुक उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। बैठक में बड़ा अखाड़ा के महंत विजयनंद दास, रामनवमी समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी तथा नगर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य सर्वसम्मति से महासमिति के अध्यक्ष का चयन करना था, लेकिन लंबी चर्चा और विचार-विमर्श के बावजूद किसी एक नाम पर आम सहमति नहीं बन पाई। इसके बाद महासमिति ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हुए चुनाव कराने का निर्णय लिया। यह महत्वपूर्ण निर्णय दोपहर लगभग 3:30 बजे लिया गया।

महासमिति अध्यक्ष पद के लिए कुल 10 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। इनमें मनीष यादव उर्फ चरका यादव, किशन यादव, पुरुषोत्तम पांडेय, लड्डू उर्फ करण यादव, अजय दास, दीप नारायण यादव, राज कुमार सोनी, दीपक देवराज, खोचु बंगाली और आशीष सिन्हा शामिल हैं। सभी प्रत्याशी अपने-अपने समर्थन को मजबूत करने और विभिन्न अखाड़ों का सहयोग प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया के तहत सोमवार को शाम 6 बजे तक नाम वापसी का समय निर्धारित किया गया है। इसके बाद मंगलवार को सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह और क्रमांक संख्या आवंटित की जाएगी। महासमिति अध्यक्ष पद के लिए मतदान 14 मार्च को सुबह 8 बजे से बड़ा अखाड़ा परिसर में शुरू होगा। इस चुनाव में लगभग 101 अखाड़ों के अध्यक्ष और सचिव के साथ-साथ महासमिति के पूर्व अध्यक्ष भी अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। महासमिति और चुनाव समिति द्वारा मतदान प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की तैयारी की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

महिला दिवस पर द टूथ केयर क्लिनिक का नि:शुल्क दंत जांच शिविर

हजारीबाग(बिभा): अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर द टूथ केयर क्लिनिक की ओर से शनिवार को निःशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य लोगों को दांतों और मुंह की सेहत के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें विशेषज्ञों से मुफ्त परामर्श उपलब्ध कराना था।शिविर में अनुभवी दंत चिकित्सक डॉ. शिखा अम्बष्था ने मरीजों के दांतों की जांच की और उन्हें दांतों की सही देखभाल से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिविर में आए लोगों को डेंटल एग्जामिनेशन, ओरल हेल्थ एडवाइस और फ्री कंसल्टेशन की सुविधा दी गई।डॉ. शिखा ने बताया कि द टूथ केयर क्लिनिक पिछले 9 वर्षों से सफलतापूर्वक लोगों को दंत चिकित्सा सेवाएं दे रहा है। क्लिनिक की एक शाखा मटवारी में संचालित हो रही है, जबकि दूसरी शाखा रामनगर स्थित काली मंदिर के पास है। उन्होंने बताया कि वे पहले सदर अस्पताल हजारीबाग में भी सेवाएं दे चुकी हैं। इसके अलावा हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस एंड हॉस्पिटल में भी चार वर्षों तक कार्य कर चुकी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर इनरव्हील क्लब ऑफ सिंदूर ने वृद्धा आश्रम में वितरित किए फूड पैकेट

हजारीबाग(बिभा): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इनरव्हील क्लब ऑफ सिंदूर की महिलाओं ने समाज सेवा का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस विशेष दिन को यादगार बनाने के लिए क्लब की सदस्यों ने एक स्थानीय वृद्धा आश्रम में जाकर वहां रह रही वृद्ध महिलाओं के बीच फूड पैकेट का वितरण किया और उनके साथ समय बिताकर उनका हालचाल जाना।कार्यक्रम के दौरान क्लब की महिलाओं ने वृद्धा आश्रम में रहने वाली बुजुर्ग महिलाओं को भोजन के पैकेट, फल और अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की। इस अवसर पर क्लब की पदाधिकारियों ने कहा कि समाज में बुजुर्गों का विशेष स्थान है और उनकी सेवा करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि क्लब समय-समय पर सामाजिक और सेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहता है, ताकि जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचाई जा सके। कार्यक्रम में अध्यक्षा कविता सिंह करुणा सिंह, प्रियंका राणा नंदिनी, पार्वती देवी, ममता सिंह, मनीषा सिंह, सुनीता सिंह, बबीता सिंह, विमला मेहता, गायत्री सिंह, माधुरी देवी , रेनु देवी , संगम देवी समेत कई महिलाएं शामिल थीं !

मारवाड़ी महिला समिति ने किया महिला दिवस एवं स्थापना दिवस का आयोजन

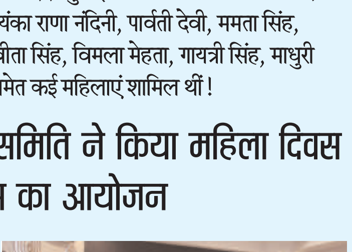

रामगढ़ (बिभा): जिले के अग्रणी सेवाभावी संस्था मारवाड़ी महिला समिति रामगढ़ शाखा ने रांची रोड स्थित होटल अरिहंत पैलेस के सभागार में अपनी शाखा का स्थापना दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया। आयोजन के अंतर्गत शहर के विशिष्ट लोगों तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान करने वाली महिलाओं को आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित किया। जिसमें शहर की विख्यात शिक्षाविद् डॉ उर्मिला सिंह, समाजसेवी मधु अग्रवाल एवं वरिष्ठ चिकित्सक सौम्या जैन विशेष रूप से आमंत्रित थी। कार्यक्रम की शुभारंभ समिति की बहनों द्वारा गणेश वंदना करते हुए सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के अंत में नए सत्र 2026-2028 के लिए रिद्धि जैन को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। कार्यक्रम के समापन उद्बोधन में समिति की वर्तमान अध्यक्षा निशा जैन ने रिद्धि के नेतृत्व में समिति के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं में दिखा उत्साह और उमंग, किटी पार्टी में भी मनाया गया खास जश्न

हजारीबाग(बिभा): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में महिलाओं के बीच खासा उत्साह और उमंग देखने को मिला। इस खास दिन को यादगार बनाने के लिए कई स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महिलाओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और समाज में महिलाओं की भूमिका तथा उनके अधिकारों पर चर्चा की। इसी क्रम में आयोजित एक किटी पार्टी में भी महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने मिलकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का जश्न मनाया। इस दौरान कई मनोरंजक गतिविधियां, गेम्स और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जल महोत्सव पखवाड़ा का जिला स्तरीय शुभारंभ

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त लोहरदगा के निर्देश के आलोक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल प्रांगण , लोहरदगा में जल महोत्सव पखवाड़ा का जिला स्तरीय शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। कार्यक्रम के दौरान पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, लोहरदगा के कार्यपालक अभियंता अनूप कुमार हंसदा ने उपस्थित जन प्रतिनिधि,महिलाओं दीदियों का स्वागत करते हुए जल महोत्सव पखवाड़ा के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी

दी। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, पेयजल की गुणवत्ता एवं उसके सतत प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर जिला समन्वयक एवं कनीय अभियंता द्वारा झारखंड राज्य पेयजलापूर्ति संचालन एवं सम्पोषण नीति-2025 के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा जल जीवन मिशन के उद्देश्यों और ग्रामीण क्षेत्रों में इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई कि लोहरदगा जिले की 01 मुखिया एवं 01 अदद स्वयं सहायता समूह की दीदी को पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए आगामी 11 मार्च 2026 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने तथा सम्मानित किए जाने हेतु चयनित किया गया है। इस उपलब्धि पर उपस्थित सभी लोगों ने खुशी व्यक्त की।

कार्यक्रम के दौरान पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में सक्रिय योगदान एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए 10 मुखिया एवं 15 जलसहियाओं को प्रशस्ति पत्र , शाल तथा मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रखंडों से आई माननीय प्रमुख महोदया,विभिन्न पंचायतों के महिला मुखियागण, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, सभी प्रखंड वॉश समन्वयक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। जल महोत्सव पखवाड़ा के माध्यम से जिले में जल संरक्षण, स्वच्छता एवं सुरक्षित पेयजल के प्रति जनजागरूकता को और सुदृढ़ करने का संकल्प लिया गया।

लगातार छठी बार केंद्रीय सरहुल संचालन प्रखंड समिति कुडू के अध्यक्ष बने अवधेश उरांव

लोहरदगा। रविवार को स्थानीय पड़हा भवन कुडू में समस्त आदिवासी संगठनों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अर्जुन उरांव ने की। इस दौरान आगामी सरहुल शोभा यात्रा के सफल संचालन को लेकर केंद्रीय सरहुल संचालन प्रखंड समिति का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से अवधेश उरांव को लगातार छठी बार समिति का अध्यक्ष चुना गया। वहीं कुलदीप उरांव को कोषाध्यक्ष, अर्जुन उरांव को मुख्य संरक्षक, विजय उरांव को सचिव, सुबोध उरांव को सह-कोषाध्यक्ष तथा सुनील उरांव को सह-सचिव बनाया गया। इसके अलावा संजय गंझु और विनय भगत को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। पुन: अध्यक्ष चुने जाने पर अवधेश उरांव ने सभी आदिवासी संगठनों एवं समाज के बुद्धिजीवियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्रीय सरहुल संचालन की जिम्मेदारी उन्हें मिली है, जिसे वे पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे।

महिला दिवस पर जीतो लेडीज विंग की कार रैली, 30 गाड़ियों के साथ निकला जागरूकता अभियान, कैंसर व थैलेसीमिया से बचाव का दिया संदेश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज रविवार को जीतो लेडीज विंग, हजारीबाग की ओर से कैंसर जागरूकता को लेकर विशेष कार रैली निकाली गई। यह कार्यक्रम ह्लड्राइव पर्पज झ्र नेशनल कैंपेनह्व के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में कैंसर और थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाना और खासकर महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग करना था।सुबह करीब सात बजे लगभग 30 गाड़ियों के साथ कार रैली गांधी मैदान, मटवारी से शुरू हुई। रैली का मुख्य संदेश था झ्र ह्लआइए जागरूकता फैलाएं, मौन नहीं।ह्व प्रतिभागियों ने शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए लोगों को स्वास्थ्य जांच और समय पर उपचार के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर एएसपी शुभम

नागरगोजे, निशा जायसवाल समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता और महिलाएं मौजूद रहीं। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कैंसर जैसी बीमारी के प्रति समय रहते जागरूक होना बेहद जरूरी है।आयोजन के दौरान लोगों को कैंसर के प्रारंभिक लक्षण, समय पर जांच, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और आधुनिक उपचार की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया और समय रहते जांच कराने के महत्व पर बल दिया गया।

आयोजकों ने बताया कि इस तरह के जागरूकता अभियान से समाज में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ती है और लोग गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए समय रहते कदम उठाते हैं। महिला दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार रैली शहर में जागरूकता फैलाने की दिशा में एक सार्थक पहल रही।

सांसद मनीष जायसवाल ने सैकड़ों समर्थकों के साथ केक काटकर मनाया जन्मदिन

सेवा कार्यों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच बीता उनका पूरा दिन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने रविवार को अपने जन्मदिन सादगी, सेवा भावना और जनसंपर्क के माहौल में मनाया। इस अवसर पर दिनभर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, सांसद समर्थक और उनके शुभचिंतक शामिल हुए। जन्मदिन के साथ ही अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भी संयोग रहने के कारण कार्यक्रमों में विशेष उत्साह देखने को मिला और महिलाओं के सम्मान का संदेश भी उन्होंने दिया। जन्मदिन की शुरूआत सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग के

मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर स्थित मेल सर्जिकल वार्ड पहुँचकर की। यहाँ हजारीबाग यूथ विंग के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ मिलकर उनके द्वारा सांसद मनीष जायसवाल के जन्मदिन के मौके पर अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के बीच फल का वितरण किया गया। इसके बाद वे ओल्ड एज होम पहुँचे, जहाँ बुजुर्गों के बीच समय बिताते हुए उनके साथ आत्मीय बातचीत की। इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं और सांसद समर्थकों की भी सक्रिय भागीदारी रही। इसके बाद हजारीबाग स्थित सांसद सेवा कार्यालय में भव्य जन्मदिन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, सांसद समर्थक और उनके शुभचिंतक आवाम पहुँचे। सभी ने सांसद मनीष जायसवाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर, गले मिलकर तथा सोशल मीडिया के माध्यम से जन्मदिन की बधाई दी। पूरे दिन बधाई देने वालों का यहां तांता लगा रहा और उत्सव सा माहौल बना रहा।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम को अनुमति नहीं देने पर भाजपा का विरोध प्रदर्शन, ममता बनर्जी का किया गया पुतला दहन

बिभा संवाददाता

लोहरदगा: जिले में रविवार को भाजपा कार्यकताओं ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला दहन किया।यह प्रदर्शन पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम को अनुमति नहीं दिए जाने के विरोध में किया गया।भाजपा युवा नेता पवन तिग्गा की अगुवाई में कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए ममता बनर्जी का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।आदिवासी समुदाय के सालाना 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित किया गया था।इस कार्यक्रम का आयोजन पहले पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी के पास बिधाननगर में प्रस्तावित था,जहां संथाल समुदाय की बड़ी आबादी होने के कारण आयोजकों ने इस स्थान को प्राथमिकता दी थी।हालांकि स्थानीय प्रशासन ने

वहां कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी,जिसके बाद आयोजन स्थल को बदलकर उत्तरी बंगाल के फांसिदेवा क्षेत्र के गोसाईंपुर में आयोजित किया गया।प्रशासन ने सुरक्षा और अन्य लॉजिस्टिक कारणों का हवाला दिया था।सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यदि कार्यक्रम बिधाननगर में आयोजित होता तो करीब पांच लाख लोगों की भागीदारी संभव थी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें समझ नहीं आया कि वहां कार्यक्रम की अनुमति क्यों नहीं दी गई।इस मुद्दे को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी गई।भाजपा युवा नेता पवन तिग्गा ने कहा कि यह आदिवासी समाज का अपमान है।उन्होंने कहा कि देश की राष्ट्रपति और आदिवासी समाज की गौरव द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम को अनुमति नहीं देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार जानबूझकर आदिवासी समाज की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है,जिसे भाजपा कार्यकर्ता कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे।उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जैसे सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा का सम्मान करना हर नागरिक और सरकार की जिम्मेदारी है।पवन तिग्गा ने कहा कि भाजपा आदिवासी समाज के सम्मान के लिए हमेशा संघर्ष करती रहेगी।इसी के विरोध में कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया है।इस दौरान रिपुसुधन साहू,अजय पंकज, भरत साहू,पवन तिग्गा, रोनित उरांव,अंकित खलखो, ओमप्रकाश सिंह,सूरज उरांव, आदित्य उरांव, अमृत कुजूर, विक्की उरांव,सूरज खलखो, अंवित मिंज, अशोक कुमार चौहान, अशोक सिंह, दिलीप लकड़ा, सुरेश लोहार, डीजे भगत, निधिकांत प्रसाद,कलावती देवी,रश्मि उरांव,राकेश कुमार राय,नवल साहू,रितु सूजन साहू,,सजल कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रामनवमी पर्व हर्षोंउल्लास एवं धूमधाम से मनाने को लेकर ओरिया में हुई बैठक

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग सदर प्रखण्ड स्थित ओरिया शिवमंदिर प्रांगण में रामनवमी पर्व हर्षोंउल्लास एवं धूमधाम से मनाने को लेकर रविवार की अहले सुबह स्थानीय ग्रामीणों की काफी महत्वपूर्ण बैठक हुई। जय श्री राम के गगनभेदी जयकारा के साथ बैठक प्रारंभ हुआ। जिसकी अध्यक्षता रामनवमी पूजा समिति के पूर्व अध्यक्ष हीरालाल कुमार ने किया। सर्वप्रथम कमिटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से अध्यक्ष हरेंद्र कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष नारायण यादव, सचिव टिंकू कुमार, उपसचिव दिलीप कुमार, कोषाध्यक्ष राजदीप कुमार, उपकोषाध्यक्ष गणपति राम, पूजा मंत्री आशीष कुमार, जुलुस मंत्री अशोक यादव, संरक्षक अभय शंकर पासवान, निरंजन यादव, दीपक कुमार साव, राजेश कुमार दास को बनाया गया। पूजा- पाठ, मंगला जुलुस, सजावट एवं रामनवमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाने को लेकर विशेष बातचीत हुई। उपस्थित ग्रामीणों ने रामनवमी पर्व पूरी भव्यता एवं उत्साह के साथ मनाने पर अपना- अपना परामर्श दिया। हर वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष और बेहतर करने का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने नवगठित कमिटी को ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मौके पर मुख्य रूप से चमन साव, सीताराम साव, प्रेम कुमार, बबलू यादव, शैलेश पासवान, द्वारिका साव, पोखराज राणा, धर्मेन्द्र पासवान, घनश्याम कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

कितने ताकतवर साबित होंगे नेपाल के बालेन शाह?

सौरभ वार्ष्णेय

बालेन शाह की राजनीति नेपाल में नई पीढ़ी के नेतृत्व का संकेत देती है। लेकिन भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों देश आपसी सम्मान, सहयोग और संतुलन की नीति को आगे बढ़ाएं। यही रास्ता क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए सबसे बेहतर है।

भारत की सीमा से जुड़े देश नेपाल के नये राजनीतिज्ञ के रूप में उभरे बालेन शाह एक ऐसा नाम बन गये हैं, जिसने पारंपरिक दलों की राजनीति को चुनौती देकर एक मिसाल काल कायम कर दी है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद नेपाल में यह पहला आम चुनाव है। ऐसे संवेदनशील ता के बाद काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर के रूप में उनकी पार्टी की जीत ने यह संकेत दिया कि जनता अब पुराने राजनीतिक ढांचे से हटकर नए और स्वतंत्र नेतृत्व को अवसर देने के लिए तैयार है। इंजीनियर, रैपर और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाने वाले बालेन शाह की लोकप्रियता मुख्यतः उनकी साफ-सुथरी छवि, तेज निर्णय क्षमता और सिस्टम को बदलने के वादे पर खरे उतरने वाले राजनेता बन गए हैं।

नेपाल में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था है और वहां की संसद दो सदनों से मिलकर बनी। इनमें निचला सदन प्रतिनिधि सभा और ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा कहलाता है। प्रतिनिधि सभा को भारत की लोकसभा की तरह माना जाता है। ऐसे में उनकी पार्टी नेपाल के संसदीय चुनाव के नतीजे देश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहे हैं। शुरूआती रुझानों में काठमांडू के पूर्व मेयर और युवा नेता बालेन शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। 35 वर्षीय बालेन शाह की पार्टी कई सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। ऐसे में उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावना काफी मजबूत मानी जा रही है। वहीं नेपाल में पिछले काफी समय से युवाओं के बीच राजनीति को लेकर बढ़ती सक्रियता देखने को मिली है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद देश में यह पहला आम चुनाव है। उस आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था और सांसद भंग कर दी गई थी।

हम बात करे तो बालेन शाह की तो उन्होंने मेयर बनने के बाद अचानक अपने वायदे अनुसार काठमांडू में अतिक्रमण हटाने, अव्यवस्थित शहरी ढांचे को सुधारने और प्रशासनिक पारदर्शिता लाने जैसे कई कदम उठाए जिससे वह इन फैसलों के कारण आम से खास बनते चले गए। इस सबमें खास बात यह है कि बालेन शाह किसी बड़े राजनीतिक दल से नहीं जुड़े हैं, फिर भी उन्होंने स्थापित नेताओं को हराकर सत्ता तक पहुंच बनाई। यह बदलाव नेपाल की राजनीति में एक नई सोच का संकेत देता है। अब सवाल उठता है कि वह नेपाल में चेहते तो बन गए पीएम बनते हैं तो क्या उनकी वास्तविक ताकत कितनी होगी। स्थानीय निकाय के प्रमुख के रूप में उनकी शक्तियां सीमित थी और कई बड़े निर्णय प्रांतीय या

केंद्रीय सरकार के स्तर पर लिए जाते हैं। ऐसे में कई बार उनकी योजनाएं नौकरशाही या राजनीतिक खींचतान में फंस जाती हैं। यही वजह है कि लोकप्रियता के बावजूद उनके सामने व्यवस्था की जटिलताएं बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं। इसके बावजूद बालेन शाह की सबसे बड़ी ताकत जनता का भरोसा है। यदि वह अपने काम और पारदर्शी प्रशासन से लोगों का विश्वास बनाए रखते हैं, तो उनकी राजनीतिक भूमिका केवल काठमांडू तक सीमित नहीं रहेगी। भविष्य में वे नेपाल की राष्ट्रीय राजनीति में भी प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं।

अगर हम उनकी कर्मठ राजनीति की बता करें तो नेपाल की राजनीति में अचानक उभरे युवा चेहरों में बालेन शाह का नाम सबसे प्रमुख है। पेशे से इंजीनियर और पहले एक लोकप्रिय रैपर रहे शाह ने 2022 में काठमांडू महानगर के मेयर का चुनाव जीतकर पारंपरिक राजनीतिक दलों को चौंका दिया। उनकी जीत को युवाओं की उम्मीद और भ्रष्ट राजनीति के खिलाफ जनाक्रोश का प्रतीक माना गया। सवाल यह है कि मेयर बनने के बाद वे कितने कारगर साबित हुए?

बालेन शाह के कार्यकाल की शुरूआत काफी आक्रामक और प्रतीकात्मक कदमों से हुई। शहर में अवैध कब्जों और अतिक्रमण के खिलाफ उन्होंने बुलडोज? अभियान चलाया, जिससे कई इमारतों और संरचनाओं को हटाया गया। इसका उद्देश्य सार्वजनिक जमीन को मुक्त कर शहर को व्यवस्थित बनाना था।

बालेन शाह का कार्यकाल विवादों से भी घिरा रहा। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को कई लोगों ने कठोर और असंवेदनशील बताया, क्योंकि इससे छोटे व्यापारियों और गरीब वर्ग पर असर पड़ा। सड़क किनारे दुकानदारों के खिलाफ सख्ती और नगर पुलिस द्वारा बल प्रयोग के आरोपों ने भी आलोचना को जन्म दिया। मानवाधिकार संगठनों ने इसे गरीबों के जीवनयापन पर असर डालने वाला कदम बताया।इसके अलावा प्रशासनिक टकराव, कर्मचारियों के वेतन विवाद और कुछ योजनाओं के अधूरे रहने से भी उनकी कार्यशैली पर सवाल उठे। बालेन शाह की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यह रही कि उन्होंने काठमांडू की राजनीति में नई ऊर्जा और जवाबदेही का माहौल पैदा किया। उन्होंने यह संदेश दिया कि नगर प्रशासन भी सख्ती से काम कर सकता है और राजनीतिक दबाव से परे निर्णय ले सकता है। लेकिन उनकी सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि बड़े वादों को संस्थागत और स्थायी परिणामों में बदलना आसान नहीं होता। शहर की ट्रैफिक समस्या, कचरा प्रबंधन और शहरी अव्यवस्था जैसी कई समस्याएँ अभी भी पूरी तरह हल नहीं हो सकी हैं।कुल मिलाकर बालेन शाह को न तो पूरी तरह असफल कहा जा सकता है और न ही पूरी तरह सफल। उन्होंने काठमांडू की राजनीति में बदलाव की शुरूआत की है, लेकिन उस बदलाव को स्थायी परिणामों तक पहुँचाने की कसौटी अभी बाकी है।अगर उनकी ऊर्जा और ईमानदार छवि प्रशासनिक अनुभव और संस्थागत सहयोग के साथ जुड़ सके, तो वे नेपाल की राजनीति में एक दीर्घकालिक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं।

भारत की नेपाल से अपेक्षा

भारत के बीच संबंधों का सवाल केवल किसी एक नेता की व्यक्तिगत सोच का नहीं, बल्कि नेपाल-भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्तों से भी जुड़ा हुआ है। फिर भी हाल के वर्षों में काठमांडू महानगर के मेयर के रूप में बालेन शाह की सक्रियता और उनकी स्पष्टवादी शैली ने इस विषय को नई चर्चा दी है।

नेपाल और भारत के रिश्ते सदियों पुराने हैं। खुली सीमा, सांस्कृतिक समानताएं, धार्मिक आस्था और व्यापारिक निर्भरता दोनों देशों को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं। ऐसे में काठमांडू महानगर के मेयर बालेन शाह की भारत को लेकर कही गई बातों और उनके रुख पर स्वाभाविक रूप से ध्यान जाता है। बालेन शाह युवा, तकनीकी पृष्ठभूमि से आने वाले और पारंपरिक राजनीति से अलग छवि वाले नेता हैं। उन्होंने काठमांडू में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और प्रशासनिक सुधारों को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। इसी स्पष्टवादी शैली के कारण कभी-कभी उनके बयान भारत-नेपाल संबंधों को लेकर भी चर्चा में आ जाते हैं। दरअसल, नेपाल की राजनीति में समय-समय पर भारत और चीन के बीच संतुलन की बहस चलती रही है। बालेन शाह भी कई बार राष्ट्रीय स्वाभिमान और नेपाल की स्वतंत्र नीति की बात करते दिखाई देते हैं। यह दृष्टिकोण नेपाल के युवाओं के एक वर्ग में लोकप्रिय भी है, जो चाहता है कि नेपाल अपने हितों के आधार पर निर्णय ले।हालांकि यह भी सच है कि भारत और नेपाल के संबंध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जन-जन के रिश्ते हैं। लाखों नेपाली भारत में काम करते हैं, दोनों देशों के बीच व्यापार और आवागमन बेहद सहज है। इसलिए किसी भी नेता के लिए यह जरूरी है कि वह राष्ट्रीय हित के साथ-साथ इन ऐतिहासिक संबंधों की संवेदनशीलता को भी समझे। बालेन शाह जैसे युवा नेताओं से उम्मीद यही है कि वे नेपाल के विकास और स्वाभिमान को मजबूत करने के साथ-साथ पड़ोसी देशों के साथ सहयोग और संवाद का रास्ता भी खुला रखें। भारत और नेपाल के रिश्ते प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि साझेदारी के आधार पर ही आगे बढ़ सकते हैं।

बालेन शाह की राजनीति नेपाल में नई पीढ़ी के नेतृत्व का संकेत देती है। लेकिन भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों देश आपसी सम्मान, सहयोग और संतुलन की नीति को आगे बढ़ाएं। यही रास्ता क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए सबसे बेहतर है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

संपादकीय

ताकि बचे बचपन

डिजिटल क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्य कर्नाटक ने सोलह साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बचाने के लिये देश में सबसे पहले अनुकरणीय पहल की है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र के दौरान घोषणा की है कि किशोरवय अब सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। कर्नाटक की पहल के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की है कि अगले नब्बे दिनों के भीतर 13 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी। इस तरह आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा सख्त फैसला लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इस प्रकार ये दो राज्य तेजी से ऑनलाइन होती दुनिया में 'किशोरों की सुरक्षा कैसे की जाए', की वैश्विक बहस में शामिल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसी पहल पहले आस्ट्रेलिया और फ्रांस आदि देशों में हो चुकी है। हालांकि, इन राज्यों की पहल सराहनीय है, लेकिन इस प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित होगा, इसका प्रारूप अभी स्पष्ट नहीं है। दरअसल, देश-दुनिया के मनोवैज्ञानिक और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार-बार चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उल्लेखनीय है कि इस चिंता का जिक्र 2025-26 के केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी किया गया था। कर्नाटक व आंध्र प्रदेश की यह पहल तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य के प्रति एक सुरक्षात्मक दृष्टिकोण ही दर्शाती है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इस कार्य योजना को अमलीजामा कैसे पहनाया जाएगा? यह हकीकत जानते हुए कि आज के डिजिटल युग में, स्मार्टफोन और ऐप्स शिक्षा, संचार और दैनिक जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि तमाम स्कूल असाइनमेंट और अपडेट के लिये मैसेजिंग एप्स, ऑनलाइन पोर्टल और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता बढ़ गई है। यही वजह है कि छात्रों द्वारा 'शैक्षिक' और 'सामाजिक' उपयोग के बीच अंतर करना मुश्किल साबित हो सकता है। वहीं चिंता की बात यह भी कि किशोरों की आयु का सत्यापन कैसे व्यावहारिक बनाया जा सकेगा। वहीं देखना होगा कि सोशल मीडिया को संचालित करने वाली तकनीकी कंपनियां किस हद तक इस दिशा में सहयोग करेंगी। सहयोग न मिलने पर प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवालिया निशान लग सकते हैं।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी।

परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता।

तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

विश्व युद्ध की आहट और मानवता के सामने खड़ा विनाश का संकट

कांतिलाल मांडोत

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहां शक्ति प्रदर्शन और प्रतिशोध की राजनीति मानवता के भविष्य पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रहा बल्कि यह पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय बन गया है। जिस तरह से एक के बाद एक मिसाइल हमले ड्रोन हमले और बमबारी हो रही है उससे यह आशंका गहराने लगी है कि कहीं यह संघर्ष व्यापक युद्ध का रूप न ले ले। युद्ध का इतिहास हमेशा यही बताता है कि इसकी आग में केवल सैनिक ही नहीं बल्कि आम नागरिक भी झुलसते हैं और सभ्यता को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

हाल के दिनों में समुद्र और आसमान दोनों ही युद्ध के मैदान बन गए हैं। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती सैन्य कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर बना दिया है। युद्धपोतों पर हमले तेल टैंकरों को निशाना बनाना और बड़े शहरों पर बमबारी यह संकेत देते हैं कि स्थिति लगातार खतरनाक होती जा रही है। इन हमलों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो रही है और हजारों लोग घायल हो चुके हैं। सबसे दुखद पहलू यह है कि इन संघर्षों में मरने वाले अधिकांश लोग वे होते हैं जिनका युद्ध से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल आम नागरिक होते हैं जो शांति से अपना जीवन जीना चाहते हैं।

युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक संरचना को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करता है। जब बड़े देश युद्ध में उलझते हैं तो उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। व्यापार रुक जाता है तेल और ऊर्जा की कीमतें बढ़ जाती हैं और वैश्विक बाजार अस्थिर हो जाते हैं। वर्तमान संघर्ष में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी और मध्य पूर्व का क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा स्त्रोतों में से एक है। यदि यहां युद्ध लंबा चलता है तो तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी और इसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आयात करता है। यदि युद्ध के कारण तेल की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है तो इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ेंगी जिससे परिवहन महंगा होगा और इसका प्रभाव आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ने की संभावना भी बढ़ जाएगी और विकास की गति प्रभावित हो सकती है।

इसके अलावा मध्य पूर्व के देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं। ये लोग वहां से अपने परिवारों के लिए पैसा भेजते हैं जो भारत की अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। यदि युद्ध की स्थिति गंभीर हो जाती है तो इन भारतीयों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कई बार ऐसे हालात में लोगों को अपने काम छोड़कर वापस लौटना पड़ता है जिससे उनके परिवारों पर आर्थिक संकट आ सकता है। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए शांति की दिशा में योगदान दे।

युद्ध का एक और गंभीर प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। जब तेल टैंकरों पर हमले होते हैं या समुद्र में तेल का रिसाव होता है तो समुद्री जीवन को भारी नुकसान पहुंचता है। समुद्र में रहने वाले जीवों की बड़ी संख्या नष्ट हो जाती है और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को गहरा आघात पहुंचता है। इसके अलावा बमबारी और मिसाइल हमलों से शहरों का बुनियादी ढांचा नष्ट हो जाता है। अस्पताल स्कूल सड़कें और घर तबाह हो जाते हैं। इन सबको दोबारा बनाने में वर्षों लग जाते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं देता। पहले और दूसरे विश्व युद्ध ने पूरी मानवता को विनाश का भयावह अनुभव कराया था। करोड़ों लोग मारे गए और कई देशों की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो गई। उसके बाद ही दुनिया ने शांति और सहयोग के महत्व को समझा और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का गठन किया गया ताकि ऐसे संघर्षों को रोका जा सके। लेकिन आज भी जब बड़े देश शक्ति प्रदर्शन में लगे रहते हैं तो ऐसा लगता है कि इतिहास से सबक पूरी तरह नहीं लिया गया है।

दुनिया के कई देश इस समय शांति की अपील कर रहे हैं। भारत भी लगातार यह कहता रहा है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं बल्कि संवाद और कूटनीति से ही संभव है। यदि सभी देश संयम और धैर्य का परिचय दें तो टकराव को कम किया जा सकता है। कूटनीतिक वार्ता के माध्यम से विवादों को सुलझाना ही सभ्य और जिम्मेदार समाज की पहचान है।

आज जरूरत इस बात की है कि दुनिया के शक्तिशाली देश अपनी जिम्मेदारी को समझें। शक्ति का उपयोग विनाश के लिए नहीं बल्कि शांति और स्थिरता के लिए होना चाहिए। यदि युद्ध की आग और फैलती है तो इसका परिणाम केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित करेगा। ऐसे में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि कहीं यह संघर्ष तीसरे विश्व युद्ध की दिशा में कदम न बन जाए।

मानवता का भविष्य तभी सुरक्षित रह सकता है जब देश आपसी मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने का रास्ता अपनाएं। युद्ध केवल विनाश को जन्म देता है जबकि शांति विकास और समृद्धि का मार्ग खोलती है। इसलिए समय की मांग है कि सभी देश संयम बरतें और युद्ध के बजाय शांति और सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाएं। यही मानवता के हित में होगा और यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और बेहतर दुनिया की नींव रखेगा।

यूपीएससी सफलता और बनाई हुई कहानियाँ

डॉ. प्रियंका सौरभ

संघर्ष की कहानी या लोकप्रियता का कथानक? कई अभ्यर्थी वास्तव में गाँवों या साधारण परिवारों से आते हैं और अपनी कहानी इसलिए साझा करते हैं ताकि दूसरे युवाओं को प्रेरणा मिल सके। भारत में ऐसे अनेक सफल अधिकारी हैं जिनकी जड़ें छोटे कस्बों और ग्रामीण परिवेश से जुड़ी रही हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। हालाँकि, सामाजिक माध्यमों के इस दौर में एक अलग प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। कुछ लोग अपनी छवि गढ़ने के लिए 'किसान का बेटा' या 'गाँव से आया लड़का या लड़की' जैसी पहचान को अधिक उभारकर प्रस्तुत करते हैं। कई बार इसका उद्देश्य सहानुभूति अर्जित करना, अपनी कहानी को अधिक प्रेरणादायक बनाकर प्रस्तुत करना या समाचार माध्यमों और सामाजिक माध्यमों में अधिक ध्यान आकर्षित करना भी होता है। भारत में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं है, बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हर वर्ष देशभर से लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं और उनमें से कुछ सौ लोग ही अंततः प्रशासनिक सेवा में स्थान प्राप्त कर पाते हैं। इसलिए जो लोग इस कठिन परीक्षा में सफल होते हैं, वे स्वाभाविक रूप से समाज में चर्चा और सम्मान का विषय बन जाते हैं। समाचार माध्यम, सामाजिक माध्यम और आम समाज उनके जीवन की कहानी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में एक दिलचस्प और कभी-कभी चिंताजनक प्रवृत्ति भी देखने को मिली है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि शहरों की समृद्ध पृष्ठभूमि में पले-बढ़े कुछ सफल अभ्यर्थी अचानक अपनी पहचान को 'किसान पुत्र', 'गाँव का बेटा' या 'ग्रामीण पृष्ठभूमि' के रूप में प्रस्तुत करने लगते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत पहचान का प्रश्न नहीं है; यह उस व्यापक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को भी उजागर करती है, जिसमें लोकप्रियता और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अपनी कहानी को विशेष तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या यह केवल प्रेरणा देने का प्रयास है या फिर लोकप्रियता हासिल करने की एक रणनीति? इस प्रश्न का उत्तर सरल नहीं है, क्योंकि इसके पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और माध्यम-संबंधी कारण छिपे हुए हैं। भारतीय समाज में संघर्ष की कहानियाँ हमेशा से अत्यधिक सम्मानित रही हैं। जब कोई व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से निकलकर बड़ी सफलता हासिल करता है, तो वह कहानी लाखों लोगों को प्रेरित करती है। यही कारण है कि समाचार माध्यम अक्सर ऐसे उदाहरणों को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं, जहाँ कोई अभ्यर्थी सीमित संसाधनों, आर्थिक कठिनाइयों या ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद सफलता प्राप्त करता है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी कहानियाँ समाज के लिए सकारात्मक भूमिका निभाती हैं। वे युवाओं को यह विश्वास दिलाती हैं कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, मेहनत और दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की जा सकती है। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी ग्रामीण और शहरी अवसरों के बीच बड़ा अंतर मौजूद है, ऐसी कहानियाँ उम्मीद और प्रेरणा का स्त्रोत बनती हैं। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब वास्तविकता से अधिक आकर्षक या भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ जाता है। सामाजिक माध्यमों के इस दौर में हर व्यक्ति अपनी कहानी को इस तरह प्रस्तुत करना चाहता है कि वह अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे और उन्हें प्रभावित करे। इस प्रक्रिया में कभी-कभी वास्तविक पृष्ठभूमि की जटिलता को सरल और भावनात्मक कथा में बदल दिया जाता है।

आज के समय में समाचार माध्यम और सामाजिक माध्यम किसी भी व्यक्ति की छवि बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक सफल अभ्यर्थी की कहानी कुछ ही घंटों में पूरे देश में फैल सकती है। विभिन्न साक्षात्कार, वीडियो मंच और समाचार लेख अक्सर उस कहानी के ऐसे पहलुओं को सामने लाते हैं जो भावनात्मक और प्रेरणादायक हों।

माध्यमों की दृष्टि से यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि दर्शक और पाठक ऐसी कहानियों से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। 'गाँव से निकलकर प्रशासनिक सेवा में पहुँचा युवक' या 'किसान की बेटी जिसने प्रशासनिक सेवा में स्थान बनाया' जैसी सुर्खियाँ तुरंत ध्यान आकर्षित करती हैं। परिणामस्वरूप, कभी-कभी कहानी के कुछ हिस्सों को अधिक महत्व दिया जाता है, जबकि अन्य पहलू पीछे छूट जाते हैं। यदि किसी अभ्यर्थी का परिवार मूल रूप से ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा रहा हो, लेकिन उसकी शिक्षा और परवरिश शहरों में हुई हो, तो माध्यम अक्सर उसी ग्रामीण संबंध को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं। इससे वास्तविकता का एक आंशिक चित्र सामने आता है।

भारत जैसे विशाल और विविध समाज में पहचान हमेशा सरल और एक-आयामी नहीं होती। किसी व्यक्ति का जन्म गाँव में हो सकता है, लेकिन शिक्षा शहर में हुई हो सकती है। किसी के माता-पिता खेती से जुड़े हो सकते हैं, जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है।

वास्तव में दोनों बातें एक साथ सही हो सकती हैं। लेकिन जब कहानी को सरल और प्रभावी बनाने की कोशिश की जाती है, तो अक्सर एक ही पहचान को प्रमुखता दी जाती है। यही कारण है कि कभी-कभी लोगों को यह लगता है कि वास्तविकता से अलग या बढ़ा-चढ़ाकर चित्र प्रस्तुत किया जा रहा है। आज का समय छवि और कथानक का समय है। सामाजिक माध्यमों ने हर व्यक्ति को अपनी छवि गढ़ने का अवसर दिया है। लोग केवल यह नहीं बताते कि वे कौन हैं, बल्कि यह भी तय करते हैं कि वे समाज के सामने कैसे दिखाई देना चाहते हैं। लेकिन जब यह प्रक्रिया वास्तविकता से अधिक छवि-निर्माण पर आधारित होने लगती है, तो यह आलोचना का विषय बन जाती है। समाज को यह महसूस होने लगता है कि लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए पहचान का उपयोग किया जा रहा है।

यह भी याद रखना आवश्यक है कि हर सफल अभ्यर्थी ऐसा नहीं करता। देश में हजारों ऐसे अधिकारी हैं जो अपनी पृष्ठभूमि के बारे में ईमानदारी से बात करते हैं और अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। अंततः प्रशासनिक सेवा में सफलता का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होना चाहिए कि कोई अधिकारी अपने पद का उपयोग समाज के हित में किस प्रकार करता है। ईमानदारी, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना ही किसी भी अधिकारी की सबसे बड़ी पहचान होती है। लोकप्रियता क्षणिक हो सकती है, लेकिन सच्ची सेवा और ईमानदार कार्य ही वह आधार है जो किसी व्यक्ति को स्थायी सम्मान दिलाता है।

इन तीनों गुणों के होने से मनुष्य को कहते हैं चेतन

किसी भी वस्तु की चेतनता की पहचान इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति के होने से होती है। अगर किसी वस्तु में ये तीनों नहीं होते हैं, तो उसे जड़ वस्तु कहते हैं और इन तीनों के होने से उसे चेतन वस्तु कहते हैं। मनुष्य में इन तीनों गुणओं के होने से उसे चेतन कहते हैं। मनुष्य के मृत शरीर में इनके न होने से उसे अचेतन अथवा जड़ कहते हैं।

प्रश्न यह उठता है कि जो मनुष्य अभी-अभी इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति कर रहा था और चेतन कहला रहा था, वही मनुष्य इनके न रहने से मृत क्यों घोषित कर दिया गया जबकि वह सशरीर हमारे सामने पड़ा हुआ है? आमतौर पर एक डॉक्टर बोलेगा कि इस शरीर में प्राण नहीं हैं। शास्त्रीय भाषा में, जब तक मानव शरीर में आत्मा रहती है, उसमें चेतनता रहती है। उसमें इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहती है। आत्मा के चले जाने से वही मानव शरीर इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहित हो जाता है, जिसे आमतौर पर मृत कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार स्वरूप से आत्मा सच्चिदानन्दमय होती है। सच्चिदानन्द अर्थात सत्+चित+आनंद। संस्कृत में सत् का अर्थ होता है नित्य जीवन अर्थात् वह जीवन जिसमें मृत्यु नहीं है, चित् का अर्थ होता है ज्ञान जिसमें कुछ भी अज्ञान नहीं है और आनंद का अर्थ होता है नित्य सुख जिसमें दु:ख का आभास मात्र नहीं है। यही कारण है कि कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, कोई मूर्ख नहीं कहलवाना चाहता और कोई भी किसी भी प्रकार का दु:ख नहीं चाहता।

अब नित्य जीवन, नित्य आनंद, नित्य ज्ञान कहां से मिलेगा? जैसे सोना पाने के लिए सुनार के पास जाना पड़ता है, लोहा पाने के लिए लोहार के पास, इसी प्रकार नित्य जीवन-ज्ञान-आनंद पाने के लिए भगवान के पास जाना पड़ेगा क्योंकि एकमात्र वही हैं जिनके पास ये तीनों वस्तुएं असीम मात्रा में हैं। प्रश्न हो सकता है कि बताओ भगवान मिलेंगे कहां? ये भी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। कोई कहता है भगवान कण-कण में हैं, कोई कहता है कि भगवान मंदिर में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो हृदय में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो पर्वत की गुफा में, नदी में, प्रकृति में वगैरह।

वैसे जिस व्यक्ति के बारे में पता करना हो कि वह कहां रहता है, अगर वह स्वयं ही अपना पता बताए तो उससे बेहतर उत्तर कोई नहीं हो सकता। उक्त प्रश्न के उत्तर में भगवान कहते हैं कि मैं वहीं रहता हूं, जहां मेरा शुद्ध भक्त होता है। चूंकि हम सब के मूल में जो तीन इच्छाएं- नित्य जीवन, नित्य ज्ञान व नित्य आनंद हैं, वे केवल भगवान ही पूरी कर सकते हैं, कोई और नहीं। इसलिए हमें उन तक पहुंचने की चेष्टा तो करनी ही चाहिए।

भगवान स्वयं बता रहे हैं कि वह अपने शुद्ध भक्त के पास रहते हैं। अत: हमें ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और तुरंत ऐसे भक्त की खोज करनी चाहिए जिसके पास जाने से, जिसकी बात मानने से हमें भगवद्प्राप्ति का मार्ग मिल जाए। साथ ही हमें यह सावधानी भी बरतनी चाहिए कि कहीं वह भगवद्-भक्त के वेश में ढोंगी न हो। स्कंद पुराण के अनुसार भगवान शिव माता पार्वती से कहते हैं कि कलियुग में ऐसे गुरु बहुत मिलेंगे जो शिष्य का सब कुछ हर लेते हैं, परंतु शिष्य का संताप हर कर उसे सद्मार्ग पर ले आए ऐसा गुरु विरला ही मिलेगा।

किस जगह रखें कामधेनु की मूर्ति?

हमारे जीवन में वास्तु शास्त्र का महत्व काफी ज्यादा बताया गया है। कहा जाता है अगर किसी भी कार्य को करने से पहले या फिर करने के दौरान वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का पालन किया जाता है तो इसके परिणाम काफी शुभ और सकारात्मक होते हैं. वहीं, जब इन नियमों को नजरअंदाज किया जाता है तो इसके परिणाम भी उतने ही बुरे हो सकते हैं। सनातन धर्म के अनुसार कामधेनु गाय में देवी-देवताओं का निवास होता है। इसे घर पर रखने से इंसान की हर मनोकामना पूरी होती है। वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो जब आप इसे रखते हैं तो इससे सुख समृद्धि का वास आपके घर पर होता है.

वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो आपको कामधेनु गाय की मूर्ति को अपने घर के ईशान कोण में रखना चाहिए। इसे सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। आप अगर चाहें तो कामधेनु गाय की मूर्ति को घर के पूजास्थल या फिर मुख्य द्वार पर रख सकते हैं। अगर आप मूर्ति नहीं रख पा रहे हैं तो ऐसे में तस्वीर लगाना भी काफी शुभ माना जाता है.

अगर आप अपने घर पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करने जा रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें कि वह सोना, चांदी, पीतल, तांबे या फिर मार्बल की बनी हुई हो। आप अगर चाहें तो चीनी मिटटी से बनी मूर्ति भी अपने घर पर रख सकते हैं। अगर आप अपने घर में सही जगह पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करते हैं तो इससे आपको वास्तु दोषों से छुटकारा मिल सकता है। केवल यहीं नहीं, जब आप इसे अपने घर पर रखना शुरू कर देते हैं तो आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर हो जाती है।

एकादशी व्रत का धार्मिक महत्व

चावल का सेवन न करने के कारण

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को अत्यंत पवित्र और फलदायी माना गया है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रद्धालु व्रत रखकर श्रीहरि की पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि विधिपूर्वक एकादशी व्रत करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। हालांकि, एकादशी व्रत के कई कठोर नियम होते हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण नियम है एकादशी के दिन चावल का सेवन न करना।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को प्रसन्न करने का सबसे प्रभावशाली उपाय माना गया है। यह व्रत आत्मशुद्धि, मन की एकाग्रता और आध्यात्मिक उन्नति के लिए किया जाता है। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार, एक बार माता शक्ति के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने अपना शरीर त्याग दिया। उनके शरीर के अंश धरती में समाहित हो गए। जिन स्थानों पर उनके शरीर के अंश गिरे, वहां से जौ और चावल उत्पन्न हुए। चूंकि ये अनाज महर्षि के शरीर से उत्पन्न माने गए, इसलिए इन्हें 'जीव' के समान समझा गया। मान्यता है कि एकादशी के दिन ये अन्न सजीव अवस्था में होते हैं। इस कारण इस दिन चावल का सेवन करना महर्षि मेधा के शरीर के अंश का सेवन करने के समान माना गया है।

धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख

पद्म पुराण और विष्णु पुराण में वर्णन मिलता है कि जो व्यक्ति एकादशी के दिन चावल का सेवन करता है, उसके संचित पुण्य फलों का नाश हो सकता है। इसी कारण श्रद्धालुओं को इस दिन चावल से परहेज करने की सलाह दी जाती है।

एकादशी व्रत में क्या खाएं?

एकादशी के दिन सामान्य अन्न का सेवन नहीं किया जाता। व्रती लोग फलाहार, दूध, मखाना, साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, कुट्टू का आटा आदि का सेवन करते हैं। कुछ लोग निर्जला व्रत भी रखते हैं। एकादशी व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का भी प्रतीक है। चावल का त्याग इसी परंपरा और पौराणिक मान्यता से जुड़ा हुआ है। श्रद्धालु नियमपूर्वक व्रत का पालन कर भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करते हैं।

भीगे पैर सोना धर्म ग्रंथों में शुभ नहीं माना गया

इन्सान के स्वास्थ्य का शयन कक्ष से सीधा संबंध है। हमारे धर्म ग्रंथों में सोने के कुछ नियम बताए गए हैं। इनका पालन करने से शरीर में कोई रोग नहीं होता, साथ ही घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। मनुस्मृति में लिखा गया है कि सूने घर में अकेले नहीं सोना चाहिए। जहां बिल्कुल अंधेरा हो, वहां सोने से भी बचना चाहिए। साथ ही मंदिर और श्मशान में कभी नहीं सोना चाहिए। अच्छी सेहत के लिए सुबह जल्दी उठाना जरूरी है। कुछ लोगों की आदत होती है कि सोने से पहले पैर धोते हैं। यह अच्छा है, लेकिन भीगे पैर सोना धर्म ग्रंथों में शुभ नहीं माना गया है। बताते हैं कि सूखे पैर होने से घर में लक्ष्मी आती है।

पलंग या खाट टूटा हो तो उस पर न सोएं। खाने के तुरंत बाद बिस्तर पर न जाएं। झूठे मुंह सोना अशुभ है। आप किस दिशा में सोते हैं, यह भी बहुत अहम है। पूर्व की तरफ सिर करके सोने से विद्या, पश्चिम की ओर सिर करके सोने से प्रबल चिन्ता, उत्तर की ओर सिर करके सोने से हानि व मृत्यु, तथा दक्षिण की तरफ सिर करके सोने से धन व आयु की प्राप्ति होती है।

कई लोगों को दिन में सोने की आदत होती है। इसे तुरंत छोड़ दें। दिन में तथा सुर्योदय एवं सुर्यास्त के समय सोने वाला रोगी और दरिद्र हो जाता है।

बायीं करवट सोना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। दक्षिण दिशा में पांव रखकर कभी नहीं सोना चाहिए। इस तरफ यम और दुष्टदेवों का निवास रहता है। इसका वैज्ञानिक कारण यह भी है कि मस्तिष्क में रक्त का संचार कम को जाता है।

सोते समय हृदय पर हाथ रखकर नहीं सोना चाहिए। पैर पर पैर रखकर भी नहीं सोना चाहिए। माथे पर तिलक लगा है तो सोने से पहले उसे साफ कर लें। तिलक लगाकर सोना अच्छा नहीं माना जाता।

गणेश जी और मां काली को अत्यन्त प्रिय है लाल रंग का गुड़हल

वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में फूलों को पॉजिटिव एनर्जी आकर्षित करने वाला बताया गया है। आप भी अपने घर में खुशहाली के लिए कुछ चुनिंदा फूलों के पौधे लगाएं।

पूजा के लिए अधिकतर गेंदा का इस्तेमाल किया जाता है। वास्तु शास्त्र में इस पुष्प को शुभ माना जाता है, यही कारण है कि इससे घरों व मंदिरों की सजावट की जाती है। भगवान को चढ़ाया जाता है। आप भी इसे अपने घर में उत्तर-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। लाल रंग का गुड़हल गणेश जी और मां काली को अत्यन्त प्रिय है। कहा जाता है कि जहां कहीं भी यह पुष्प होता है, वहां पर समस्त प्रकार की नैगेटिव एनर्जी नष्ट हो जाती है। इसे घर में लगाने से पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बना रहता है।

चंपा के फूल हल्के पीले और सफेद रंग के आते हैं। इनमें बहुत हल्की लेकिन मधुर सुगंध होती है। यह भी भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा में इस्तेमाल किया जाता है। मोगरा के पुष्प में अत्यधिक तेज सुगंध होती है जो किसी का भी मन मोह लेती है। इस पुष्प के पौधे को घर में लगाने से लक्ष्मी का वास होता है। अत: इस पौधे को भी घर में लगाना चाहिए ताकि घर में सुख और समृद्धि आ सके। तुलसी का पौधा घर के मुख्यद्वार पर लगाने से घर में कोई भी ऊपरी बाधा प्रवेश नहीं कर सकती।

सुबह उठते ही शिवलिंग या शिव मूर्ति का दर्शन करें

सुबह उठते ही कुछ खास चीजें देखने या ध्यान में रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और शुभ लाभ मिलता है। यह चीजें वास्तु शास्त्र और भारतीय परंपराओं से जुड़ी होती हैं, जो दिन की शुरुआत को शुभ और ऊर्जा से भरपूर बना सकती हैं। इन सरल और कम खर्चीले उपायों को अपनाकर आप अपने घर में खुशहाली का वातावरण बना सकते हैं। ये चीजें न केवल घर में शुभ प्रभाव डालती हैं, बल्कि आपके पूरे दिन को मंगलमय और उन्नति की ओर मार्गदर्शित करती हैं।

वास्तु: सुबह उठते ही यदि आप भगवान शिव के शिवलिंग या मूर्ति का दर्शन करते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि का वास होता है। यह विशेष रूप से धन और मानसिक शांति लाने में मदद करता है। शिव के दर्शन से नकारात्मकता दूर होती है और हर तरह की परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

अन्य लाभ: विशेष रूप से महाशिवरात्रि के दिन इस उपाय का महत्व बढ़ जाता है। घर में आकर यह ऊर्जा घर के प्रत्येक सदस्य को लाभ पहुंचाती है।

दीपक की लौ या तेल का दीपक देखना – वास्तु: सुबह उठते ही अगर आप घर में जलते दीपक या तेल के दीपक की लौ देखते हैं, तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। दीपक की लौ सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होती है। इसे देखने से मन शांत रहता है और दिन की शुरुआत शुभ होती है।

अन्य लाभ: यह विशेष रूप से घर में दरिद्रता को दूर करने और आर्थ?क लाभ लाने में मदद करता है।

प्यारे और शांतिपूर्ण चित्र या तस्वीरें

वास्तु: घर में सुंदर, शांतिपूर्ण और सकारात्मक चित्रों को देखना शुभ माना जाता है जैसे लक्ष्मी जी की तस्वीर, कुबेर की मूर्ति, समुद्र का दृश्य, प्रकृति से जुड़े चित्र आदि। ये सभी चित्र घर में समृद्धि और शांति का प्रतीक होते हैं।

अन्य लाभ: विशेष रूप से आप यदि इन चित्रों को सुबह उठते ही देखें, तो दिन भर की स्थिति सकारात्मक रहेगी और आपकी मेहनत में सफलता मिलेगी।

तुलसी के पौधे को देखना

वास्तु: घर में तुलसी का पौधा रखना और उसे सुबह जल देना एक बहुत शुभ उपाय है। तुलसी के पौधे को देखने से घर में धन, सुख और समृद्धि का वास होता है। यह पौधा विशेष रूप से मानसिक शांति और आस्था का प्रतीक माना जाता है।

अन्य लाभ: तुलसी की पूजा से घर में नकारात्मकता कम होती है और स्वास्थ संबंधी लाभ भी मिलते हैं।

चांदी या सोने की वस्तु का दर्शन

वास्तु: यदि आप सुबह उठते ही चांदी या सोने की कोई छोटी सी वस्तु देखते हैं जैसे चांदी की छड़ी, सिक्के या कोई आभूषण तो यह दिन भर के लिए धन और समृद्धि के संकेत होते हैं। यह खासतौर पर व्यापारियों के लिए बहुत शुभ होता है।

अन्य लाभ: इस प्रकार की वस्तुओं को देखना आर्थ?क समृद्धि की ओर इशारा करता है और सकारात्मक विचारों का प्रवाह करता है।

घर के पूर्व दिशा में सूर्योदय देखना

वास्तु: सूर्योदय का दृश्य सबसे शुभ माना जाता है, विशेष रूप से यदि यह पूर्व दिशा से दिखाई देता हो। सूर्योदय को देखने से जीवन में नयापन और ऊर्जा का संचार होता है।

एक रुपये में जूते वाले ऑफर से मचा हंगामा, भीड़ नियंत्रित करने पुलिस ने भांजी लाठी

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड में मात्र 1 रुपये में जूते देने के एक प्रचार ऑफर ने रविवार को भारी हंगामे का रूप ले लिया। बड़ी संख्या में लोग ऑफर का फायदा उठाने के लिए पहुंच गए, जिससे हालात बेकाबू हो गए और पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, दुकान ने पहले 100 ग्राहकों को सिर्फ 1 रुपये में महंगे जूते देने का विज्ञापन जारी किया था। यह विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद सैकड़ों लोग तड़के ही दुकान के बाहर पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि कई लोग रात 2 बजे से ही लाइन में लग गए थे। पुलिस के अनुसार, दुकान की क्षमता से कहीं ज्यादा भीड़ जमा हो गई, जिसमें बच्चे भी शामिल थे। कुछ लोग दूर-दराज के जिलों से भी पहुंचे थे। भारी भीड़ के कारण इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और यातायात भी पूरी तरह बाधित हो गया। स्थिति जब नियंत्रण से बाहर हो गई, तो पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना के बाद तनाव फैलाने और अव्यवस्था पैदा करने के आरोप में दुकान के मालिक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

युद्ध गप्प विरुद्ध पोस्टर लगा कांग्रेस ने आप को घेरा, कहा- पंजाब सरकार की वादा खिलाफी उजागर

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर में कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ चुनावी प्रचार तेज करते हुए युद्ध गप्प विरुद्ध अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत नकोदर और शाहकोट समेत कई इलाकों में पोस्टर लगाए गए हैं, जो राजनीतिक चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। पोस्टरों में स्पष्ट रूप से लिखा गया है युद्ध गप्प विरुद्ध और पंजाब सरकार पर महिलाओं के लिए किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया गया है। इन पोस्टरों में अखबार पकड़े एक महिला की तस्वीर दिखाई गई है, जबकि नकोदर क्षेत्र में लगे पोस्टरों पर शाहकोट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हरदेव सिंह लाडी शेरोवालिया और नवजोत सिंह दहिया की तस्वीरें भी शामिल हैं। पोस्टरों में यह भी लिखा गया है कि अब इंतजार खत्म हुआ, और 18 वर्ष से ऊपर की हर महिला को 4 साल के लिए 48,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। कांग्रेस का उद्देश्य पंजाब सरकार को घेरना और महिलाओं से किए गए वादों की याद दिलाना है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जालंधर के लगभग हर गांव के घरों की दीवारों पर यह पोस्टर देखे जा सकते हैं, जिसके चलते राजनीतिक बहस और चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस के इस अभियान को क्षेत्रीय स्तर पर चुनावी संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें आप की नीतियों और वादाखिलाफी पर जोर दिया गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जावेद सिद्दीकी को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली की एक अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में जावेद सिद्दीकी को दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। अदालत ने यह राहत उनकी पत्नी के गंभीर स्वास्थ्य हालात को देखते हुए दी, जिनका स्टेज-4 ओवेरियन कैंसर का इलाज चल रहा है। यह आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने शनिवार को सुनाया। अदालत ने कहा कि सिद्दीकी की पत्नी की कीमोथेरेपी चल रही है और इस कठिन समय में उन्हें परिवार के सदस्य के सहयोग की आवश्यकता है। इसी आधार पर अदालत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए दो सप्ताह की अंतरिम जमानत मंजूर की। यहां बताते चलें कि जावेद सिद्दीकी अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन हैं और उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित मामला दर्ज किया गया है, जिसकी जांच केंद्रीय एजेंसियां कर रही हैं। यह मामला लाल किला ब्लास्ट केस से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन से संबंधित बताया जा रहा है। अदालत ने जमानत देते हुए कई सख्त शर्तें भी लगाई हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जावेद सिद्दीकी बिना अनुमति के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से बाहर नहीं जा सकेंगे। इसके अलावा उन्हें अपना मोबाइल फोन हमेशा सक्रिय रखना होगा और अपना पासपोर्ट अदालत में जमा करना होगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अंतरिम जमानत की अवधि के दौरान वह मामले से जुड़े किसी भी गवाह या शिकायतकर्ता से संपर्क नहीं करेंगे। यदि इन शर्तों का उल्लंघन होता है तो जमानत रद्द की जा सकती है।

भारत लौट कर अच्छा लगा भारत और दुबई सरकार ने हमारी खूब मदद की

-यह महसूस नहीं हुआ कि हम एक युद्धग्रस्त देश में फंसे हैं या सुरक्षित नहीं

पुणे (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के बीच दुबई से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालकर वापस लाया गया है। पुणे एयरपोर्ट पर उतरने के बाद भारतीय नागरिकों के चेहरे पर खुशी नजर आई उन्होंने सरकार की तारीफ की। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंची महिला यात्री ने कहा कि शुरू में जब लड़ाई शुरू हुई तो डर लग रहा था, लेकिन उसके बाद कॉलेज, भारतीय दूतावास और भारत सरकार ने बहुत मदद की। सब कुछ बहुत अच्छा था।

उन्होंने कहा कि वापस लौटकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम जल्द लड़ाई रुकने की उम्मीद करते हैं, जिससे वापस कॉलेज लौट सकें और पढ़ाई कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि सरकार बहुत ही ईमानदारी के साथ अच्छा काम कर रही है। हम अपनी भारत सरकार पर भी गर्व करते हैं। एक अन्य महिला यात्री ने बताया कि हम ऑफिस वर्क के लिए 15 दिन की यात्रा पर गए थे। हमें बिल्कुल भी यह महसूस नहीं हुआ कि हम एक युद्धग्रस्त देश में जाकर फंसे हैं या सुरक्षित नहीं हैं। हम सभी के लिए दुबई सरकार ने अच्छी सुरक्षा दी थी। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ दूर से धमाकों की आवाजें आती थीं, लेकिन वहां बिल्कुल भी खतरनाक या पैनिक की स्थिति नहीं थी। एक अन्य यात्री ने बताया कि जब हम लोग एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, तभी मिसाइल अटैक का अलर्ट आया था। सभी लोगों को नीचे बंकर में ले जाया गया। कुछ समय के बाद जब स्थिति सामान्य हो गई, तब लोगों को बाहर लाया गया। हमें बाद में पता चला कि उन मिसाइलों को मार गिराया गया है। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंचे यात्री एक और यात्री ने कहा कि उसने फ्लाइट बुक की थी, लेकिन उसमें देरी हो रही थी। स्पाइसजेट की वजह से मैं यहां टाइम पर पहुंच गया। उन्होंने फ्लाइट्स कैंसिल नहीं कीं। मैं एक हफ्ते तक फंसा रहा। वापस आकर मुझे अच्छा लग रहा है। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंचे यात्री ने कहा कि मैं वहां छह साल से काम कर रहा हूं। हमें कुछ शोर सुनाई दे रहा था, लेकिन वहां सब ठीक है। यूएई सरकार सभी का बहुत अच्छे से ख्याल रख रही है।

तमिलनाडु चुनाव से पहले टीवीके चीफ विजय के बड़े वादे: बुजुर्ग महिलाओं को 2,500 रुपये, विवाह में सोने की अंगूठी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच अभिनेता-नेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई बड़े वादों की घोषणा की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मामल्लापुरम में आयोजित समारोह में विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता, साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, विवाह के लिए आठ ग्राम सोना और सिल्क साड़ी देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि राज्य में जन्मे प्रत्येक बच्चे को सरकार की ओर से एक सोने की अंगूठी दी जाएगी, जो परिवार और बच्चों की भलाई का प्रतीक होगी।

महिलाओं और सुरक्षा के लिए पहल

विजय ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की और सार्वजनिक परिवहन में स्मार्ट पैनिक बटन लगाने की योजना भी साझा की। इसके अलावा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेज न्याय सुनिश्चित करने के लिए ÷अंजलाई अम्मल फास्ट-ट्रैक अदालत÷ का गठन किया जाएगा। राज्यभर में 500 विशेष सुरक्षा टीमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करेंगी।

शिक्षा और आर्थिक समर्थन

उन्होंने 'कामराज शिक्षा आश्वासन स्कीम' के तहत कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों की शिक्षा बिना रुकावट पूरी करने की गारंटी देने की घोषणा की। इसके लिए परिवारों को सालाना 15,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को 5 लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त वित्तीय सहायता देने का भी वादा किया गया।

परिवार कल्याण और सामाजिक सुरक्षा

विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए 'अन्नापूर्णी सुपर 6' स्कीम के तहत साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देने, और शादी में महिलाओं की मदद के लिए ÷अन्नन सीर÷ योजना लागू करने की बात कही। इसके साथ ही मासिक धर्म स्वच्छता बढ़ाने के लिए राशन दुकानों के माध्यम से मुफ्त सेनेटरी नैपकिन वितरित किए जाएंगे।

टीवीके प्रमुख ने कहा कि पार्टी सत्ता में आने के बाद इन सभी कल्याण योजनाओं को तुरंत लागू करेगी। महिलाओं, बच्चों और परिवारों पर केंद्रित यह घोषणाओं का बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है, जिससे तमिलनाडु में चुनावी तैयारियों को बढ़ावा मिलेगा।

भारत के लोग आजाद और खुद फैसले लेने वाले हैं, हम दूसरे देश का आदेश नहीं मानते

-फिल्म अभिनेता कमल हासन ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के लिए लिखा ओपन पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता कमल हासन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक ओपन पत्र लिखा है। पत्र में हासन ने ट्रंप को अपने देश पर ध्यान देने की नसीहत दी है। कमल हासन ने ट्रम्प की उस नसीहत पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने भारत को रुस से तेल खरीदने की अस्थायी छूट दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमल हासन ने एक्स पर लिखा- सेवा में, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प। माननीय राष्ट्रपति जी, हम भारत के लोग एक आजाद और अपने फैसले खुद लेने वाले देश के नागरिक हैं। अब हम किसी दूसरे देश से आदेश नहीं लेते। कृपया अपने काम से काम रखिए। देशों के बीच आपसी सम्मान ही दुनिया में शांति बनाए रखने का सही तरीका है। हम आपके देश और वहां के लोगों के लिए शांति और तरक्की की कामना करते हैं। कमल हासन- एक प्राउड भारतीय नागरिक। संस्थापक- मक्कल नीधि माइअम। बता दें मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20फीसदी तेल सप्लाई होती है। ऐसे में भारत में भी तेल के दाम बढ़ने का अनुमान था। इसी बीच अमेरिका ने भारत को 3 अप्रैल तक रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट दी है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। कमल हासन की पोस्ट सामने आने के बाद कई यूजर्स सवाल उठा रहे हैं कि वह किस हैसियत से इंडिया की तरफ से बयान दे रहे हैं। कई लोग इसे ड्रामा बता रहे हैं तो कुछ का कहना है कि भारत को किसी भी देश की तरफ से कोई आदेश नहीं दिया गया है, जैसा कि कमल ने पोस्ट में कहा है।

ईरान युद्ध के बीच भारत ले सकता है फैसला, जहाजों की सुरक्षा के लिए नौसेना की तैनाती पर विचार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में उपजे सुरक्षा संकट के बीच भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में फंसे अपने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम उठाने के संकेत दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, पर्शियन गल्फ में फंसे जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए भारतीय नौसेना की तैनाती पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में अगले 48 घंटों के भीतर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। यदि योजना को हरी झंडी मिलती है, तो भारतीय नौसेना के युद्धपोत इन जहाजों को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित गलियारे से बाहर निकालेंगे।

अब राज्यपाल गुरमीत सिंह का हेलीकॉप्टर हुआ खराब, श्रीनगर में इमरजेंसी लैंडिंग

-एक दिन पहले ही केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी आई थी समस्या

श्रीनगर (एजेंसी)। उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह के हेलीकॉप्टर की रविवार को श्रीनगर के पास इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर में तकनीकी दिक्कत या खराब मौसम की वजह से यह फैसला लिया गया। हालांकि राज्यपाल समेत सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बताया गया कि गुरमीत सिंह गैंसरण में विधानसभा सत्र में शामिल होने के लिए हेलीकॉप्टर से जा रहे थे। इसी दौरान श्रीनगर के पास हेलीकॉप्टर में समस्या आने की सूचना मिली, जिसके बाद पायलट ने सावधानी बरतते हुए आपात लैंडिंग कराई। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस अलर्ट हो गए और राज्यपाल को हेलिपैड से सीधे पुलिस गेस्ट हाउस ले जाया गया। फिलहाल लैंडिंग के सही कारणों की जांच की जा रही है।

इस घटना से एक दिन पहले केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी तकनीकी खराबी आ गई थी। वे कौशांबी जा रहे थे, तभी हेलीकॉप्टर में अचानक समस्या आ गई और उसकी लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। बताया गया कि उड़ान के दौरान पायलट के डैशबोर्ड का डिस्प्ले बंद हो गया था और हेलीकॉप्टर में धुआं भरने लगा था। स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत हेलीकॉप्टर को एयरपोर्ट की ओर मोड़ा और सुरक्षित लैंडिंग कराई। हेलीकॉप्टर में केशव मौर्य, उनके सहयोगी, सुरक्षाकर्मी और पायलट सवार थे और सभी सुरक्षित हैं।

बंगाल चुनाव से पहले ममता का बड़ा ऐलान, युवाओं को हर महीने मिलेगा 1500 रुपये बेरोजगारी भत्ता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच ममता बनर्जी ने बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री ने राज्य के युवाओं को हर महीने 1500 रुपये भत्ता देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य युवाओं को आर्थिक सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करना है। ममता बनर्जी ने यह घोषणा मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विरोध में आयोजित धरना-प्रदर्शन स्थल से ही की। ममता बनर्जी ने बताया कि सरकार पहले इस योजना को 1 अप्रैल से लागू करने वाली थी, लेकिन अब इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य के युवाओं को यह एक तरह का उपहार है। इसके तहत लाभार्थियों को अब अप्रैल का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और भुगतान की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाएगी।

कौन होंगे योजना के पात्र

मुख्यमंत्री ने योजना की पात्रता को लेकर भी जानकारी दी। इसके तहत 21 से 40 वर्ष की आयु के युवक और युवतियां आवेदन कर सकेंगे। लाभ पाने के लिए कम से कम माध्यमिक परीक्षा (कक्षा 10वीं) पास होना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो छात्र अभी पढ़ाई कर रहे हैं और छात्रवृत्ति के अलावा किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ नहीं ले रहे हैं, उन्हें भी इस योजना के तहत भत्ता मिल सकेगा।

रोजगार के आंकड़े भी रखे सामने

विपक्ष के आरोपों के बीच ममता बनर्जी ने अपने शासनकाल में रोजगार के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बेरोजगारी दर में करीब 40 प्रतिशत की कमी आई है। मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य में लगभग 40 लाख लोगों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें से करीब 10 लाख लोगों को रोजगार मिल चुका है। उन्होंने बताया कि उत्कर्ष बांग्ला के तहत प्रशिक्षित युवाओं का डेटा उद्योगपतियों की वेबसाइटों से जोड़ा गया है, जिससे उन्हें रोजगार मिलने में आसानी हुई है।

किसानों और प्रवासी मजदूरों के लिए भी राहत

ममता बनर्जी ने भूमिहीन किसानों के लिए भी 4000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पहले यह लाभ केवल सीमित जमीन वाले किसानों को मिलता था, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा प्रवासी श्रमिकों को राज्य के भीतर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लघु और मध्यम उद्योगों के क्षेत्र में करीब 1.5 करोड़ लोग कार्यरत हैं और इस क्षेत्र को और मजबूत किया जाएगा।

होली के बाद मौसम ने बिखेरे तीन रंग, कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, कहीं बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

-यूपी के ज्यादातर जिलों में तेज धूप खिलेगी, कुछ जगहों पर छा सकते हैं हल्के बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रंगों से भरा होली पर्व का उत्सव अब समाप्त हो गया है। इसके साथ ही मौसम ने अपने रंग बिखेरना शुरु कर दिया है। देश में इस वक्त तीन तरह की मौसमी रंग दिखाई दे रहे है। एक वो इलाका है जहां रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है तो दूसरा वो क्षेत्र है जहां बारिश हो रही है और तीसरे इलाके में बर्फबारी की संभावना है। महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्य भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) की चपेट में हैं, वहीं उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और पूर्वी भारत में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के ताजा आंकड़े बताते हैं कि गर्मी ने इस साल समय से पहले ही अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं।

महाराष्ट्र का विदर्भ क्षेत्र इस समय देश का सबसे गर्म इलाका बना हुआ है। अकोला में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो सामान्य से करीब 4.8 डिग्री अधिक है। अमरावती, वर्धा और वाशिम जैसे शहरों में भी पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि मार्च की शुरुआत में ही तापमान का इस स्तर पर पहुंचना आने वाले महीनों के लिए एक गंभीर संकेत है। राजस्थान के बाड़मेर में भी पारा 38 डिग्री के पार जा चुका है, जिससे मरुधरा में अभी से तपिश महसूस होने लगी है।

दूसरी ओर, उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। इस बदलाव से मैदानी इलाकों, विशेषकर दिल्ली- एनसीआर, पंजाब और हरियाणा में सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी हुई है, हालांकि दोपहर की तेज धूप लोगों को परेशान कर रही है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी गर्मी का असर बढ़ने लगा है। यूपी के बुंदेलखंड क्षेत्र में पारा 35 डिग्री के पार जा चुका है, वहीं बिहार और झारखंड में 9 से 11 मार्च के बीच मौसम बदलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इन राज्यों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत में भी प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई हैं, जिससे केरल और तमिलनाडु के तटीय इलाकों में बारिश की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि साफ आसमान और एंटी-साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण सूरज की किरणें सीधे धरती तक पहुंच रही हैं, जिससे तापमान में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो रही है। यदि आने वाले दिनों में पारा सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक रहता है, तो कई राज्यों में आधिकारिक तौर पर हीटवेव की घोषणा की जा सकती है।

सामना ने अमेरिका की भूमिका और भारत के नेतृत्व पर उठाए सवाल कहा- कॉकरोच मरते नहीं...

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजरायल संघर्ष के बीच शिवसेना (यूबीटी) ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और भारत सरकार की भूमिका पर तीखी टिप्पणी की है। पार्टी के मुखपत्र में प्रकाशित कॉकरोच मरते नहीं शीर्षक वाले लेख के माध्यम से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने वैश्विक राजनीति, अमेरिका की रणनीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। लेख में दावा किया गया है कि इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले न केवल वैश्विक शांति के लिए खतरा हैं, बल्कि इससे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

संजय राउत ने अपने लेख में तर्क दिया है कि युद्ध अक्सर राजनीतिक उद्देश्यों को साधने का एक जरिया मात्र होता है। उन्होंने इस संघर्ष की तुलना 1950 में तिब्बत पर चीन के कब्जे से करते हुए कहा कि जिस तरह माओ त्से तुंग ने आजादी के नाम पर तिब्बत पर नियंत्रण किया, उसी तरह आज अमेरिका और इजरायल तानाशाही से मुक्ति के नाम पर ईरान में अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों को साध रहे हैं। लेख में विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नीतियों को इस युद्ध का जनक बताया गया है। सबसे कड़ा प्रहार भारत की विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किया गया है। शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि इस वैश्विक संकट के दौरान भारत की कूटनीतिक उपस्थिति अत्यंत कमजोर और मौन रही है। लेख में तंज कसते हुए कहा गया कि जिस नेतृत्व को विश्व स्तर पर मजबूत बताया जाता है, वह इस संघर्ष को रोकने में विफल रहा है। फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा का उल्लेख करते हुए लेख में कहा गया कि उस यात्रा के बाद क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ गया, लेकिन भारत की ओर से शांति की कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी। लेख का निष्कर्ष यह है कि शक्तिशाली देश अपने स्वार्थ के लिए युद्ध का सहारा ले रहे हैं, लेकिन जिन्हें कमजोर समझा गया, वे उम्मीद से कहीं अधिक कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। लेख के अनुसार, पश्चिमी देशों का यह अनुमान गलत साबित हुआ कि ईरान को आसानी से घुटनों पर लाया जा सकता है। संजय राउत ने लिखा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की शहादत और कई सैन्य अधिकारियों के मारे जाने के बावजूद ईरान ने हार नहीं मानी है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव पर हुए मिसाइल हमलों और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान ने झुकने से साफ इनकार कर दिया है। लेख में गाजा पट्टी में हो रही नागरिकों और बच्चों की मौतों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे मानवता के लिए एक बड़ा संकट करार दिया गया है।

जंग के बीच भारत ने तेज किया नागरिकों का रेस्क्यू, 52 हजार स्वदेश लौटे, 100 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध की बदलती परिस्थितियों के बीच भारत सरकार ने अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी है। विदेश मंत्रालय ने क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों से अपील की है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी दिशानिर्देशों और भारतीय मिशनों की सलाह का कड़ाई से पालन करें। भारत सरकार सहायता की जरूरत वाले हर नागरिक तक पहुंचने के लिए संबंधित देशों की सरकारों के साथ निरंतर समन्वय कर रही है। शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह क्षेत्र की उभरती स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि क्षेत्र के हवाई क्षेत्र के आंशिक रूप से खुलने के बाद अब तक 52,000 से अधिक भारतीय सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं।

पश्चिम एशिया में सुरक्षा की स्थिति फिलहाल अत्यंत अनिश्चित बनी हुई है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरानी ठिकानों पर की जा रही बमबारी और तेहरान की ओर से अमेरिकी व इजराइली ठिकानों पर किए जा रहे जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। भारतीयों की सहायता के लिए वहां स्थित भारतीय दूतावासों ने 24 घंटे चालू रहने वाली हेल्पलाइन नंबर भी स्थापित किए हैं। इस भीषण संघर्ष का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात पर पड़ा है। शनिवार को दिल्ली और मुंबई के हवाई अड्डों पर कम से कम 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, मुंबई हवाई अड्डे से 35 प्रस्थान और 36 आगमन उड़ानें रद्द रहीं, जबकि दिल्ली हवाई अड्डे से 22 प्रस्थान और 17 आगमन उड़ानों को निरस्त करना पड़ा। दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डीआईएएल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यात्रियों को सूचित किया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण पश्चिम की ओर जाने वाली उड़ानों में देरी या समय-सारणी में बड़े बदलाव हो सकते हैं। ज्ञात हो कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष ने वैश्विक नागरिक उड्डयन को बुरी तरह प्रभावित किया है। सुरक्षा कारणों से पश्चिम एशिया के कई हवाई क्षेत्रों को बंद कर दिया गया है, जिसके चलते एयरलाइन कंपनियां या तो बहुत सीमित संख्या में उड़ानें संचालित कर रही हैं या लंबे वैकल्पिक रास्तों का उपयोग कर रही हैं। भारत सरकार की प्राथमिकता अब युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे बाकी भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले व्यवधानों को कम करने की है।

डिजिटल समावेशन :डिजिटल युग में भारत का सशक्तीकरण

बिहान भारत

भारत का डिजिटल रूपांतरण जनसंख्या के लिहाज से वैश्विक स्तर पर कनेक्टिविटी और प्रौद्योगिकी-सक्षम सार्वजनिक सेवा प्रदायगी के सबसे बड़े विस्तारों में से एक का प्रतीक है। साल 2015 में आरंभ किए गए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम में निहित इस रणनीति का केंद्र प्रत्येक नागरिक के लिए डिजिटल अवसंरचना को एक मूलभूत उपयोगिता के रूप में विकसित करना, डिजिटल विभाजन को पाटना, मांग के अनुरूप शासन और सेवाएं उपलब्ध कराना तथा डिजिटल पहुंच के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाना रहा है।

एक दशक पहले तक भारत में डिजिटल विभाजन काफी स्पष्ट और गहरा था। हाई-स्पीड इंटरनेट मुख्यतः शहरी क्षेत्रों तक सीमित था, ग्रामीण संपर्क (कनेक्टिविटी) सीमित था, और ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच स्थान, आय और डिजिटल साक्षरता पर निर्भर करती थी। इन वर्षों के दौरान निरंतर सार्वजनिक निवेश के माध्यम से ब्रॉडबैंड नेटवर्क का विस्तार किया गया और व्यापक ऑप्टिकल फाइबर अवसंरचना की ओर रुख किया गया, जिससे गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी की पहुंच और गुणवत्ता, दोनों में सुधार हुआ।

आज यह विभाजन तेजी से संकरा होता जा रहा है। किफायती डाटा, सहायक डिजिटल पहुंच केंद्रों और परस्पर संचालित सार्वजनिक प्लेटफॉर्मों के माध्यम से नागरिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने, डिजिटल भुगतान करने, ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने और शासन में भागीदारी करने में सक्षम हो रहे हैं। जो पहल किसी समय में एक कनेक्टिविटी मिशन के रूप में शुरू हुई थी, वह अब एक व्यापक सशक्तीकरण यात्रा में विकसित हो चुकी है—जो हर बीतते वर्ष के साथ अधिक से अधिक भारतीयों को डिजिटल मुख्यधारा से जोड़ रही है।

भारत की डिजिटल अवसंरचना का निर्माण

भारत की डिजिटल रीढ़ उसके उस प्रयास का आधार है जिसके माध्यम से विशाल जनसंख्या के पैमाने पर डिजिटल विभाजन को पाटने का लक्ष्य रखा गया है। यह तीन परस्पर जुड़े स्तंभों के माध्यम से संचालित होती हैः सार्वभौमिक संपर्क अवसंरचना, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) और कंप्यूटिंग क्षमता। ये स्तंभ मिलकर सुनिश्चित करते हैं कि पहुंच, सेवाएं और प्रौद्योगिकीय क्षमता एक साथ विकसित हों। यह समेकित दृष्टिकोण कनेक्टिविटी को डिजिटल अर्थव्यवस्था में सार्थक भागीदारी में परिवर्तित करने में सक्षम बनाता है।

सार्वभौमिक डिजिटल संपर्क और किफायती मूल्यों पर उपलब्धता

सार्वभौमिक डिजिटल संपर्क और किफायती मूल्यों पर उपलब्धता (एक्सेस) भारत की डिजिटल क्रांति की आधारशिला है, जो प्रत्येक नागरिक के लिए समावेशी विकास, बेहतर शासन, आर्थिक अवसरों और सामाजिक सशक्तीकरण को आगे बढ़ाती है।

- इसके केंद्र में भारतनेट (वर्ष 2011 में लॉन्च) के तहत ऑप्टिकल फाइबर का व्यापक विस्तार है, जो हाई-स्पीड इंटरनेट को ग्रामीण भारत तक पहुंचाता है। वर्ष 2026 की शुरूआत तक 2.15 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को जोड़ा जा चुका है, जबकि देशभर में ऑप्टिकल फाइबर केबल का विस्तार वर्ष 2019 के 19.35 लाख रूट कि.मी. से बढ़कर वर्ष 2025 में 42.36 लाख रूट कि.मी. हो गया है, जिससे एक सुदृढ़ डिजिटल रीढ़ का निर्माण हुआ है जो शहरी-ग्रामीण अंतर को कम करती है और दूरस्थ क्षेत्रों तक विश्वसनीय कनेक्टिविटी उपलब्ध करवाती है। फाइबर के पूरक के रूप में, भारत का अत्यंत तेज 5जी नेटवर्क अब (दिसंबर 2025 तक) 5.18 लाख से अधिक बेस ट्रांसीवर स्टेशनों के माध्यम से देश के 99.9% जिलों को कवर कर रहा है, जिससे हर जगह अति-तेज मोबाइल ब्रॉडबैंड उपलब्ध हो रहा है। दूरसंचार अधिनियम 2023 के अंतर्गत अवसंरचना स्वीकृति की प्रक्रिया को तेज करने, स्वदेशी 4जी/5जी प्रौद्योगिकी तथा नेशनल ब्रॉडबैंड मिशन के समर्थन से ये प्रयास कनेक्टिविटी को एक विलासिता से बदलकर एक आवश्यक अधिकार में परिवर्तित कर रहे हैं।
- किफायती दरों ने इस परिवर्तन में निर्णायक भूमिका निभाई हैः डेटा लागत वर्ष 2014 में 269/जीबी से घटकर वर्ष 2025झ2026 में लगभग 8झ10 प्रति जीबी (लगभग $0.10) हो गई है, जिससे भारत दुनिया के सबसे सस्ते डेटा बाजारों में से एक बन गया है। इस तीव्र गिरावट ने तेज वृद्धि को बढ़ावा दिया है—नवंबर 2025 तक ब्रॉडबैंड सदस्यता की संख्या 1 अरब (100 करोड़ से अधिक) को पार कर गई, जो एक दशक पहले के 13.15 करोड़ की तुलना में छह गुना से अधिक की वृद्धि है।

समग्र रूप से, ऐसे सुधार ग्रामीण समुदायों, किसानों, छात्रों, उद्यमियों तथा वंचित वर्गों को भारत की उभरती डिजिटल अर्थव्यवस्था में पूर्ण रूप से भागीदारी करने के लिए सशक्त बना रहे हैं और साथ ही पहुंच (एक्सेस) से संबंधित अंतराल को व्यवस्थित रूप से कम करते हुए ग्रामीण तथा वंचित समुदायों को भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में एकीकृत कर रहे हैं।

डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई): समावेशी सेवाओं को सक्षम बनाना

- जैसे-जैसे डिजिटल कनेक्टिविटी विशाल जनसंख्या तक पहुंच रही है, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) यह सुनिश्चित करता है कि इंटरनेट उपलब्धता का अर्थ हो एक विश्वसनीय, परस्पर-संचालित और नागरिक-केंद्रित सेवा—जो बुनियादी संपर्क को शासन, वित्त और दैनिक जीवन के लिए वास्तविक सशक्तीकरण में बदल सके। भारत का मूलभूत डीपीआई पारिस्थितिकी तंत्र सार्वभौमिक डिजिटल पहचान, निर्बाध भुगतान और सुरक्षित डॉक्यूमेंट एक्सेस जैसी आधारभूत परतें उपलब्ध कराता है, जिससे सेवाओं को ग्रामीण, निम्न-आय और वंचित समुदायों के लिए समावेशी बनाकर डिजिटल विभाजन को प्रत्यक्ष रूप से कम किया जा रहा है। आधार के माध्यम से फरवरी 2026 तक 143 करोड़ से अधिक विशिष्ट डिजिटल पहचान संख्याएं जारी की जा चुकी हैं, जिससे लक्षित कल्याण प्रदायगी, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तथा सरकारी और वित्तीय सेवाओं तक सुगम पहुंच संभव हुई है—यहां तक कि उन लोगों के लिए भी, जो पहले औपचारिक पहचान के अभाव में इनसे वंचित रह जाते थे।
- जनवरी 2026 के आंकड़ों के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लगभग 21.7 अरब लेनदेन के साथ प्रति माह करीब 28.33 लाख करोड़ के लेनदेन का संचालन कर रहा है, जिससे देशभर में किफायती और रियल-टाइम डिजिटल भुगतान संभव हो रहे हैं। मोबाइल फोन से शून्य-लागत अंतरण की सुविधा के जरिए यह शहरी-ग्रामीण तथा आय संबंधी अंतरालों को पाटते हुए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रहा है।
- डिजिलॉकर के फरवरी 2026 तक 62 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं, जो स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और कल्याण जैसे क्षेत्रों में आधिकारिक दस्तावेजों के सुरक्षित एवं कागजरहित भंडारण तथा साझाकरण की सुविधा प्रदान करता है—इससे कागजी कार्यवाही से जुड़ी बाधाएँ समाप्त हो जाती हैं और नागरिक कहीं भी, कभी भी दस्तावेजों की तत्काल एवं विश्वसनीय उपलब्धता के माध्यम से सशक्त होते हैं।

सामूहिक रूप से, डीपीआई के ये स्तंभ मात्र इंटरनेट पहुंच को ठोस सामाजिक और आर्थिक परिणामों में रूपांतरित करते हैं, जिससे निर्बाध सेवा प्रदायगी, गहन वित्तीय समावेशन तथा विश्वसनीय डिजिटल इंटरैक्शन सुनिश्चित होते हैं, जो व्यवस्थित रूप से पहुंच (एक्सेस) संबंधी अंतरालों को कम करते हुए प्रत्येक भारतीय को डिजिटल अर्थव्यवस्था में एकीकृत करते हैं।

हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) और क्लाउड अवसंरचना

- हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) और डेटा सेंटर भारत के डिजिटल परिवर्तन के प्रमुख सक्षम कारक हैं, जो देश को बुनियादी संपर्क से नवाचार-आधारित समावेशन की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। नेशनल सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम)—जिसका संयुक्त नेतृत्व इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग कर रहे हैं—के अंतर्गत देशभर के विभिन्न संस्थानों में 44 पेटाफ्लॉप्स की संयुक्त क्षमता वाले 38 सुपरकंप्यूटर स्थापित किए जा चुके हैं। महानगरीय केंद्रों से आगे उन्नत कंप्यूटिंग अवसंरचना का विस्तार करते हुए एचपीसी विश्वविद्यालयों, स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं और उद्योगों के लिए विश्वस्तरीय संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित करता है, जिससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु मॉडलिंग, जैव प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों को समर्थन मिल रहा है।
- एचपीसी के पूरक के रूप में, भारत का क्लाउड और डेटा सेंटर पारिस्थितिकी तंत्र भी डिजिटल शासन तथा एआई-रेडी अवसंरचना को समर्थन देने के लिए तीव्र गति से विस्तार कर रहा है। मेघराज (जीआई क्लाउड) के माध्यम से 2,170 से अधिक मंत्रालय और विभाग सुरक्षित एवं स्केलेबल सरकारी क्लाउड प्लेटफॉर्मों पर अपनी एप्लीकेशंस संचालित कर रहे हैं। लगभग 1,280 मेगावाट की कुल डेटा सेंटर क्षमता के साथ, इसके वर्ष 2030 तक 4झ5 गुना बढ़ने का अनुमान है। भारत अपनी डिजिटल अवसंरचना को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित कर रहा है, जिससे उच्च-स्तरीय कंप्यूटिंग संसाधन प्रत्यक्ष तौर पर डिजिटल विभाजन को कम करने और उन्नत प्रौद्योगिकियों तक समावेशी पहुंच सुनिश्चित करने में योगदान दे सकें।

भारत द्वारा डिजिटल अवसंरचना, परस्पर-संचालित (इंटरऑपरेबल) प्लेटफॉर्म और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग में किए गए निवेश ठोस प्रभाव उत्पन्न कर रहे हैं—जिससे सेवा प्रदायगी, वित्तीय समावेशन, अनुसंधान क्षमताओं और नवाचार के अवसरों में वृद्धि हो रही है। मापनीय परिणामों और समान पहुंच पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश कनेक्टिविटी को क्षमता में रूपांतरित कर रहा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि डिजिटल विकास का लाभ सभी नागरिकों तक पहुंचे, जिनमें ग्रामीण और वंचित समुदाय भी शामिल हों।

भारत के लिए एक समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण

भारत का डिजिटल रूपांतरण केवल कनेक्टिविटी के विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक नागरिक डिजिटल अर्थव्यवस्था में सार्थक रूप से भाग ले सके। एक समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए केवल अवसंरचना पर्याप्त नहीं है; इसके लिए स्थानीय सेवा पहुंच केंद्र, व्यापक डिजिटल साक्षरता, किफायती इंटरनेट, उन्नत कौशल विकास तथा नवाचार और उद्यमिता के अवसर भी आवश्यक हैं।

अंतिम छोर तक सेवा प्रदायगी को क्षमता विकास और बाजार संपर्क के साथ जोड़ते हुए ये पहलें डिजिटल पहुंच को वास्तविक सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण में परिवर्तित कर रही हैं, जो ग्रामीण और शहरी भारत, दोनों में प्रभावी रूप से दिखाई दे रहा है।

डिजिटल साक्षरताः कौशल और अवसरों का निर्माण

भारत ने समावेशी शासन और नागरिक सशक्तीकरण के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग में स्वयं को वैश्विक नेता के रूप में स्थापित किया है। समान विकास के लिए डिजिटल साक्षरता को अनिवार्य मानते हुए, सरकार ने ग्रामीण जनसंख्या पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (एनडीएलएम) या डिजिटल साक्षरता अभियान (डीआईएसएचए) (2014झ2016) के माध्यम से प्रारंभिक प्रयासों में 52.50 लाख लक्षित व्यक्तियों के मुकाबले 53.67 लाख लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें लगभग 42% ग्रामीण क्षेत्र के थे। इस सफलता के आधार पर, प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीडीआईएसएचए), जो 2017 में स्वीकृत हुआ, ने 6 करोड़ ग्रामीण परिवारों (प्रत्येक परिवार में एक व्यक्ति) को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा। मार्च 2024 तक, इसने 6.39 करोड़ व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने की उपलब्धि हासिल की, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े ग्रामीण डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों में से एक बन गया और ऑनलाइन सेवाओं तथा वित्तीय समावेशन तक पहुंच का विस्तार हुआ।

इस आधार को संस्थागत स्तर पर और भी मजबूत किया गया है। साल 2009 में शुरू किए गए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन (एनएमईआईसीटी) ने उच्च शिक्षा में अंतराल को पाटते हुए ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, वर्चुअल लैब्स और डिजिटल संसाधनों का विस्तार किया, जिससे दूरस्थ कैंपस भी गुणवत्ता और पहुंच (एक्सेस) में प्रमुख संस्थानों के बराबर हो गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, स्कूल और उच्च शिक्षा में डिजिटल साक्षरता को मुख्यधारा में लाते हुए, मिश्रित शिक्षा (ब्लेंडेड लर्निंग), डिजिटल पुस्तकालय, एआई-सक्षम उपकरण और शिक्षक प्रशिक्षण को एकीकृत करके वास्तव में एक समान और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली का निर्माण करके इस प्रगति को और गति प्रदान कर रही है। एनईपी के तहत राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म, जैसे दीक्षा (डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग) और स्वयं (स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव-लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स), बड़े पैमाने पर डिजिटल पाठ्यक्रमों और प्रमाणपत्रों के माध्यम से स्कूल और उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच को लोकतांत्रिक बना रहे हैं। इस समावेशन को पहुंच से अवसर तक बढ़ाते हुए, इनोवेशन इन साइंस पर्स्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च (इंस्पायर) अवार्ड्स झ मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज (मानक) कार्यक्रम कक्षा 6झ10 के छात्रों में बुनियादी स्तर पर एसटीईएम नवाचार को पोषित करता है, जिसमें लड़कियों और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की मजबूत भागीदारी है। ये पहलें सामूहिक रूप से केवल कनेक्टिविटी से आगे बढ़कर, क्षमता विकास की दिशा में काम कर रही हैं—जिससे डिजिटल शिक्षा समावेशी प्रतिनिधित्व, नवाचार और भविष्य के लिए तैयार कौशल में परिवर्तित होती है।

समावेशी डिजिटल शिक्षाः स्कूल से उच्च शिक्षा तक

- स्कूली शिक्षा और शिक्षक प्रशिक्षण के लिए दीक्षा (डीआईकेएसएचए) में 19,698 से अधिक पाठ्यक्रम हैं, जिनमें वर्ष 2025झ26 में 18.23 करोड़ नामांकन और 14.57 करोड़ पूर्णताएँ (पाठ्यक्रम पूर्ण होना) दर्ज की गईं। यह बहुभाषी, संवादपूर्ण सामग्री प्रदान करता है, जिसमें एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें और एआई-सक्षम संसाधन शामिल हैं।
- स्वयं उच्च शिक्षा के लिए प्रमुख संस्थानों से 18,500 से अधिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसने 6.1 करोड़ से अधिक नामांकन दर्ज किए हैं, 53.7 लाख प्रमाणपत्र प्रदान किए हैं, और इसकी लोकप्रियता लगातार बनी हुई है, जिसमें जनवरी 2026 में लगभग 50 लाख नामांकन शामिल हैं।
- वर्ष 2008 में शुरू हुआ इंस्पायर-मानक, हर साल एक लाख छात्र-आइडियाज का चयन करता है और जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर मेंटरिंग के साथ 10,000 के प्रोटोटाइप अनुदान प्रदान करता है। वर्ष 2025झ26 में इसने 11.47 लाख आइडियाज जुटाए, जिनमें 52% लड़कियों से और 84% ग्रामीण स्कूलों से थे। अब तक इसने 1,40,316 छात्रों को समर्थन प्रदान किया है, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की मजबूत भागीदारी रही है।

इसके अतिरिक्त, भारत का डिजिटल रूपांतरण अधिकार-आधारित और सुलभ भी है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की सुलभता अनिवार्य करता है, जबकि यूनिक डिसेबिलिटी आईडी (वङ्मक्ष्) योजना ने 1,34,73,833 डिजिटल दिव्यांगता कार्ड जारी किए हैं (8,906,328 पुरुष; 4,565,166 महिलाएँ; 2,338 अन्य), जिनके जरिए देशभर में कल्याण लाभों तक पहुंच को सुव्यवस्थित किया गया है। इसके पूरक रूप में, इंडियन साइन लैंग्वेज रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर ने दुनिया की सबसे बड़ी इंडियन साइन लैंग्वेज डिजिटल रिपॉजिटरी विकसित की है, जिसमें 3,189 ई-कंटेंट वीडियो शामिल हैं, जिनमें 100 एसटीईएम शब्द और 18 नेशनल बुक ट्रस्ट के शीर्षक आईएसएल प्रारूप में हैं। यह पहल सुलभ शिक्षा का विस्तार करती है और सुनिश्चित करती है कि डिजिटल समावेशन अधिकार-आधारित और डेटा-संचालित बना रहे।

भारत की व्यापक डिजिटल साक्षरता पारिस्थितिकी तंत्र—पीएमजीडीआईएसएचए, दीक्षा और स्वयं से लेकर इंस्पायर-मानक के बुनियादी स्तर पर एसटीईएम सशक्तीकरण और दिव्यांगजनों के लिए अधिकार-आधारित सुलभता तक—ने कनेक्टिविटी को वास्तविक क्षमता, अवसर और समावेशन में बदल दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों, लड़कियों, वंचित समुदायों और कम सेवा प्राप्त समूहों को प्राथमिकता देते हुए, ये पहलें प्रभावी रूप से डिजिटल विभाजन को पाट रही हैं और प्रत्येक भारतीय को डिजिटल-प्रथम अर्थव्यवस्था में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल, पहुंच और आत्मविश्वास प्रदान कर रही हैं। यह नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण भारत को एक वैश्विक मॉडल के रूप में स्थापित करता है, जहाँ एक ऐसा समान और समावेशी डिजिटल रूपांतरण सुनिश्चित किया गया है, जिसमें कोई भी पीछे न छूटे।

कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी): अंतिम छोर तक डिजिटल पहुंच

- डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत, सीएससी सहायक डिजिटल पहुँच केंद्र के रूप में कार्य करते हैं, जो ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अंतिम छोर तक सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति करके डिजिटल विभाजन को पाटते हैं। 6.5 लाख से अधिक ग्रामीण स्तर के उद्यमियों द्वारा संचालित, सीएससी उन नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण भौतिकझडिजिटल इंटरफेस का काम करते हैं जिनके पास उपकरण, विश्वसनीय कनेक्टिविटी या पर्याप्त डिजिटल साक्षरता नहीं है। इससे आवश्यक ऑनलाइन सेवाओं तक समावेशी पहुंच सुनिश्चित होती है। गाँव स्तर की संस्थाओं—जैसे सहकारी समितियों—में डिजिटल प्लेटफॉर्म को एकीकृत करके सीएससी पहुँच संबंधी बाधाओं को व्यवस्थित रूप से कम करते हैं, वित्तीय समावेशन को बढ़ाते हैं और डिजिटल सशक्त जीवनयापन के अवसर उत्पन्न करते हैं और इस प्रकार कनेक्टिविटी को बुनियादी स्तर पर ठोस सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण में बदलते हैं।

ग्रामीण आर्थिक एकीकरण को सक्षम बनाता डिजिटल समावेशन

- जनवरी 2026 तक, 23 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में 1.79 करोड़ किसान और 1,522 मंडियां राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-एनएएम) के अंतर्गत डिजिटल रूप से जुड़े हुए हैं। वर्ष 2024झ25 में इसने 2.04 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक की लेन-देन मात्रा दर्ज की, जिससे मूल्य निर्धारण और बाजार तक पहुंच में सुधार हुआ।
- दीनदयाल अंत्योदय योजनाझराष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के तहत 1.49 लाख बैंकिंग कॉरस्पोंडेंट (बीसी सखी) और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) के तहत 99% इलेक्ट्रॉनिक वेतन भुगतान आय का सीधा प्रवाह सुनिश्चित करते हैं।
- प्रधानमंत्री आवास योजनाझग्रामीण (पीएमएवाईझजी) और राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) जैसे कार्यक्रम पारदर्शी और समयोचित लाभ प्रदायगी के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं।

पीएम-वाणीः भारत के लिए किफायती वाई-फाई

- पीएमझवाणी (प्रधानमंत्री वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस) दिसंबर 2020 में लॉन्च किया गया था और इसका उद्देश्य सस्ती और हाई-स्पीड सार्वजनिक इंटरनेट कनेक्टिविटी, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में, प्रदान करना है। यह योजना सार्वजनिक डेटा ऑफिस (पीडीओ) के माध्यम से विकेंद्रीकृत, लाइसेंस-मुक्त सार्वजनिक वाई-फाई मॉडल को प्रोत्साहित करती है, स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देती है और ब्रॉडबैंड पहुँच का विस्तार करती है। फरवरी 2026 तक, पूरे देश में 4,09,111 वाई-फाई हॉटस्पॉट तैनात किए जा चुके हैं, जिनका समर्थन 207 पीडीओ एग्रीगेटर और 113 ऐप प्रदाता कर रहे हैं। स्थानीय रूप से संचालित वाई-फाई एक्सेस पॉइंट के माध्यम से कम लागत वाले इंटरनेट एक्सेस को सक्षम बनाकर, पीएमझवाणी डिजिटल विभाजन को पाटने और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अंतिम छोर तक पहुंच, साक्षरता कार्यक्रमों और सस्ते इंटरनेट को बाजार और सामाजिक योजनाओं से जोड़ने वाले प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत करने से ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ होती है, समय पर लाभ प्रदायगी सुनिश्चित होती है और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में समावेशी भागीदारी को प्रोत्साहन मिलता है।

भविष्य-उन्मुख भारत के लिए डिजिटल कौशल विकास

भारत सरकार डिजिटल समावेशन को केवल पहुँच तक सीमित रखने के बजाय, उन्नत क्षमता विकास में बदल रही है, जिससे सभी नागरिकों के लिए समान अवसर सुनिश्चित होते हैं। समेकित कौशल विकास, नवाचार और उद्यमिता पहलों के माध्यम से, भारत अपने युवा वर्ग को नवाचार करने, रोजगार सृजित करने और शहरी तथा ग्रामीण भारत में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में सक्षम बना रहा है।

अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) ने 722 जिलों में 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) स्थापित की हैं, जिनसे 1.1 करोड़ छात्र जुड़े हैं, और दिसंबर 2025 तक 50,000 और एटीएल स्थापित करने की योजना बनाई जा चुकी है। छात्रों ने 16 लाख से अधिक नवाचार परियोजनाएँ विकसित की हैं, जिससे उन्हें रोबोटिक्स, एआई तथा आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ है और एक तकनीकी दृष्टि से प्रवीण पीढ़ी के लिए आधार तैयार हुआ है।

फ्यूचरस्किल्स प्राइम, जिसे इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और नासकॉम द्वारा संचालित किया जा रहा है, में 29 लाख उम्मीदवार पंजीकृत हैं। इनमें 17.9 लाख नामांकन और 7 लाख से अधिक यूनीक बैज होल्डर शामिल हैं, जिनमें 41% महिलाएँ हैं। यह कार्यक्रम, जिसे यूरोपीय आयोग की पैक्ट फॉर स्किल्स रिपोर्ट 2024 में वैश्विक स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त है, सीखने वालों को एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स में उद्योग-संगत कौशल से युक्त बनाता है।

- इंडिया एआई मिशन, 10,300 करोड़ के बजट के साथ, 38,000 जीपीयू परिचालित कर चुका है (साथ ही, और 20,000 नियोजित हैं) तथा 65/घंटे की रियायती दर पर कम्प्यूटिंग प्रदान करता है। इंडिया एआई कोष में 20 क्षेत्रों में 9,500+ डेटा सेट और 273 एआई मॉडल हैं, जो देशभर के स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों को समर्थन प्रदान करते हैं।
- स्टार्टअप इंडिया के तहत, मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या वर्ष 2016 में 400 से बढ़कर वर्ष 2025 में 2 लाख से अधिक हो गई है, जिससे 21 लाख नौकरियाँ उत्पन्न हुई हैं। अब 50% स्टार्टअप्स टियर-क्क और टियर-क्क्क शहरों में संचालित हो रहे हैं, जिससे नवाचार का विकेंद्रीकरण होता है और स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। निधि (एनआईडीएचआई) कार्यक्रम और अटल इनक्यूबेशन सेंटर्स (एआईसी) प्रारंभिक चरण के उपक्रमों तथा समावेशी उद्यमिता का समर्थन करते हैं। हालिया विस्तार में 8 नए इंक्ल्यूसिव टीबीआई (आईटीबीआई) और 10 एंटरप्रेन्योर-इन-रेजिडेंस सेंटर्स शामिल हैं, जबकि 72 एआईसी ने 3,500+ स्टार्टअप्स को पोषित किया, 32,000+ नौकरियाँ सृजित कीं और 1,000+ महिला-प्रमुख उद्यमों को समर्थन दिया, जो 6,200+ मेंटर्स ऑफ चेंज द्वारा समर्थित थे।

कुल मिलाकर, ये शक्तिशाली पहलें यह प्रमाणित करती हैं कि भारत में डिजिटल समावेशन केवल उपकरण और डेटा तक सीमित नहीं है—यह क्षमताओं का विकास करने, अवसर सृजित करने और हर गाँव तथा नगर तक विकास पहुँचाने से संबंधित है। कनेक्टिविटी को कौशल विकास, प्लेटफॉर्म और स्टार्टअप समर्थन के साथ जोड़कर, भारत एक अटूट, समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर रहा है जो व्यापक प्रगति को गति देता है और देश को समान अवसरों पर आधारित नवाचार में वैश्विक प्रेरक शक्ति के रूप में स्थापित करता है।

निष्कर्ष

भारत के पिछले एक दशक के डिजिटल रूपांतरण ने प्रौद्योगिकी, शासन, शिक्षा और आर्थिक अवसरों तक पहुंच को बुनियादी तौर पर पुनः आकार कर दिया है। सार्वभौमिक संपर्क, सुदृढ़ डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) और उन्नत कंप्यूटिंग क्षमता के संयोजन के माध्यम से शहरी, ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिक अब देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), पीएमजीडीआईएसएचए, पीएमझवाणी जैसे कार्यक्रमों तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों और एसटीईएम में महिलाओं के लिए लक्षित पहलों ने कनेक्टिविटी को ठोस सामाजिक-आर्थिक परिणामों में परिवर्तित किया है, जिससे व्यक्तियों को सशक्त बनाने और स्थानीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में सहायता मिली है।

समान रूप से महत्वपूर्ण है युवाओं, स्टार्टअप्स और डीप-टेक क्षेत्रों पर दिया गया ध्यान, जो यह सुनिश्चित करता है कि डिजिटल समावेशन केवल पहुंच तक सीमित न रहकर कौशल, उद्यमिता और उच्च मूल्य वाले रोजगार के लिए मार्ग भी तैयार करे। शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और उद्यमिता को विविध भौगोलिक क्षेत्रों में एकीकृत करते हुए भारत न केवल डिजिटल विभाजन को पाट रहा है, बल्कि समावेशी विकास, समान अवसरों और एक सुदृढ़ ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दे रहा है। यह बहु-स्तरीय दृष्टिकोण डिजिटल युग में सतत सशक्तीकरण की बुनियाद रखता है, जिससे कोई भी नागरिक पीछे न छूटे।

टी-20 विश्व कप : सबसे तेज शतक लगाने वालों में फिन एलेन सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप में तेज शतक लगाने वालों में अगर छह लोगों की सूची देखा जाए तो उसमें कोई भी भारतीय नहीं है। इस सूची में एक समय पर क्रिस गेल का दबदबा था। जो इस विश्वकप में टूट गया है। 22 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सिर्फ 45 गेंदों में शतक जड़ दिया और 48 गेंदों में 105 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस प्रदर्शन के साथ बेथल टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इससे पहले न्यूजीलैंड के फिन एलेन ने विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में सिर्फ 33 गेंदों में शतक बनाकर यह टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक दर्ज किया था। इस कारनामे के दौरान वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने साल 2016 के टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों में शतक लगाया था, जिसे अब बेथल ने पीछे छोड़ दिया।

टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में क्रिस गेल की छाप अब भी बनी हुई है। गेल ने साल 2016 में 47 गेंदों में शतक लगाया और साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जमाया था। उनके शतक में 57 गेंदों में 10 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिससे उन्हें यूनिवर्स बॉस का खिताब भी मिला।

इस सूची में पांचवें स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक का नाम है, जिन्होंने 2026 टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 50 गेंदों में शतक बनाया। वहीं, छहवें नंबर पर न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैक्कुलम का नाम है, जिन्होंने साल 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 51 गेंदों में शतक जड़ा था।

जैकब बेथल का यह रिकॉर्ड उनके युवा करियर की एक और बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। इस शतक ने न केवल टीम इंग्लैंड को सेमीफाइनल में मजबूती दी, बल्कि टी-20 विश्व कप के इतिहास में बेथल का नाम भी सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में अमर कर दिया। उनके खेल से यह साफ हो गया है कि युवा खिलाड़ी बड़े मुकाबलों में दबाव में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले टॉप-6 बैटर

फिन एलेन- 33 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2026)

जैकब बेथल-45 गेंदों में बनाम भारत (2026)

क्रिस गेल-47 गेदों में बनाम इंग्लैंड (2016)

क्रिस गेल-50 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2007)

हैरी ब्रुक- 50 गेदों में बनाम पाकिस्तान (2026)

ब्रैंडन मैक्कुलम- 51 गेंदों में बनाम बांग्लादेश (2012)

फीफा विश्व कप 2026 के लिए मेक्सिको में 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने घोषणा की है कि इस वर्ष होने वाले 2026 फीफा विश्व कप 23वां फीफा विश्व कप होगा जो कि फुटबॉल का एक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट है. के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडालाजारा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि देश विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शीनबाम ने कहा कि सरकार जलिस्को और पूरे देश के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विश्व कप के दौरान मेक्सिको आने वाले लाखों दर्शकों और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाएगा।

यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में एक सैन्य अभियान में कुख्यात कार्टेल सरगना की मौत के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा बढ़ गई है। 22 फरवरी को उसकी मौत के बाद जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के सदस्यों ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कों को जाम किया और कई वाहनों में आग लगा दी। सुरक्षा योजना के तहत 20,000 सैनिकों और 55,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा निजी सुरक्षा कंपनियों के कर्मियों को भी शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 2,500 सैन्य और नागरिक वाहन, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और विस्फोटक व अन्य संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों की मदद ली जाएगी।

मेक्सिको के सैन्य अधिकारी को इस बड़े सुरक्षा अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मेक्सिको पेश करना है। साथ ही, सरकार को उन खतरों का भी सामना करने के लिए तैयार रहना होगा जो राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जनवरी से विशेष प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और आने वाले हफ्तों में इसे और तेज किया जाएगा। मेक्सिको, यूनाइटेड स्टेट और कनाडा के साथ मिलकर 11 जून से 19 जुलाई तक विश्व कप की सह-मेजबानी करेगा। मेक्सिको में कुल 13 मैच खेले जाएंगे, जिनमें पांच मेक्सिको सिटी में, चार ग्वाडालाजारा में और चार मॉन्टेरी में आयोजित होंगे।

भारतीय वॉलीबॉल के 'गॉड' जिम्मी जॉर्ज : एक ऐसा खिलाड़ी जिसने खेल के लिए छोड़ दिया था मेडिकल करियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वॉलीबॉल आज भी लोकप्रियता के मामले में क्रिकेट और अन्य बड़े खेलों से पीछे है, लेकिन इस खेल को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले एक महान खिलाड़ी का नाम हमेशा याद किया जाता है जिम्मी जॉर्ज। उन्हें भारतीय वॉलीबॉल का ÷गॉड÷ कहा जाता है। उनका जन्म 8 मार्च 1955 को केरल के कन्नूर जिले के पेरवूर में हुआ था। उनके पिता जोसफ जार्ज एक वकील होने के साथ विश्वविद्यालय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी भी थे, जबकि उनकी मां मैरी जॉर्ज थीं। परिवार में खेल का माहौल होने के कारण जिम्मी को बचपन से ही वॉलीबॉल से लगाव हो गया था।

जिम्मी पढ़ाई में भी काफी अच्छे थे और उन्होंने सरकारी कॉलेज में मेडिकल सीट हासिल कर ली थी, लेकिन वॉलीबॉल के प्रति जुनून इतना ज्यादा था कि उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर खेल को ही अपना करियर बना लिया। महज 16 साल की उम्र में वह केरल स्टेट टीम का हिस्सा बन गए थे। कॉलेज के दिनों में उन्होंने कई पुरस्कार जीते और केरला यूनिर्वसिटी की टीम को 1973 से 1976 के बीच लगातार चार ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 1973 में वह टीम के कप्तान भी रहे। साल 1974 में तेहरान में हुए एशियन गेम्स में वह भारतीय राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम का हिस्सा बने। हालांकि भारत उस टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सका, लेकिन 19 वर्षीय जिम्मी जॉर्ज की प्रतिभा ने सभी का ध्यान खींच लिया। 1976 में उन्होंने वॉलीबॉल पर पूरा ध्यान देने के लिए मेडिकल कॉलेज छोड़ दिया और केरल पुलिस में शामिल हो गए।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

– चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के 3 साल पूरे

अहमदाबाद (एजेंसी)। अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे।

भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्रॉफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है तो यह तीन वर्षों में तीसरी बड़ी ट्रॉफी होगी।

टीम की सफलता का श्रेय अक्सर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मिलता है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम तैयार करने में चयनकर्ताओं की भूमिका भी बेहद अहम होती है। अगरकर के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिनके लिए मजबूत विश्वास की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर हार्दिक पाण्डया की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाना एक बड़ा फैसला था।

इसके अलावा वनडे टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने का निर्णय भी काफी संवेदनशील माना गया। इन दोनों मामलों में अगरकर ने आलोचनाओं से बचने की कोशिश नहीं की, बल्कि खुले तौर पर फैसलों का समर्थन किया। उनका मानना था कि टीम चयन केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संतुलन और रणनीतिक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में एस शरत (जिनकी जगह बाद में प्रज्ञान ओझा आए), सुब्रता बनर्जी (जिनकी जगह आरपी सिंह को शामिल किया गया), एसएस दास और अजय रात्रा जैसे सदस्य शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर भारतीय टीम के लिए एक मजबूत और संतुलित संयोजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट : न्यूजीलैंड के रैंडेल ने 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर इतिहास रचा

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के उभरते हुए तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए इस गेंदबाज ने लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया। रैंडेल ने यह उपलब्धि उन्होंने प्लंकेट शील्ड मैच में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ बनाया। एक रिकॉर्ड के अनुसारसाल 1772 में पहला मान्यता प्राप्त फर्स्ट क्लास मैच खेले जाने के बाद से ही अब तक किसी भी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट नहीं लिए थे। ऐसे में रैंडेल यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। रैंडेल ने अपने दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर हैरी कूपर जबकि इसके बाद अगले ओवर की पहली गेंद पर पूर्व टेस्ट बल्लेबाज जीत रावल को आउट कर दिया। इसके बाद लगातार तीन और गेंदों पर तीन विकेट लिए। ऑलराउंडर क्रिस्टीयन क्लार्क का विकेट उनका पांच विकेट था।रैंडेल इस रिकार्ड को बनाने से बेहद खुश नजर आये। उन्होंने कहा कि ये किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने बताया कि उनका ध्यान केवल सही लाइन और लेंथ पर गेंद डालने का था। हैट्रिक के बाद भी वह विकेट लेने पर ध्यान देते रहे। रैंडेल ने अपने अगले ओवर में दो और विकेट लिए। उनकी इस गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की पूरी टीम केवल 82 रन पर ही सिमट गयी।

कनाडा ने शीबिलीव्स कप में अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया

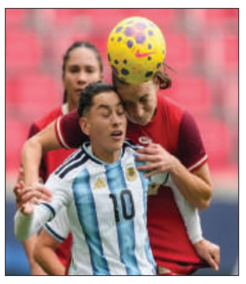

हैरिसन (अमेरिका)। गोलकीपर केलेन शेरिडन ने शुरुआती दो पेनल्टी बचाई जिससे कनाडा ने शीबिलीव्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में गोल रहित ड्रॉ के बाद अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया। जोर्डिन हुइतेमा को पहले हाफ में कनाडा की ओर से गोल दागने का स्वर्णिम मौका मिला था लेकिन अर्जेन्टीना की गोलकीपर सोलाना पेरेरा ने उनके शॉट पर हाथ मार दिया जिसके बाद गेंद क्रॉसबार से टकराकर बाहर चली गई। शीबिलीव्स कप के नए नियमों के अनुसार मैच में अतिरिक्त समय का खेल नहीं होता और नतीजे के लिए सीधे पेनल्टी शूट आउट का सहारा लिया जाता है। शेरिडन ने अर्जेन्टीना के शुरुआती दो प्रयासों को नाकाम किया और कनाडा ने तब जीत सुनिश्चित की जब विरोधी टीम की वेनिना प्रेनिंगर का शॉट क्रॉसबार से ऊपर से बाहर निकल गया।

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

नई दिल्ली । मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नोमेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हराया, मेसी और डी पॉल ने मारा गोल

बाल्टीमोर (एजेंसी)। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल और कप्तान लियो मेसी के गोल की मदद से इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने 3 अंक हासिल किए। मियामी ने 17वें मिनट में डी पॉल की मदद से पहला गोल कर बढ़त बनाई। बर्टेराम ने बाईं ओर से दबाव बनाया और एंडलाइन के पास गेंद पर कब्जा किया, फिर बॉक्स के अंदर सेगोविया के लिए पास वापस किया। फिर सेगोविया ने बॉक्स के दाईं ओर डी पॉल को पाया, जहां एल मोटोरसिटो ने टच लिया और फिर दाएं पैर से टॉप-लेफ्ट कॉर्नर पर हिट किया। यह असिस्ट सेगोविया का इस रेगुलर सीजन का तीसरा असिस्ट था। मेसी ने 27वें मिनट में दूसरा गोल करके इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल से मेसी के इस रेगुलर सीजन में तीन गोल हो गए, जबकि यह असिस्ट सिल्वेटी का पहला गोल था। यह गोल इंटर मियामी के लिए मेसी का 80वां गोल था।

मेजबान टीम की तरफ से दूसरे हाफ में 75वें मिनट में ताई बारिबो ने पहला गोल किया। इंटर मियामी की सीजन में यह लगातार दूसरी जीत है। हेड कोच जेवियर माशेरानो ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहला हाफ बहुत अच्छा था। हमने गेम को नियंत्रित किया, हमने फर्क पैदा किया और मौके बनाए। शायद दूसरे हाफ में हमने ज्यादा संघर्ष किया। मुझे लगता है कि हमें सकारात्मक चीजों को महत्व देना होगा। तीन अवे गेम में, हमने दो जीत हासिल की हैं। सुधार करने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन जीत के बाद सुधार करना हमेशा बेहतर होता है।' इंटर मियामी का अगला मुकाबला बुधवार को कॉनकाकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 के पहले लेग में नैशविले एससी से होगा।

भारत को एएफसी महिला एशियाई कप में जापान ने 11-0 से रौंदा

पर्थ। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शनिवार को यहां एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में पूर्व चैंपियन जापान से 0-11 से करारी हार का सामना करना पड़ा। फीफा महिला विश्व कप के पूर्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान मैच शुरू होने से पहले ही जीत का प्रबल दावेदार था। टीम ने मुकाबले शुरू होते ही अपना दबदबा कायम किया और शुरूआती हाफ में 5-0 की बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल दागे। जापान ने जिस अंदाज में दबदबा बनाया उससे दोनों टीमों के स्तर में भारी अंतर साफ नजर आया और यह भी दिखा कि शीर्ष स्तर की टीमों से मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। 2014 और 2018 के चैंपियन जापान ने मैच में एकतरफा अंदाज में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और अधिकांश समय खेल भारतीय हाफ में ही चला। चार महीने से अंतरराष्ट्रीय मैच खेले बिना टूर्नामेंट में उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में किसी क्लब टीम की तरह संघर्ष करती दिखी। जापान के लिए युजुकी यामामोटो (चौथे मिनट), युई हसेगावा (13वें), हिनाता मियाजावा (20वें, 35वें, 81वें), किको सेइके (45+5वें, 55वें), रिको उईकी (47वें, 50वें, 65वें) और माया हिजिकाता (62वें) ने गोल दागे।

ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में हारे लक्ष्य लक्ष्य, लिन चुन-यी ने दी मात

बर्मिंघम । भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन यहां ऑल इंग्लैंड ओपन के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अपने विरोधी लिन चुन-यी से हार गए। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में फिर से चैंपियन देखने का देश का इंतजार जारी रहा। 24 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन बाएं हाथ के ताइवानी शटलर की चुनौती को पार नहीं कर सके और कड़े खिताबी मुकाबले में 15-21, 20-22 से हार गए। यह सेन की लिन से लगातार पांचवीं हार थी और टूर्नामेंट में दूसरे रनर-अप रहे। उन्होंने 2022 में भी फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन फिनिश लाइन पार नहीं कर सके थे। सेन ने शनिवार को सेमीफाइनल में मुश्किल जीत के दौरान छालों और ऐंठन से जूझते हुए जीत हासिल की। उन्होंने पूरे हफ्ते एक जोशीला अभियान चलाया जिसमें लिन के खिलाफ खिताबी मुकाबले में हारने से पहले कई ऊंची रैंक वाले विरोधियों को हराया। इतिहास में सिर्फ दो भारतीय प्रकाश पादुकोण (1980) और पी गोपीचंद (2001) ने ऑल इंग्लैंड ओपन में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता है।

मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम विश्वकप में भाग नहीं ले पायी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नोमेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने जीत के साथ हीली को दी यादगार विदायी

– एकमात्र गुलाबी टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया

बर्मिंघम (एजेंसी)। पर्थ (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां गुलाबी गेंद से हुए दिन-रात के एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही मेजबान ऑस्ट्रेलयाई टीम ने कप्तान एलिसा हीली को यादगार विदायी दी है। इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली एनेबेल सदरलैंड को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब मिला।

इस मैच में मेजबान टीम हावी रही। भारतीय टीम के लिए केवल राहत की इतनी ही बात रही कि वह फॉलो-ऑन बचाने में सफल रही पर दूसरी पारी में अधिक रन नहीं बना पायी जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 25 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने अच्छी बल्लेबाजी कर तीसरे दिन भारत को 6 विकेट पर 105 रनों से आगे बढ़ाया। प्रतिका और राणा ने शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की। प्रतिका ने अर्धशतक लगाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन बनाये। एश्ले गार्डनर ने राणा को 30 रन पर आउट कर भारतीय टीम को करारा झटका दिया।

इसके बाद भारतीय टीम के निचले क्रम की बल्लेबाज अधिक नहीं खेल पायीं। केवल प्रतिका ही अंत तक खेलती रही। प्रतिका 137 गेंदों में 8 चौके लगाकर 63 रन बनाकर आउट हुई। भारत की पूरी टीम दूसरी पारी में 149 रन ही बना पायी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन जबकि भारतीय टीम ने 198 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबानों को पहली पारी के आधार पर काफी बढ़त मिली हुई थी। इसके बाद जीत के लिए मिले 25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में ही जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर अपनी टीम को 10 विकेट से जीत दिला दी। इस मैच में सदरलैंड छायी रहीं । सदरलैंड ने दोनो पारी को मिलाकर कुल छह विकेट लेने के साथ ही 129 रन भी बनाये।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना महज 4 रन बनाकर आउट हुईं. प्रतीका रावल ने 3 चौकों की मदद से 18 रन बनाने के बाद एनाबेल सदरलैंड का शिकार बनीं।पहली पारी में हैमिल्टन ने भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। जेमिमा रोड्रिग्स ने ही केवल अर्धशतक लगाया। भारतीय टीम पहली पारी में 62.4 ओवर में 198 रन पर आउट हुई एनाबेल ने चार विकेट लिए जबकि लुसी ने तीन विकेट लिए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहीं रही। एलिसा भी सस्ते में आउट हो गईं, लेकिन एलिसे पेरी और एनाबेल ने चौथे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी की। पेरी ने 116 गेंदों में 76 रन बनाए जबकि एनाबेल ने 129 रन की शानदार पारी खेली जिसमें 17 चौके शामिल थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलियाई टीम को 323 रन तक पहुंच गया। वहीं भारतीय टीम की ओर से सयाली सतघरे ने सबसे अधिक चार विकेट लिए।

महिला दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदियों और कैडरों को किया गया सम्मानित

गिफ्ट टू गेन का लक्ष्य-महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना : डीडीसी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ज़िला प्रशासन एवं पलाश के संयुक्त तत्वावधान में गिफ्ट टू गेन थीम के तहत रविवार को सिद्धू कान्हु सभागार में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी दीदियाँ, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मी तथा गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता तथा समाज में उनकी बढ़ती भूमिका को सम्मान देना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था। वहीं उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना केवल एक सामाजिक दायित्व ही नहीं बल्कि एक सशक्त और समृद्ध समाज के निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को उचित अवसर, संसाधन और सहयोग मिलता है तो वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने गिफ्ट टू गेन थीम की व्याख्या करते हुए कहा कि यदि हम समाज में महिलाओं को अवसर और सहयोग देंगे तो निश्चित रूप से समाज को उससे कई गुना अधिक सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। साथ ही उप विकास आयुक्त ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह की दीदियाँ आर्थिक गतिविधियों, स्वरोजगार, कृषि आधारित उद्यम, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण तथा विभिन्न सामाजिक अभियानों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन समूहों के माध्यम से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अपने परिवार के साथ-साथ समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। साथ ही उन्होंने उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड राज्य में पलाश के माध्यम से महिलाओं को संगठित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसके तहत महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आय के स्थायी स्रोत उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता तथा बाजार से जोड़ने की दिशा में भी कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कैडर एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा द्वारा सम्मानित किए गए इन कैडरों और कर्मियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इनके कार्यों से न केवल स्वयं सहायता समूह की गतिविधियों को मजबूती मिली है बल्कि अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा प्राप्त हुई है। साथ ही कार्यक्रम के दौरान स्वयं सहायता समूह की कई दीदियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि किस प्रकार समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि पहले वे आर्थिक रूप से दूसरों पर निर्भर थीं, लेकिन अब वे स्वयं आय अर्जित कर अपने परिवार के खर्चों में सहयोग कर रही हैं। इससे उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई है और समाज में उनकी पहचान भी बनी है। वहीं कार्यक्रम में महिलाओं की उपलब्धियों को विशेष रूप से साझा किया गया तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि यदि महिलाएं संगठित होकर कार्य करें तो वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं और अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

गायत्री शक्तिपीठ में मनाया गया महिला दिवस

नारी सम्मान से ही समाज और संस्कृति का होता है उत्थान : करुणा दीदी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । हमारे पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता अर्थात नारी का सम्मान ही देवी देवता का पूजन है। कहा गया है कि नारी का सम्मान जहां है संस्कृति का उत्थान वहां है। इसलिए हर घर की नारी पूज्य होती है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गायत्री शक्तिपीठ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरीय सदस्य करुणामई भारती ने ये बातें कही। कार्यक्रम की शुरूआत प्रियंका सोनी सरिता पोद्दार एवं निभा देवी ने सामूहिक मातृ वंदना एवं गुरु वंदना के साथ किया। कार्यक्रम को उषा रानी साहा संगीता कुमारी नीलू दीदी आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सामाजिक उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच महिलाओं को सम्मानित भी किया गया इनमें उषा रानी साहा सीता देवी कंचन देवी सविता कुमारी नीलू भारती शामिल हैं। सबों को तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर सामूहिक करतल ध्वनि के साथ सम्मानित किया गया। मौके पर मधु कुमारी, संगीता कुमारी, निभा देवी, रेखा देवी, अनीता देवी, कंचन देवी, डॉ राधा मोहन मंडल, शिवशंकर निराला, निरंजन भारती, अभय कुमार, मनोज कुमार आदि मौजूद थे।

पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ आरोपी को दबोचा

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल थाना क्षेत्र के कछुआ कोला निवासी एक युवक के खिलाफ मोटरसाइकिल चोरी का मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए न केवल चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली, बल्कि आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया। वही राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी से मिली जानकारी अनुसार, एक व्यक्ति ने अपने टंकित आवेदन के आधार पर राजमहल थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। शिकायत के आधार पर राजमहल थाना में कांड संख्या-76/26 धारा 317(2)/317(4) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। वही प्राथमिकी में अब्दुल मोतालिब पिता गुलाब शेख, उम्र 23 वर्ष, निवासी कछुआ कोला, थाना राजमहल, जिला साहेबगंज को आरोपी बनाया गया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपी अब्दुल मोतालिब को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने चोरी की गई मोटरसाइकिल को भी बरामद कर लिया। वही पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने दो प्राथमिकी आरोपित को गिरफ्तार कर भेजा जेल

उधवा(बिभा) । राधानगर थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के आतापुर पंचायत में छापेमारी कर दो प्राथमिकी आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपितों को पुलिस ने रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना कांड संख्या 67/26 धारा-126(2)/115(2)/117(2)/ 109(1)/ 351(2) /3(5) बीएनएस के प्राथमिकी आरोपित विशाल राय एवं कृष्णा राय को गिरफ्तार किया गया है। जिसे रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। छापेमारी दल में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज सहित अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

झारखंड कल्याण मजदूर संघ की हुई बैठक

साहेबगंज(बिभा) । झारखंड मजदूर कल्याण संघ की बैठक रविवार को शहर के अभिनव श्री होटल में आयोजित कि गई। वहीं बैठक में मुख्य रूप से संगठन के केंद्रीय सचिव रामप्रीत शर्मा शामिल हुए। वहीं बैठक में संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लेकर मजदूरों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। वहीं केंद्रीय सचिव ने मौजूद सभी सदस्यों से कहा कि संघ के सदस्य मजदूरों के हित में कार्य करें। मजदूरों को परेशानी नहीं हो, इस बात का ध्यान रखें। साथ ही बैठक में श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, उनके पंजीकरण, पहचान पत्र, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार से जुड़े विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही मजदूरों को संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए जागरूक रहने की अपील की गई। वहीं बैठक के अंत में संगठन को मजबूत बनाने, अधिक से अधिक मजदूरों को जोड़ने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया गया। वहीं बैठक के दौरान सभी सदस्यों को नियुक्ति पत्र का भी वितरण किया गया।

पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

राजमहल(बिभा) । राजमहल थाना क्षेत्र के जामनगर निवासी एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपी की पहचान कृष मंडल उर्फ बिरेन मंडल के रूप में हुई है। जिसकी जानकारी राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने दी उन्होंने कहा कि राजमहल थाना में दर्ज कांड संख्या 66/26 के अनुसार, बीते दिन 1 मार्च को आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 96, 351(2), 352 और 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वही पुलिस ने इस मामले में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए कांड से जुड़ी नाबालिग पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अस्मिता लीग कार्यक्रम का आयोजन

देवघर(बिभा): अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निदेर्शानुसार मेरा युवा भारत देवघर एवं भारतीय खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में केकेएन स्टेडियम देवघर में अस्मिता लीग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. अस्मिता लीग कार्यक्रम के तहत लड़कियों एवं महिलाओं में दौड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंदना झा, जिला ओलंपिक संघ सचिव उपस्थिति रही. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नीतू देवी पूर्व डिप्टी मेयर एवं जिला एथलेटिक्स संघ संयुक्त सचिव, आशीष झा, सचिव जिला खेल प्राधिकरण, पूनम शर्मा वालीबॉल एसोसिएशन, मनोज मिश्रा जिला एथलेटिक संघ सचिव, नवीन शर्मा वालीबाल संघ, जिला युवा अधिकारी क्षितिज, एस ठाकुर, पैरा एथलीट चैंपियन दीपक कुमार, बंटी कुमार, भोला यादव, भूदेव शर्मा इत्यादि उपस्थित रहे. कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत शॉल भेंट करके किया गया.

महिला सशक्तिकरण के संदेश के साथ कसवा पंचायत भवन में मनाया महिला दिवस

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल प्रखंड क्षेत्र के कसवा पंचायत भवन में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम सैदपुर आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड के तत्वावधान में आयोजित किया गया। वही समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि कसवा पंचायत की मुखिया रोज मेरी बास्की और महिला संगठन से जुड़ी सदस्यों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर तथा केक काटकर की। इस अवसर पर मुखिया एवं अन्य उत्कृष्ट कार्य करने वाली सखी दीदियों को महुगनी का पौधा देकर सम्मानित किया गया। वही इस दौरान मुखिया रोज मेरी बास्की ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उन महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने अपने संघर्ष और कड़ी मेहनत से समाज में एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि यह दिन न केवल महिलाओं की उपलब्धियों को सलाम करने का है, बल्कि उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने और आने वाली चुनौतियों पर विचार करने का भी एक महत्वपूर्ण मंच है।वही कार्यक्रम में संकुल संगठन की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें सखी दीदियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहेः वही सुई धागा प्रतियोगिताः प्रथम स्थान रिंकी कुमारी, द्वितीय स्थान दिलापी मंडल, तृतीय स्थान चमेली देवी ने प्राप्त किया। वही मेहंदी प्रतियोगिताः प्रथम स्थान दीपाली कुमारी, द्वितीय स्थान चांदनी कुमारी, तृतीय स्थान अष्टमी कुमारी को मिला। इस दौरान कुर्सी रेस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रृष्टि कुमारी, द्वितीय स्थान रीना कर्मकार और तृतीय स्थान रूप सुंदरी ने प्राप्त किया। इसके अलावा, संकुल संगठन की अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली सखी दीदियों को डायरी और पेन देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में संकुल संगठन के अंतर्गत आने वाले पांचों पंचायतों की सखी दीदियां बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

मारपीट व हथियार से हमला मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल थाना क्षेत्र के नवगछि गांव में जान मारने की नीयत से हरवे हथियार से सिर पर वार करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसकी जानकारी राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने दी। उन्होंने कहा कि वादी संजीत मंडल उर्फ सोनू मंडल (48 वर्ष) ने इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ थाने में आवेदन दिया था, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। वही वादी ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया और जान से मारने की नीयत से हरवे हथियार से सिर पर वार किया। इस मामले में गोपाल मंडल, उनके पुत्र कृष्णा मंडल और संजीव मंडल को आरोपी बनाया गया है। वही पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी गोपाल मंडल को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वही इस मामले में राजमहल थाना में कांड संख्या 75/26 दर्ज की गई है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

नवनिर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष के सम्मान में अंबेडकर संस्था ने किया नागरिक अभिनंदन

जनभागीदारी से होगा शहर का सर्वांगीण विकास : रामनाथ

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। शहर के कुलीपाड़ा, दहिया टोला स्थित अंबेडकर भवन में अंबेडकर संस्था के तत्वधान में नव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान का नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के मीडिया प्रभारी अनिल पासवान ने किया। इस दौरान नव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान का ब्लू रंग के अंगवस्त्र व फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इसके पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने संविधान निमार्ता डॉ भीम राव अंबेडकर व देश की प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई फुले की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। वहीं वक्ताओं ने नाव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष से शहर के समग्र विकास की कामना की। नव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान ने अंबेडकर संस्था व शहर की जनता का आभार जताया। कहा कि जनता ने विकास के लिए उन्हें चुना है। समाज के हर तबके को साथ लेकर शहर का विकास करेंगे। उन्होंने महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामना भी दी। साथ ही कहा कि जनता की उम्मीद पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। मंच संचलान विजय वर्मा ने किया। मौके पर वार्ड पार्षद रंजीत प्रसाद साह, कोंग्रेसी नेता अखलाक नदीम, अनिल राय, विष्णु पासवान, मो कज्जाफी मुर्शाद, मो शाहिद, संजीव पासवान, संजय पासवान, मानव पासवान, शेखर पासवान, कैलाश पासवान, मनोज पासवान, व्यास पासवान, मो अजफर, मो अनवारुल सहित दर्जनों मौजूद थे।

अनुसूचित जनजातीय आवासीय विद्यालय व एकलव्य मॉडल स्कूल में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा संपन्न

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6, 7 और 8 में दाखिले हेतु विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । कल्याण विभाग झारखंड सरकार द्वारा संचालित अनुसूचित जनजातीय आवासीय विद्यालयों व एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 26-27 हेतु कक्षा 6, 7 एवं 8 में नामांकन के लिए रविवार को प्रवेश परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह परीक्षा उत्क्रमित नगर पालिका कन्या मध्य विद्यालय साहेबगंज में परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली एवं द्वितीय पाली में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। वहीं उक्त परीक्षा केंद्र पर विधि-व्यवस्था एवं परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद साहेबगंज अभिषेक कुमार सिंह को दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था। उनके पर्यवेक्षण में परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। जिसकी जानकारी देते हुए परियोजना निदेशक, आईटीडीए-सह-प्रभारी जिला कल्याण पदाधिकारी साहेबगंज संजय कुमार दास ने बताया कि एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, भोगनाडीह बरहेट में नामांकन हेतु कुल 148 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से आज 129 छात्र-छात्राएं प्रवेश परीक्षा में उपस्थित हुए, जबकि 19 छात्र-छात्राएं अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार अनुसूचित जनजातीय आवासीय विद्यालय बरहेट, बांझी, वृंदावन, बंदरकोला एवं धमधामियां में नामांकन हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा में कक्षा 6 के लिए कुल 44 अभ्यर्थियों में से 41 उपस्थित तथा 03 अनुपस्थित रहे।

वहीं कक्षा 7 के लिए कुल 88 अभ्यर्थियों में से 85 उपस्थित तथा 03 अनुपस्थित रहे। वहीं कक्षा 8 के लिए कुल 14 अभ्यर्थियों में से 13 उपस्थित तथा 01 अनुपस्थित रहे। कहा पूरी परीक्षा प्रक्रिया निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुरूप शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई गई। जिला प्रशासन एवं कल्याण विभाग द्वारा परीक्षा के सफल संचालन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई 24 प्रहर हरि नाम संकीर्तन

बिभा संवाददाता

बरहरवा । बरहरवा प्रखंड क्षेत्र बरारी पंचायत अंतर्गत बरारी गांव स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में रविवार को भव्य कलश यात्रा के साथ धार्मिक माहौल के बीच 24 प्रहर हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर की गई। जिसका उद्घाटन बीस सुत्री अध्यक्ष अशोक दास के द्वारा फिताकाटकर किया गया। इसके बाद श्रद्धालु बालिकाओं ने सिर पर कलश लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली। कलश यात्रा मंदिर परिसर से निकलकर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंच कर स्थल पर पहुंची। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा भजन-कीर्तन और जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। आयोजकों ने बताया कि 24 घंटे तक लगातार हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के कई कीर्तन मंडलियां भाग लेंगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और अन्य व्यवस्थाएं भी की गई हैं। मौके पर बरारी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बाबू मुर्मू, छद्दू साहा सहित अन्य लोग शामिल हुए।

महिला दिवस पर महिला कर्मियों ने संभाली ट्रेन की पूरी जिम्मेदारी, महिला स्पेशल ट्रेन का हुआ संचालन

बिभा संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार को रांची रेलवे स्टेशन पर महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरणादायक तस्वीर देखने को मिली। इस खास दिन को यादगार बनाने के लिए रेल प्रशासन ने रांची से इरगांव के बीच चलने वाली एक यात्री ट्रेन के संचालन की पूरी जिम्मेदारी महिला कर्मचारियों को सौंप दी। इंजन से लेकर ट्रेन की सुरक्षा और यात्रियों की देखभाल तक हर जिम्मेदारी महिलाओं ने संभाली और अपने कौशल व दक्षता का परिचय दिया।

रेलवे के इस विशेष प्रयास के तहत महिला कर्मचारियों की एक पिंक टीम बनाई गई, जिसने ट्रेन के संचालन की पूरी कमान संभाली। इस टीम में कुल 15 महिला रेल कर्मियों को शामिल किया गया था। इनमें लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), टिकट परीक्षक (टीटीई) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की महिला जवान शामिल थीं। सभी ने आपसी समन्वय और अनुशासन के साथ ट्रेन को सुरक्षित तरीके से निर्धारित समय पर रवाना किया और उसके संचालन की हर तकनीकी और प्रशासनिक जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाया।

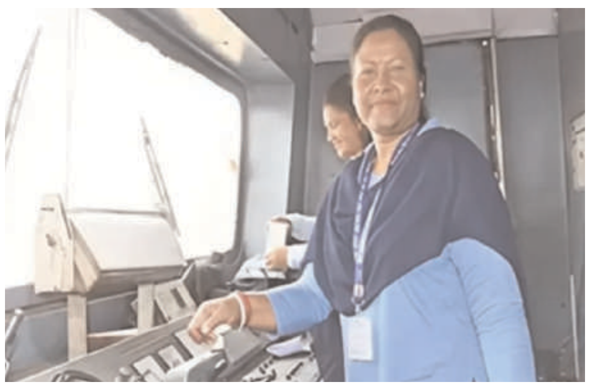

इस विशेष ट्रेन की लोको पायलट दीपाली थीं, जिन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ ट्रेन का संचालन किया।

रांची रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के रवाना होने से पहले एक छोटा सा सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया।

इस दौरान रांची रेल मंडल की सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर (डीसीएम) सूची सिंह ने सभी महिला रेल कर्मचारियों को गुलाब का फूल भेंट कर सम्मानित किया और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और भारतीय रेल में भी उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि रेलवे के तकनीकी और चुनौतीपूर्ण कार्यों में महिलाओं की भागीदारी न केवल उनकी क्षमता को दशार्ती है बल्कि आने वाली पीढ़ियों की लड़कियों को भी प्रेरणा देती है। इस तरह के प्रयासों से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और समाज में लैंगिक समानता को भी मजबूती मिलती है।

इस अवसर पर स्टेशन परिसर में मौजूद यात्रियों ने भी इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया। जैसे ही महिला टीम के नेतृत्व में ट्रेन रवाना हुई, यात्रियों और स्टेशन पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। कई यात्रियों ने कहा कि महिला दिवस पर इस तरह की पहल से यह संदेश जाता है कि महिलाएं किसी भी जिम्मेदारी को निभाने में पूरी तरह सक्षम हैं।

मौके पर रेलवे अधिकारियों ने बताया कि भारतीय रेल में महिला कर्मचारियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और अब वे संचालन, तकनीकी कार्य, सुरक्षा और प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। रांची मंडल द्वारा महिला दिवस पर की गई यह पहल महिलाओं की क्षमता और नेतृत्व को सम्मान देने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक संदेश देने का भी एक प्रयास है।

संक्षिप्त खबरें

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों की कमान महिला रेल कर्मियों ने संभाली

धनबाद : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धनबाद मंडल द्वारा विशेष तैयारी की गई कआज के दिन धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों के बुकिंग कार्यालय, टिकट चेकिंग से लेकर सुरक्षा की व्यवस्था एवं ट्रेनों के परिचालन तक की बागडोर महिलाएं द्वारा संभाली गई ।

राखामाइंस स्टेशन पर उत्कल एक्सप्रेस के नए ठहराव का शुभारंभ, सांसद ने दिखाई हरी झंडी

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के राखामाइंस रेलवे स्टेशन पर शनिवार को ट्रेन संख्या 18477/18478 पुरी-योगनगरी ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस के नए ठहराव की सुविधा का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान स्टेशन परिसर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और रेल यात्री मौजूद रहे तथा ट्रेन के नए स्टॉपेज का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। राखामाइंस और आसपास के क्षेत्रों के लोगों की ओर से लंबे समय से इस ट्रेन के ठहराव की मांग की जा रही थी। अब इस मांग के पूरी होने से स्थानीय लोगों में काफी खुशी देखी गई। लोगों ने सांसद विद्युत वरण महतो और रेलवे प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सुविधा से क्षेत्र के यात्रियों को दूर-दराज के शहरों तक यात्रा करने में काफी सहूलियत मिलेगी। इस मौके पर खड़गपुर मंडल की अपर मंडल रेल प्रबंधक (ऑपरेशन) मनीषा गोयल, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक निशांत कुमार, मंडल के अन्य रेलवे अधिकारी, डीआरयूसीसी के सदस्य तथा कई स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि उत्कल एक्सप्रेस के इस ठहराव से राखामाइंस और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को अब सीधे पुरी और योगनगरी ऋषिकेश जैसे प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक यात्रा करने में काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे से लगातार संवाद किया जा रहा है और भविष्य में भी इस दिशा में प्रयास जारी रहेंगे। रेलवे अधिकारियों ने भी भरोसा दिलाया कि यात्रियों की सुविधा और बेहतर रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए रेलवे प्रशासन लगातार प्रयासरत है। उत्कल एक्सप्रेस के नए ठहराव से अब स्थानीय यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिल सकेगी।

नारी शक्ति का सामर्थ्य ही विकसित भारत की शक्तिः अन्नपूर्णा देवी

नई दिल्ली। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि नारी शक्ति का सामर्थ्य ही विकसित भारत की शक्ति है। आज भारत महिला विकास से आगे बढ़कर महिला नेतृत्व वाले विकास के युग में प्रवेश कर चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के जेंडर बजट में किया गया 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का ऐतिहासिक आवंटन इसी लक्ष्य को समर्पित है' सरकार 'होल ऑफ गर्वनमेंट' के विजन के साथ- शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार करके महिलाओं के जीवन को सशक्त बना रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर रविवार को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि आज भारत की आधी आबादी के संकल्प, समर्पण और उपलब्धियों का उत्सव है, जो 'विकसित भारत' की आधारशिला हैं। महिलाओं के समग्र विकास के लिए पूरे जीवन के एप्रोच को अपनाया है। इस यात्रा की शुरूआत बेटी के जन्म और उसकी शिक्षा से होती है। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान ने समाज की मानसिकता को बदला है ' बेटियों के जन्म को अब उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, तकनीक और गणित विषयों में बेटियों की 43 प्रतिशत भागीदारी के साथ भारत पूरी दुनिया में सबसे आगे है। मंगल मिशन की सफलता में, हमारी महिला वैज्ञानिकों की उल्लेखनीय भूमिका रही है। इस बार के बजट में, देशभर के सभी जिलों में महिला हॉस्टल की स्थापना से, हमारी बेटियों के लिए नई राहें खुलने जा रही हैं । सरकार द्वारा पोषण अभियान और 'पीएम मातृ वंदना योजना' के अंतर्गत, सुरक्षित मातृत्व से स्वस्थ शिशु जन्म और उसकी देखभाल को सुनिश्चित किया गया है । इसके सुखद परिणाम भी आज देश के सामने हैं। मातृ मृत्यु दर घटकर 97 तक पहुँच गई है। एक स्वस्थ नारी ही एक समर्थ और विकसित राष्ट्र की निमार्ता होती है। हम महिलाओं को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं । इसके लिए, हाल ही में, प्रधानमन्त्री द्वारा सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए 'एचपीवी-टीकाकरण' अभियान भी शुरू किया गया है।

GIVE TO GAIN के संदेश के साथ सीसीएल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का प्रेरणादायी आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के जवाहरनगर क्लब, रांची में "Give to Gain" थीम पर एक भव्य और प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीसीएल परिवार से कार्यक्रम में रीता तिवारी एवं नीरू हंजूरा की दमदार उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत इटक एवं बोन डेंसिटी टेस्ट के उद्घाटन के साथ हुई, जिसका आयोजन WIPS के तत्वावधान में गांधीनगर अस्पताल, सीसीएल रांची द्वारा किया गया। इस दौरान आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में बहुत सारे प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनका अतिथियों द्वारा अवलोकन एवं मूल्यांकन किया गया। उक्त प्रतियोगिता के विजेताओं को रीता तिवारी एवं नीरू हंजूरा द्वारा पुरस्कृत किया गया।

मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और अल्पना अदिति की गणेश वंदना के साथ हुआ। WIPS CCL की समन्वयक बीवा उरांव, महाप्रंधक प्रणाली, सीसीएल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, जबकि कविता गुप्ता, महाप्रंधक एचआर, सीसीएल ने भारत सरकार के केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री का अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भेजा गया प्रेरक संदेश पढ़कर सभी को सुनाया। WIPS CCL की अध्यक्षा एवं जीएम (ईएंडएम) सुचंद्रा सिन्हा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए भविष्य में WIPS की कार्ययोजनाओं को सभी से साझा किया।

इस अवसर पर सीसी एंड पीआर विभाग के द्वारा बनाई गई एक विशेष लघु फिल्म हमारी बिंदा का अवलोकन किया गया, जिसमे बिंदा कुमारी, प्यून, सीसीएल द्वारा अपने पिता की मृत्यु के पश्चात जिस तरह उन्होंने अपने तीन बहनों एवं भाई का लालन पोषण, पढ़ाई एवं उनकी शादी करा कर ना सिर्फ सभी के घरों को बसाया, बल्कि सीसीएल के बी एंड के क्षेत्र एवं सीएसआर विभाग, ल्द अपनी कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण से कुशल कोल योद्धा का रोल भी निभाया। फि ल्म में उनके द्वारा उनके ग्राम मनातू में निर्मित मंदिर के सामाजिक पहलू को भी उजागर किया गया जिसे सभी लोगो द्वारा बिंदा की उपस्थिति में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सराहा गया।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित महिलाओं : प्रो. रश्मि वर्मा, मास कॉम विभाग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, झारखंड, लेफ्टिनेंट कर्नल दुर्गावती, मोनिका गुंजन आर्या, जर्नो एक्टिविस्ट व संस्थापक पालो ना और जयश्री देवी इंदवार, स्तंभ ट्रस्ट की अध्यक्षा व सोहराई पेंटिंग आर्टिस्ट ने अपने प्रेरक विचार साझा किए और सीसीएल की महिला कार्यबल को राष्ट्र निर्माण एवं ऊर्जा सुरक्षा में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रोत्साहित किया। सभी वक्ताओं को इस अवसर पर सम्मानित भी किया गया।इस दौरान सभी को सीसीएल के अचीवमेंट व परफॉरमेंस पर तथ्यात्मक पीपीटी प्रस्तुति भी दिखाई गई जिसे सभी के द्वारा बहुत सराहा गया।

कार्यक्रम में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। इनमें मनमोहक आदिवासी/स्वागत नृत्य, सुचित्रा मुखर्जी, सुचंद्रा सिन्हा एवं श्वेता शालिनी हांसदा द्वारा सुमधुर गीत, पूजा प्रसाद का वाद्य यंत्र वादन, पिंकी, उमंग सिंह, मीनाक्षी, प्रेमलता, डॉ. सांवली और सुरभि भगत की आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां शामिल रहीं। इस विशेष अवसर पर कंपनी की उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 15 महिला अचीवर्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन कविता गुप्ता (जीएम, एचआर/एनईई) के धन्यवाद ज्ञापन और सभी प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण ओपन डांस के साथ हुआ।

सीसीएल अपनी नारी शक्ति के साहस, समर्पण और नेतृत्व को सलाम करता है, जो हर दिन प्रगति और ऊर्जा की नई मिसाल कायम कर रही हैं एवं ऊर्जा जरूरतों को सुनिश्चित करते हुए राष्ट्र निर्माण में कदम बढ़ा रही है।

जिंदल स्टील पतरातु में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

बिभा संवाददाता

पतरातु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिंदल स्टील पतरातु स्थित जिंदल क्लब में भव्य कार्यक्रम का आयोजन कर महिला दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सी एस आर प्रमुख कुमार राहुल एवं संचालन शोम्या श्री जेना ने किया।कार्यक्रम में प्लांट प्रमुख के. बी. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिंदल स्टील प्लांट परिसर में आसपास के गांवों से आई बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के. बी. सिंह ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनती हैं तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। उन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर जिंदल फाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती शालू जिंदल के संदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि महिलाओं का विकास ही परिवार और समाज का वास्तविक विकास है। जिंदल फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान जिंदल स्टील के चेयरमैन एवं कुरुक्षेत्र से सांसद श्री नवीन जिंदल के महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए योगदान का भी उल्लेख किया गया। बताया गया कि उनके मार्गदर्शन में जिंदल स्टील द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए कई सामाजिक पहलें चलाई जा रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सम्मानित किया गया तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर जागरूकता संदेश भी दिया गया।इस अवसर पर उपस्थित सभी महिलाओं ने समाज में समानता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक संतोष कुमार, मिनु सिंह,रुपेश कुमार,आर डी शर्मा, सुभाष शरण, डॉ संजीव दुवेदी, सहित सभी अधिकारी पदाधिकारी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वेदांता ने महिलाओं की भागीदारी 35% तक बढ़ाने का लक्ष्य किया तय

बिभा संवाददाता

बोकारोः अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वेदांता ग्रुप ने संगठन के सभी स्तरों पर महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाकर 35 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य तय किया है। इसके साथ ही कंपनी ने #HerAtTheCore नाम से एक राष्ट्रव्यापी अभियान और लिंक्डइन के माध्यम से विशेष हायरिंग ड्राइव शुरू की है, जिसके तहत महिलाओं को खनन, धातु, तेल एवं गैस, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

उद्योग से जुड़े हालिया सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2023-24 में विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्यक्ष रोजगार में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत रही, जबकि खनन और धातु जैसे मुख्य क्षेत्रों में यह आंकड़ा अभी भी लगभग 6 प्रतिशत ही है। ऐसे में वेदांता का यह अभियान उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

#HerAtTheCore अभियान इस बात को रेखांकित करता है कि भारत औद्योगिक विकास के एक महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन, ईवी सप्लाई चेन और उन्नत विनिर्माण में देश की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। धातु, खनिज, तेल एवं गैस और ऊर्जा जैसे क्षेत्र इस विकास के केंद्र में हैं, लेकिन इन क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी अभी भी सीमित है।

वेदांता समूह में वर्तमान में महिलाओं की हिस्सेदारी कुल कार्यबल का लगभग 23 प्रतिशत है, जो उद्योग के औसत से काफी अधिक है। कंपनी का कहना है कि 6 प्रतिशत पर्याप्त नहीं है और 23 प्रतिशत केवल शुरूआत है। इसी सोच के साथ कंपनी आने वाले वर्षों में इस भागीदारी को बढ़ाकर 35 प्रतिशत और आगे चलकर 50 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखती है।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए प्रिया अग्रवाल हेब्बर, नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, वेदांता लिमिटेड और चेयरपर्सन, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने कहा भारत की विकास आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए देश की प्रतिभा को समान अवसर देना आवश्यक है। वेदांता में आज महिलाएं हमारे कुल कार्यबल का 23 प्रतिशत हैं, लेकिन यह केवल शुरूआत है। हमारा लक्ष्य इसे 35 प्रतिशत और आगे चलकर 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का है। हम केवल प्रतिनिधित्व नहीं बढ़ा रहे हैं, बल्कि ऐसी प्रणालियाँ और तकनीक विकसित कर रहे हैं, जिससे महिलाएं मुख्य औद्योगिक क्षेत्रों में आगे बढ़ सकें।

सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहा #ली१अ३ळौउङ्क१ अभियान महिला इंजीनियरों, भूवैज्ञानिकों, डेटा वैज्ञानिकों और अन्य पेशेवरों को वेदांता के विभिन्न व्यवसायों में अवसरों के लिए आवेदन करने के लिए प्रेरित कर रहा है। इस पहल के माध्यम से कंपनी यह संदेश देना चाहती है कि भारत के औद्योगिक भविष्य के निर्माण में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर रवीश शर्मा, डिप्टी सीईओ एवं होल टाइम डायरेक्टर, ईएसएल स्टील लिमिटेड ने कहा,ईएसएल स्टील में हम एक ऐसे कार्यस्थल के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं जहां महिलाएं सुरक्षित, सम्मानजनक और समान अवसरों के साथ आगे बढ़ सकें। हमें विश्वास है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी न केवल संगठन को मजबूत बनाती है बल्कि उद्योग के समग्र विकास को भी नई दिशा देती है।

तकनीक से मिल रहे समान अवसर

वेदांता की समावेशन रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उन्नत तकनीक का उपयोग है। ऑटोमेशन, डिजिटल ऑपरेशंस सेंटर और रिमोट मॉनिटरिंग जैसी तकनीकों के माध्यम से कार्यस्थलों को अधिक सुरक्षित और कौशल-आधारित बनाया जा रहा है, जहां प्रदर्शन का मूल्यांकन क्षमता के आधार पर किया जाता है, न कि लिंग के आधार पर।

औद्योगिक कार्यों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

वेदांता ग्रुप ने महिलाओं के लिए अग्रिम पंक्ति के औद्योगिक कार्यों में भी नए अवसर खोले हैं। ओडिशा के झारसुगुड़ा स्थित वेदांता एल्युमिनियम स्मेल्टर में पूरी तरह महिलाओं की एक टीम उत्पादन लाइन संचालित कर रही है। इसके अलावा कई स्थानों पर महिलाएं बिजली उत्पादन, सुरक्षा संचालन और लोकोमोटिव प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की जिम्मेदारी भी निभा रही हैं।

महिलाओं के लिए सहयोगी कार्य वातावरण

कंपनी महिलाओं को कार्यस्थल पर आगे बढ़ने के लिए विभिन्न पहल भी कर रही है, जिनमें मातृत्व अवकाश के बाद रिटर्नशिप कार्यक्रम, फ्लेक्सिबल कार्य व्यवस्था, नेतृत्व विकास कार्यक्रम और आधुनिक टाउनशिप में आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा बाल देखभाल जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

एयर इंडिया 10 मार्च से नौ अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच टाटा की अगुवाई वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया 10 से 18 मार्च तक नौ अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर 78 अतिरिक्त उड़ानों को संचालित करेगी। एयरलाइन का यह कदम मुश्किल हालात में कनेक्टिविटी बनाए रखने में सहायक होगा। एयर इंडिया ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण यात्रा की बढ़ती मांग को देखते हुए यात्रियों को अधिक विकल्प उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एयरलाइन 10 से 18 मार्च के बीच 9 रूट्स पर 78 एक्स्ट्रा फ्लाइट्स चलाएगी। कंपनी ने आगे लिखा, हम न्यूयॉर्क के जेएफके, लंदन के हीथ्रो, फ्रैंकफर्ट, पेरिस, एम्स्टर्डम, ज्यूरिख, कोलंबो और माले के लिए एक्स्ट्रा कैपेसिटी लगा रहे हैं। एयर इंडिया इन मार्गो को जोड़ने वाले नौ मार्गों पर 78 अतिरिक्त उड़ानों को संचालित करेगी। इससे यूरोप, अमेरिका, मालदीव और श्रीलंका के लिए 17,660 सीटें बढ़ेंगी, यात्रियों को विश्वसनीय विकल्प मिलेंगे। एयर इंडिया के मुताबिक पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात में कई रूट्स पर उड़ानों की उपलब्धता कम हो गई है। ऐसे में अतिरिक्त उड़ानों के जरिए यात्रियों को ज्यादा विकल्प और सीटें उपलब्ध कराई जाएंगी।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com